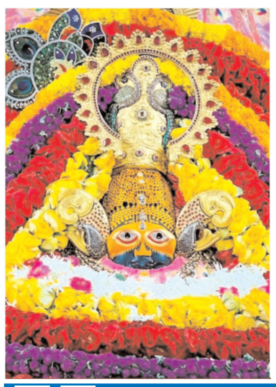

RNI No. GUJHIN/2010/35230

महानगर मेट्रो

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

कार्यालय :- सी-8 रिची हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

महानगर मेट्रो
राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें
सरबजीत माकन
+91-9638877700
mahanagarmetro7@gmail.com

वर्ष :16 । अंक: 20। पेज:12। mahanagarmetro7@gmail.co || अहमदाबाद,16 सितंबर 2026 (बुधवार) || सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/

'न्यायपालिका को भ्रष्टाचार और आलोचना जैसे मुद्दों से नहीं भागना चाहिए'

● आम जनता के भरोसे पर मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत बोले- फैसला पसंद आए ये जरूरी नहीं

एजेंसी
नई दिल्ली। भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने कहा कि न्यायपालिका पर जनता का भरोसा, लोगों की मंजूरी से अलग है। उन्होंने कहा कि लोगों की पसंद के फैसले देने से भरोसा नहीं बनता बल्कि निष्पक्ष तरीके से न्याय करने से जनता का विश्वास कायम होता है। सीजेआई ने यह भी कहा कि अदालतों को जांच, सवाल और जरूरत पड़ने पर आलोचना के लिए तैयार रहना चाहिए।

आपको बता दें कि सीजेआई सूर्यकांत दिल्ली में आयोजित छठे राम जेठमलानी मेमोरियल लेक्चर में मुख्य वक्ता के तौर पर संबोधित कर रहे थे। इस कार्यक्रम का विषय था- Justice seen to be done: Transparency and public trust as pillars of the legal system. कार्यक्रम में वरिष्ठ अधिवक्ता हरीश साल्वे और महेश जेठमलानी ने न्यायपालिका में प्रशासनिक सुधारों की जरूरत पर चिंता जताई। उन्होंने जजों की नियुक्ति समेत न्यायपालिका के सामने मौजूद चुनौतियों से निपटने के लिए सुधारों की आवश्यकता पर

जोर दिया। इस पर सीजेआई ने कहा कि सुधार व्यवस्था का हिस्सा होना चाहिए और कोई भी संस्था स्थिर रहकर लंबे समय तक ना तो टिक सकती है और ना ही इस बात पर गर्व कर सकती है कि उसमें कोई बदलाव नहीं हो रहा।

कॉलेजियम सिस्टम पर क्या बोले सीजेआई

सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि कुछ ऐसे मुद्दे भी होते हैं जिन पर सार्वजनिक मंच से जवाब देना उचित नहीं होता। उन्होंने कहा कि कॉलेजियम सिस्टम कैसे बना और अब तक किस तरह काम करता रहा है, इन सवालों के उनके पास कानूनी और ऐतिहासिक जवाब हैं। उन्होंने कहा कि कॉलेजियम की सिफारिशों पर केंद्र सरकार की ओर से जजों की नियुक्ति में आमतौर पर कोई बड़ी रुकावट नहीं आती। उनके मुताबिक, यह खुद बताता है कि कॉलेजियम में किस तरह चर्चा होती है और आखिर में सिफारिशें कैसे तय की जाती हैं। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि सुधार का स्वागत होना चाहिए।

शिकायतों पर चीफ जस्टिस सूर्यकांत का मत

उन्होंने शिकायतों के गलत इस्तेमाल की आशंका भी जताई।सीजेआई ने कहा कि अगर हर फैसले पर शिकायत की अनुमति हो तो कोई भी न्यायिक अधिकारी जब अंतरिम आदेश देता है, किसी मामले की सुनवाई टालता है या अंतिम फैसला सुनाता है तो हर चरण पर शिकायत हो सकती है। उन्होंने कहा कि यह गंभीर चर्चा का विषय है कि क्या हर शिकायत को सार्वजनिक मंच या वेबसाइट पर डालना चाहिए। या फिर इसके लिए एक मजबूत आंतरिक व्यवस्था होनी चाहिए जो पूरी निष्पक्षता और जिम्मेदारी के साथ शिकायतों पर फैसला करे। सीजेआई ने कहा कि ऐसी व्यवस्था पहले से मौजूद है।

पटना में छात्रों ने किया जोरदार प्रदर्शन

● बीपीएससी सयुंक्त परीक्षा और दरोगा भर्ती की मुख्य परीक्षा रद्द करने की मांग की

एजेंसी
पटना। बिहार पुलिस दारोगा भर्ती और बीपीएससी 70वीं परीक्षा रद करने समेत विभिन्न मांगों को लेकर मंगलवार को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्रों ने गांधी मैदान के समीप प्रदर्शन किया।विभिन्न छात्र संगठनों के नेतृत्व में बड़ी संख्या में छात्र जेपी गोलंबर के पास जुटे और सड़क पर उतर गए। प्रदर्शन के दौरान छात्रों ने जेपी गोलंबर से रामगुलाम चौक तक मुख्य मार्ग को जाम कर दिया।छात्रों को रोकने के लिए पुलिस ने पहले वाटर कैनन का इस्तेमाल किया, लेकिन हालात नहीं संभले तो पुलिस ने लाठीचार्ज कर प्रदर्शनकारियों को पीछे हटाया। गांधी मैदान से मार्च शुरू करने के बाद प्रदर्शनकारी छात्र राजभवन की ओर बढ़ रहे थे। रास्ते में पुलिस ने बैरिकेडिंग कर छात्रों को प्रतिबंधित क्षेत्र में जाने से रोकने की कोशिश की। हालांकि, प्रदर्शनकारियों ने बैरिकेडिंग तोड़ दी और आगे बढ़ने लगे। मौके पर पुलिस की भारी तैनाती की गई थी। पुलिस अधिकारियों ने साफ कहा कि प्रदर्शनकारियों को प्रतिबंधित क्षेत्र में प्रवेश नहीं करने दिया जाएगा। छ्रस्क्क कामाख्या नारायण सिंह ने कहा कि अगर प्रदर्शनकारी आगे बढ़ने की कोशिश करेंगे तो पुलिस उन्हें रोक देगी। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि वरिष्ठ अधिकारियों के साथ छात्रों की बातचीत सकारात्मक रही है और उम्मीद है कि छात्र उनकी बात

पुलिस का लाठीचार्ज

मानेंगे। उन्होंने कहा, 'हम उन्हें रोकेंगे और आगे नहीं बढ़ने देंगे। हालांकि, बातचीत सकारात्मक रही है और हमें उम्मीद है कि छात्र सहमत होंगे। उन्होंने वरिष्ठ अधिकारियों के सामने कई मुद्दे रखे हैं और बातचीत का नतीजा सकारात्मक रहा है। इसलिए उम्मीद है कि प्रदर्शन में कम लोग शामिल होंगे और छात्र सहमत हो जाएंगे। अगर वे नहीं मानते हैं तो हम उन्हें यहीं रोक देंगे और प्रतिबंधित क्षेत्र में प्रवेश नहीं करने देंगे। '

स्वतंत्र भारद्वाज को 3 हफ्ते की अंतरिम जमानत

जंतर-मंतर पर सीजेपी प्रदर्शनकारी से मारपीट मामले में मिली राहत

एजेंसी
नई दिल्ली। दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट ने सीजेपी प्रदर्शनकारी से कथित मारपीट के मामले में स्वतंत्र भारद्वाज को तीन हफ्ते की अंतरिम जमानत दे दी है। कोर्ट के इस आदेश से उन्हें फिलहाल राहत मिली है। पिछली सुनवाई के दौरान अदालत ने स्वतंत्र भारद्वाज की जमानत याचिका पर अपना आदेश 15 सितंबर के लिए सुरक्षित रख लिया था। मामला कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) की एक प्रदर्शनकारी के साथ कथित मारपीट से जुड़ा है। स्वतंत्र भारद्वाज पर प्रदर्शन के दौरान प्रदर्शनकारी और उसके पिता के साथ मारपीट करने का आरोप है। मामले में पुलिस की कार्रवाई के बाद उन्हें न्यायिक प्रक्रिया का सामना करना पड़ रहा है। पटियाला हाउस कोर्ट के अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश सौरभ

प्रताप सिंह ललर ने यह आदेश पारित करते हुए भारद्वाज को तीन हफ्ते की अंतरिम जमानत दे दी। हालांकि, यह अंतरिम जमानत सीमित अवधि के लिए है और मामले की आगे की कानूनी प्रक्रिया जारी रहेगी। आपको बता दें कि स्वतंत्र ने नियमित जमानत मांगी थी।

राजपाल यादव को सुप्रीम कोर्ट से राहत

● 2 करोड़ जमा करने के लिए मिला दो हफ्ते का समय

एजेंसी
नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने राजपाल यादव को चेक बाउंस मामलों में 2 करोड़ रुपये का डिमांड ड्राफ्ट जमा करने के लिए दो हफ्ते का समय दिया है। कोर्ट ने इसे उनके लिए आखिरी मौका बताया है और पासपोर्ट जमा करने का भी निर्देश दिया है। राजपाल यादव और उनकी पत्नी राधा यादव ने

दिल्ली हाईकोर्ट के फैसले को चुनौती दी है, जिसमें उन्हें दोषी ठहराते हुए प्रत्येक मामले में तीन महीने की सजा सुनाई गई थी। सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने राजपाल यादव की फिल्मों में एक्टिंग का जिक्र करते हुए टिप्पणी की, 'आप फिल्मों में बहुत अच्छी एक्टिंग करते हैं। मैं उम्मीद करता हूं कि कोर्ट में ऐसा नहीं करेंगे।' कोर्ट की इस टिप्पणी के बाद मामले में राजपाल यादव को दो करोड़ रुपये जमा करने के लिए दो हफ्ते की मोहलत दी गई।

सीएम डीके शिवकुमार ने भाजपा पर 'वंदे मातरम' विवाद को लेकर अशांति फैलाने का लगाया आरोप

'वंदे मातरम' मुद्दे पर भाजपा के प्रस्तावित आंदोलन की कड़ी आलोचना की'

बेंगलुरु(एजेंसी)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने मंगलवार को 'वंदे मातरम' मुद्दे पर भाजपा के प्रस्तावित आंदोलन की कड़ी आलोचना की। उन्होंने विपक्षी पार्टी पर लोगों को भड़काने और राज्य में अशांति पैदा करने की कोशिश करने का आरोप लगाया। सीएम शिवकुमार ने केआर सर्कल में सर एम. विश्वेश्वरैया को श्रद्धांजलि देने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए आरोप लगाया कि भाजपा राजनीतिक कारणों से हर चीज में कमी निकाल रही है और उसे कर्नाटक के कल्याण की कोई परवाह नहीं है। शिवकुमार ने कहा, 'अगर आप भाजपा नेताओं का सीना भी चीरकर देखें, तो उसमें राज्य के कल्याण की चिंता का कोई भाव नहीं मिलेगा। उनकी सोच सिर्फ राजनीतिक है। उन्हें सुधारा नहीं जा सकता। ''वंदे मातरम' मुद्दे पर भाजपा के विरोध प्रदर्शन के आह्वान पर प्रतिक्रिया देते हुए, उन्होंने उस

पुलिस अधिकारी का बचाव किया, जिसके बयानों से यह विवाद शुरू हुआ था। उन्होंने कहा कि पुलिस अधिकारी ने क्या गलती की है? उसने बस चेतावनी दी थी ताकि कोई अप्रिय घटना न हो। इसके लिए भाजपा इस मुद्दे को सड़कों पर ले आई है। ' शिवकुमार ने सवाल किया कि विपक्ष के नेता समेत अन्य विपक्षी नेता पंचायत स्तर के मुद्दे में क्यों शामिल हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि विपक्ष के नेता का पद एक संवैधानिक पद है। मैं उनसे बेहतर आचरण की उम्मीद करता हूं। इस मुद्दे पर भाजपा नेताओं के सोशल मीडिया पोस्ट का जिक्र करते हुए शिवकुमार ने सवाल किया कि समाज में कानूनों का पालन सुनिश्चित करने के लिए कौन जिम्मेदार होना चाहिए।

बिहार में बाढ़ की तबाही पर राहुल गांधी, खरगे और प्रियंका गांधी ने जताया दुख

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार में आई विनाशकारी बाढ़ से हुई जनहानि पर लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने दुख व्यक्त किया। उन्होंने शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना जताते हुए सरकार से राहत एवं बचाव कार्यों में तेजी लाने की अपील की। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर कहा कि बिहार में बाढ़ से हुई जनहानि अत्यंत दुखद और हृदयविदारक है। उन्होंने आपदा में अपने प्रियजनों को खोने वाले परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि त्रासदी से प्रभावित सभी लोगों के साथ उनकी सहानुभूति है। उन्होंने कांग्रेस कार्यकर्ताओं से आगे बढ़कर प्रभावित लोगों की हरसंभव मदद करने की अपील की। राहुल गांधी ने सरकार और प्रशासन से राहत एवं बचाव कार्य पूरी तत्परता से चलाने तथा प्रभावित परिवारों तक आवश्यक सहायता जल्द से जल्द पहुंचाने की अपेक्षा जताई। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बिहार में बाढ़ से हुई जनहानि को अत्यंत पीड़ादायक बताया। उन्होंने शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि 15 जिलों में करीब 50 लाख लोग बाढ़ से प्रभावित हैं और हजारों गांवों में जनजीवन अस्त-व्यस्त है।

हमारी विदेश नीति को दूसरे देशों के सर्टिफिकेट की जरूरत नहीं : उमर अब्दुल्ला

● यूसीसी को लेकर मुख्यमंत्री ने कहा कि अगर आपके पास बहुमत है तो इसे संसद में लाइए

'पूरा देश भाजपा शासित नहीं है।'

एजेंसी
श्रीनगर । जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने मंगलवार को कई अहम मुद्दों पर अपनी राय रखी। उन्होंने यूसीसी विवाद, चीन की ओर से भारतीय विदेश नीति की तारीफ और एलएसी पर तनाव कम होने की खबरों पर बात की। चीन द्वारा भारत की विदेश नीति की सराहना करने पर उमर अब्दुल्ला ने कहा, 'हमारी विदेश नीति हमारी अपनी है। हम दूसरे देशों के सर्टिफिकेट क्यों देखते हैं? और इसमें खतरा यह है कि कल अगर चीन हमारी विदेश नीति के खिलाफ कुछ कहे, तो आप क्या करेंगे? इसलिए, मुझे नहीं लगता कि हमें दूसरे देशों द्वारा हमारी विदेश नीति के बारे में कही गई बातों को, चाहे वह सकारात्मक हो या नकारात्मक, ज्यादा महत्व देना चाहिए।' यूसीसी को लेकर

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा कि अगर आपके पास बहुमत है तो इसे संसद में लाइए। आप इसे अलग-अलग राज्यों में क्यों लागू कर रहे हैं? वैसे भी उनके अपने एनडीए में ही इस पर सहमति नहीं है। उन्होंने कहा, 'रिपोर्ट्स के मुताबिक, जनता दल यूनाइटेड ने सीधे हाथ खड़े कर दिए हैं और कहा है कि यह बिहार में लागू नहीं होगा। तो अगर उनके अपने लोग ही इसके लिए तैयार नहीं हैं, तो वे कैसे कह सकते हैं कि इसे पूरे देश में लागू किया जाना चाहिए? उन्हें बैकडोर से नहीं आना चाहिए, उन्हें संसद में बिल लाना चाहिए और देखना चाहिए कि उनके पास नंबर हैं या नहीं। ' उमर अब्दुल्ला ने कहा कि अगर यह पूरे देश में लागू नहीं होता तो यह यूनिवर्सल नहीं है। पूरा देश भाजपा शासित नहीं है। कई राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों में भाजपा का शासन नहीं है। इसलिए, यदि आप इसे केवल भाजपा शासित राज्यों में लागू करते हैं, तो यह यूनिवर्सल नहीं है।

भारत डिफेंस एक्सपोर्टर बनने की दिशा में तेजी से बढ़ रहा आगे : राजनाथ सिंह

● आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने में एमएसएमई और स्टार्टअप की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।

एजेंसी
नई दिल्ली । भारत आज आयातक से रक्षा निर्यातक बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। मंगलवार को यह बात रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कही। उन्होंने बताया कि बीते कुछ वर्षों में स्टार्टअप और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम भारत में नवाचार के नए ध्वजवाहक बनकर उभरे हैं। यही छोटे उद्यम नए विचारों और नई प्रौद्योगिकियों को जन्म देते हैं। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने इनके लिए ऐसा ढांचा तैयार किया है, जिसके माध्यम से स्टार्टअप और एमएसएमई सीधे डीआरडीओ की प्रयोगशालाओं के साथ संवाद कर सकते हैं। डीप टेक व विशिष्ट प्रौद्योगिकियों में काम करने का अवसर प्राप्त कर सकते हैं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह नई दिल्ली में आयोजित डीआरडीओ-उद्योग समन्वय बैठक 'विमर्श 2026' में बोल रहे थे। यहां उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने में एमएसएमई और स्टार्टअप की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। ये उद्यम बड़े रक्षा तंत्रों के घटक व उप-तंत्रों से लेकर अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी तक विकसित कर रहे हैं। अब डीआरडीओ व उद्योगों की साझेदारी केवल उत्पादन तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। रिसर्च, डिजाइन, परीक्षण, प्रमाणन और विनिर्माण की पूरी श्रृंखला में

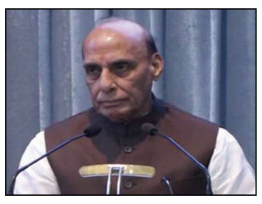

साझेदारी बढ़ानी होगी। बड़े उद्योगों के साथ एमएसएमई व स्टार्टअप को भी रक्षा आपूर्ति श्रृंखला का अभिन्न हिस्सा बनाना होगा। रक्षा मंत्री ने कहा, 'आज डीआरडीओ के पास ज्ञान और प्रौद्योगिकी है, इंडस्ट्री के पास विस्तार और विनिर्माण क्षमता है, स्टार्टअप के पास नवाचार और तेजी से काम करने की क्षमता है और हमारे युवाओं के पास नए भारत का सपना है। जब ये चारों शक्तियां एक साथ आएंगी, तो कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं रह जाएगा। जब ये चारों शक्तियां एक दिशा में आगे बढ़ेंगी, तो भारत की रक्षा क्षमता को दुनिया की कोई शक्ति रोक नहीं सकती।

जैकलीन फर्नांडिस को मकोका केस में आरोपी बनाया जाएगा या नहीं, राउज एवेन्यू कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रखा

नई दिल्ली । अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडिस की मुश्किलों से जुड़ा 200 करोड़ रुपए का मामला एक बार फिर चर्चा में है। सुकेश चंद्रशेखर से जुड़े मकोका केस में जैकलीन को आरोपी बनाए जाने की मांग वाली अर्जी पर राउज एवेन्यू कोर्ट में सुनवाई पूरी हो गई है और अदालत ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है। इससे पहले अदालत ने इस मांग पर दिल्ली पुलिस से जवाब मांगा था। मौजूदा मामले में जैकलीन अभी मकोका केस की आरोपी नहीं हैं। दरअसल, 200 करोड़ रुपए के मनी लॉन्ड्रिंग मामले में जैकलीन पहले से आरोपी हैं और मई 2026 में दिल्ली की अदालत ने उनके खिलाफ आरोप तय करने का आदेश दिया था।

राहुल का आरोप- सरकार ने यूपीआई पर शुल्क लगाने का रास्ता खोल दिया

नई दिल्ली । केंद्र सरकार के दो हजार रुपये तक के यूपीआई के जरिए भुगतान को नि:शुल्क बनाए रखने की अधिसूचना के बाद लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि मोदी सरकार ने चुपचाप दो हजार से अधिक के यूपीआई लेनदेन पर मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) लगाने का रास्ता खोल दिया है। उन्होंने कहा कि भले ही ऐसे लेनदेन कुल संख्या का करीब पांच फीसदी हैं, लेकिन इनका कुल लेनदेन मूल्य में हिस्सा करीब 65 फीसदी है। राहुल गांधी ने मंगलवार को एक्स पोस्ट में कहा कि यूपीआई भुगतान पर सरकार ने कहा कि ग्राहकों से कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा। यदि दुकानदारों पर शुल्क लगाया जाता है तो उसका बोझ अंतत: कहां जाएगा। यह लागत वस्तुओं और सेवाओं की कीमतों में शामिल होकर ग्राहकों की जेब पर पड़ सकती है। उन्होंने आरोप लगाया कि अमेरिकी भुगतान कंपनियां लंबे समय से भारत की शून्य एमडीआर नीति का विरोध करती रही हैं।

दिशा सालियान केस में नाम आने पर सूरज पंचोली ने तोड़ी चुप्पी, बोले-मैं दिशा से कभी नहीं मिला

'न ही मैं आदित्य ठाकरे से मिला हूं'

एजेंसी
मुंबई । सेलिब्रिटी मैनेजर दिशा सालियान का केज दिन-ब-दिन बढ़ता जा रहा है और धीरे-धीरे इंडस्ट्री के लोगों का नाम आ रहा है। अब इस बीच अभिनेता सूरज पंचोली का नाम भी जोड़ा जा रहा है, जिस पर अभिनेता ने अपनी चुप्पी तोड़ी। सूरज पंचोली ने इंस्टाग्राम एक नोट शेयर करते हुए साफ किया कि दिशा से न उनकी पहले मुलाकात हुई और न ही मेरे पास कुछ भी छुपाने के लिए है। उन्होंने अपने नोट पर लिखा, 'मैंने यह बात सामने रखने का फैसला इसलिए किया क्योंकि मुझे लगता है कि कुछ फैक्ट्स को पब्लिक डोमेन में साफ-साफ रखना जरूरी है। पिछले कुछ सालों से, मेरा नाम अलग-अलग मीडिया रिपोर्ट्स और बयानों के जरिए दिशा सालियान की दुर्भाग्यपूर्ण मौत से जुड़े कॉन्ट्रोवर्सी में घसीटा जा रहा है। मैं साफ-साफ कहना चाहता हूं कि मैं अपनी जिंदगी में कभी भी लेट दिशा सालियान से नहीं मिला हूं और न ही आदित्य ठाकरे से मिला हूं। अभिनेता ने अपना दुख जाहिर करते हुए बताया कि बहुत दुख की बात है कि उनका नाम बेवजह ऐसे मामलों में घसीटा जा रहा है, जिससे उनका कोई लेना-देना ही नहीं है। उन्होंने लिखा, 'मैं लंबे समय तक चुप रहा क्योंकि मैं अपने बारे में लिखी गई हर रिपोर्ट या हर कहानी का जवाब नहीं देना चाहता था, लेकिन जब वही चीज बार-बार होती रहती है, तो एक पॉइंट आता है जब आपको खुद के लिए बोलना पड़ता है। इस मामले के बारे में, सीबीआई/पुलिस पहले ही मेरी जांच कर चुकी है और एजेंसियों ने लगभग 4-5 साल पहले मेरा स्टेटमेंट रिकॉर्ड किया था। '

S.T. डिपो से तालुका सेवा सदन तक सड़क खस्ताहाल, सरकारी बाबुओं की आंखों के सामने जनता परेशान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

डभोई। डभोई नगर निगम इलाके में S.T. डिपो से डभोई तालुका सेवा सदन तक की मुख्य और बहुत व्यस्त सड़क बहुत ही खस्ताहाल और दयनीय हो गई है। यह पूरी सड़क बड़े-बड़े का साम्राज्य बन गई है, जिससे गाड़ी चलाने वालों के लिए सड़क से गुजरना मौत को मुट्ठी में लेकर चलने जैसा हो गया है। इतनी गंभीर स्थिति होने के बावजूद नगर निगम प्रशासन ने को भरने का सामान्य काम भी नहीं किया है, जिससे

शहरवासियों में बहुत गुस्सा है। अधिकारियों की आंखों के सामने सड़क खराब, प्रशासन चुप सबसे चौंकाने वाली और शर्मनाक बात यह है कि डभोई तालुका सेवा सदन, नगर पालिका और रोड्स एंड बिल्डिंग डिपार्टमेंट जैसे ज़रूरी सरकारी ऑफिस इसी खराब सड़क के आस-पास हैं। हर दिन बड़े अधिकारी, सरकारी अधिकारी और नेता महंगी कारों में इसी सड़क से गुजरते हैं। फिर भी, उनकी आंखों के सामने ये जानलेवा क्यों नज़र नहीं आते? क्या अधिकारी किसी बड़ी दुर्घटना का इंतज़ार कर रहे हैं? ऐसे ज़रूरी सवाल जो स्थानीय लोग पूछ रहे हैं। सड़क पर गहरे के कारण टू-व्हीलर, ऑटो-रिक्शा और फोर-व्हीलर ड्राइवर परेशान हैं। के कारण गाड़ियों के बार-बार पंक्चर होने, टायर टूटने और दूसरे स्पेयर पार्ट्स खराब होने की शिकायतें हर दिन आ रही हैं। जनता की मेहनत की कमाई गाड़ियों के मेंटेनेंस पर बर्बाद हो रही है। लगातार एक्सीडेंट का डर और मरीज़ों की परेशानी से बचने के लिए ड्राइवर अचानक ब्रेक लगाते हैं या गाड़ी ुमाते हैं, जिससे रोज़ाना छोटे-बड़े एक्सीडेंट हो रहे हैं। खासकर गर्भवती महिलाओं को इस ऊबड़-खाबड़ सड़क से गुज़रते समय बहुत ज़्यादा दर्द और तकलीफ़ उठानी पड़ रही है।

PI ट्रांज़ैक्शन फ़ीस के मुद्दे पर कांग्रेस का केंद्र सरकार पर हमला: 'कैशलेस इंडिया से लूट का सफ़र'

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। केंद्र सरकार के 2,000 रुपये से ज़्यादा के UPI ट्रांज़ैक्शन पर संभावित फ़ीस और मर्चेंट डिस्काउंट रेट लगाने के प्रस्ताव ने पूरे देश में राजनीतिक गरमागरम कर दिया है। कांग्रेस पार्टी ने सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म ङ्ग पर इस मुद्दे पर BJP सरकार पर कड़ा निशाना साधा है। कांग्रेस ने दावा किया है कि सरकार ने आम नागरिकों और कंज्यूमर्स से पैसे ऐंठने के लिए यह नई स्कीम तैयार की है। कांग्रेस की पोस्ट के मुताबिक, सरकार 2,000 से ज़्यादा के हर UPI पेमेंट पर 0.3' से 0.5' का चार्ज लगाने की तैयारी कर रही है। इसका सीधा हिसाब देते हुए विपक्ष ने कहा है कि अगर कोई नागरिक 5,000 की खरीदारी करता है, तो उसे 25 और 10,000 की खरीदारी पर 50 तक का एक्स्ट्रा चार्ज देना पड़ सकता है। आरोप लगाया गया है कि सरकार ने अब डिजिटल ट्रांज़ैक्शन पर डायरेक्ट या इनडायरेक्ट टैक्स लगाना शुरू कर दिया है जो पहले पूरी तरह से फ्री थे। केंद्र सरकार की पॉलिसी पर सवाल उठाते हुए कांग्रेस ने कहा कि शुरू में सरकार ने 'कैशलेस इंडिया' का गुलाबी सपना दिखाया और देश के लोगों को डिजिटल पेमेंट और PI की तरफ मोड़ दिया।

वस्त्राल में प्रॉपर्टी के झगड़े में फायरिंग: आर्मी के जवानों ने खानदानी भाई पर रिवॉल्वर तान दी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। अहमदाबाद शहर के पूर्वी इलाके में स्थित वस्त्राल में तक्षशिला स्कूल के पास हुई फायरिंग की सनसनीखेज घटना से पूरे इलाके में खलबली मच गई है। रिश्तेदारों के बीच प्रॉपर्टी के बंटवारे को लेकर चल रहे झगड़े ने इतना हिंसक रूप ले लिया कि देश की सीमा पर ड्यूटी पर तैनात आर्मी के जवानों ने अपने ही खानदानी भाई पर फायरिंग कर दी! इस घटना के बारे में रामोल पुलिस स्टेशन में गंभीर मामला दर्ज होते ही पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। घटना की जानकारी के मुताबिक, प्रमोद प्रजापति, पवन प्रजापति और उनके छोटे भाई आशीष प्रजापति के बीच पैतृक प्रॉपर्टी को लेकर बड़ा झगड़ा चल रहा था। आशीष प्रजापति ने परिवार के दो मकान अपने नाम कर लिए थे। प्रमोद और पवन प्रजापति इस प्रॉपर्टी में 33-33' हिस्सा मांग रहे थे। इस मामले में लंबे समय से चल रहे झगड़े को सुलझाने के लिए भाइयों के बीच सुलह मीटिंग हुई थी। गुस्से में आकर इंडियन आर्मी में काम करने वाले प्रमोद प्रजापति ने अपनी लाइसेंसी रिवॉल्वर निकाली और सरेआम पर दो राउंड फायरिंग कर दी

अहमदाबाद वालों, AMC ने तो आपकी हवा निकाल दी! चुनाव में 'डेवलपमेंट' के वादे, फिर 'तुम कौन और हम कौन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। मेगा सिटी अहमदाबाद में नॉर्मल बारिश होते ही सिस्टम की कमियां सामने आ जाती हैं और परेशानी का सारा बोझ आम अहमदाबाद वालों के सिर आ जाता है। शहर में मॉनसून का मौसम शुरू होते ही 'स्मार्ट सिटी' के बड़े-बड़े दावे हवा हो गए हैं। खासकर मानेकबाग क्रॉस रोड समेत कई इलाकों में पानी भरने से गाड़ी चलाने वाले और व्यापारी परेशान हैं। ये नज़ारे देखकर हर नागरिक के मन में एक ही सवाल उठता है कि क्या अहमदाबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के अधिकारियों ने लोगों का साथ देने का फैसला कर लिया है? जब चुनाव आते हैं, तो वोट पाने के लिए शहर के लोगों से 'डेवलपमेंट' और 'वर्ल्ड-

क्लास इंफ्रास्ट्रक्चर' के बड़े-बड़े गुलाबी वादे किए जाते हैं। लेकिन सत्ता मिलते ही,अधिकारियों और ऑफिस बेयरर्स के लिए जनता गायब सी हो जाती है! लोग हर साल करोड़ों रुपये प्रॉपर्टी टैक्स और कमरतोड़ टैक्स देते हैं, लेकिन बदले में उन्हें सिर्फ टूटी-फूटी सड़कें और घुटनों तक बारिश का पानी मिलता है अहमदाबाद के बहुत बिज़ी मानेकबाग चौराहे पर कुछ ही बारिश के बाद वॉटरलॉगिंग की दयनीय स्थिति हो जाती है। ड्रेनेज लाइन और प्री-मानसून कामों के नाम पर करोड़ों रुपये खर्च करने के बाद भी स्थिति वैसी ही है। सड़कों पर वॉटरलॉगिंग के कारण छोटी-बड़ी गाड़ियां फंस रही हैं, ट्रैफिक जाम की गंभीर समस्या है और स्थानीय निवासियों और दुकानदारों का बिजनेस बर्बाद हो रहा है।ख्र्ह्र कमिश्नर या जिम्मेदार अधिकारी स्थिति को सुधारने के लिए आगे क्यों नहीं आ रहे हैं? क्या प्रशासन को सिर्फ अपने बजट और पैसे की चिंता है? अधिकारियों की लापरवाही पर लोगों में गुस्सा AMC के बंगलों और ऑफिस में बैठे अधिकारियों को सड़कों की इस ज़मीनी हकीकत का पता नहीं है। बारिश के पानी की निकासी के लिए सीवेज सिस्टम पूरी तरह फेल हो चुका है। जनता पूछ रही है कि निगम के टेंडर में जाने वाला लोगों की पसीने की कमाई किसकी जेब में जाती है? हर साल प्री-मॉनसून प्लानिंग के नाम पर कागज़ों पर जो हिसाब-किताब दिखाया जाता है, उसका नतीजा सड़कों पर पानी के रूप में क्यों निकलता है? स्थानीय लोग और गाड़ी चलाने वाले तंग आ चुके हैं। अगर मानेकबाग जैसे बड़े इलाकों का यह हाल है, तो पूरे शहर की हालत कितनी गंभीर होगी, यह सोचा भी नहीं जा सकता। अहमदाबादी अब ख्र्ह्र के खोखले वादों से थक चुके हैं और प्रशासन के खिलाफ़ ज़ोरदार तरीके से विरोध कर रहे हैं। अगर इस पानी की निकासी और सड़क के काम को तुरंत ठीक नहीं किया गया, तो आने वाले चुनावों में यह जनता का गुस्सा प्रशासन और हुक्मरानों पर भारी पड़ सकता है।

'सरकार कभी चारा नहीं देती, हम उधार लेते हैं

रेगिस्तानी इलाके के किसान और पशुपालक महंगे दामों पर पंजाब से चारा मंगवाने को मजबूर

चमचमाते' दावों के बीच रेगिस्तानी इलाके के पशुपालक कर्ज के पहाड़ तले डूबे

कच्छ के नवानगर चारा मंडी से गुजरात के किसानों और पशुपालकों की डरावनी सच्चाई

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

कच्छ/अहमदाबाद। 'सरकार कभी चारा नहीं देती, हम ब्याज पर पैसे लाकर या उधार लेकर पशुओं को बचाते हैं...' - कच्छ के नवानगर चारा मंडी में खड़े एक दुखी पशुपालक की यह तीखी बात सिर्फ एक इंसान की पीड़ा नहीं, बल्कि पूरे गुजरात के किसानों और पशुपालकों की दयनीय हालत की दयनीय सच्चाई है। 'मॉडल स्टेट' और विकास के बड़े-बड़े खोखले दावे करने वाली सरकार के राज में आज कच्छ के सीमावर्ती जिले के पशुपालक और किसान बर्बादी की कगार पर हैं।

हजारों किलोमीटर दूर पंजाब से चारा लाने को मजबूर किसान!

कच्छ के नवानगर में मौजूद चारा मंडी की हालत आज इतनी खराब हो गई है कि लोकल लेवल पर चारे के लिए कोई सरकारी सिस्टम या डिपो काम नहीं कर रहा है। नतीजतन, पशुपालकों और किसानों को हज़ारों किलोमीटर दूर पंजाब से बहुत ज़्यादा और महंगा किराया देकर चारा मंगवाना पड़ रहा है:

तेज़ी से बढ़ती कीमतें: पंजाब से आने वाले चारे का ट्रांसपोर्टेशन खर्च इतना बढ़ गया है कि एक आम किसान के लिए अपने पशुओं को खिलाना लोहे की माला चबाने जैसा हो गया है।

कर्ज के पहाड़ तले दबे पशुपालक: अपने बेसहारा पशुओं को खिलाने में असमर्थ किसान ब्याज पर पैसे लाकर या कर्ज लेकर चारा खरीदने को मजबूर हो गए हैं।

सरकार की घोर अनदेखी: किसान और पशुपालक अनाथ!

जब गुजरात के किसान और पशुपालक प्राकृतिक आपदाओं, सूखे या चारे की भयानक कमी से जूझ रहे होते हैं, तो सरकार कागज़ों पर योजनाओं और विज्ञापनों के अलावा कुछ नहीं देती। कच्छ जैसे रेगिस्तानी इलाकों में भी, जहाँ पशुपालन ही रोज़ी-रोटी का मुख्य ज़रिया है, सिस्टम समय पर या काफ़ी मात्रा में चारे के डिपो शुरू करने में पूरी तरह से फेल रहा है।

गुजरात के किसानों की आज की कड़वी सच्चाई:

खाद और बीज की बढ़ती कीमतों से कमर टूटी: एक तरफ़ खेती के औज़ारों और खाद की कीमतें आसमान छू रही हैं।

सही दामों की कमी: फ़सलों के सही दाम नहीं मिल रहे और दूसरी तरफ़, पशुपालकों के लिए ब्याज़ पर चारे के लिए पैसे लाने की नौबत आ गई है।

सिर्फ़ कागज़ों पर सरकारी मदद: 'किसान सहाय' या 'घासचरा सहाय' के बड़े-बड़े वादों के बीच, असलियत यह है कि किसान खाली हाथ हैं।

NAFFT सिस्टम कब जागेगा?

'जिस देश में मवेशी और उनकी रक्षा करने वाले किसान भूख से मरते हैं, वह राज्य के विकास मॉडल के लिए शर्म की बात है।' कागज़ों पर सब्सिडी और वादों से किसानों या पशुपालकों का पेट नहीं भरेगा। अगर कच्छ समेत पूरे गुजरात के पशुपालकों के लिए तुरंत सही दाम और काफ़ी मात्रा में चारे की सरकारी व्यवस्था नहीं की गई, तो यह तय है कि आने वाले दिनों में किसान और पशुपालक गांधीनगर को घेर लेंगे और एक ज़ोरदार आंदोलन का बिगुल बजा देंगे।

वडाज में 11 लाख रुपये के सोने के बार की हाई-प्रोफाइल चोरी: राजस्थानी मजदूर गिरफ्तार, लेकिन चोरी के पीछे 'अंदरूनी आदमी' कौन है?

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। अहमदाबाद शहर के वडाज इलाके में उस्मानपुरा-जूना वडाज रोड पर चोरी की एक सनसनीखेज घटना सामने आई है, जिसने स्थानीय लोगों और पुलिस सिस्टम को हैरान कर दिया है। तस्करों ने घर में रखी अलमारी से 11 लाख रुपये कीमत के करीब 123 ग्राम सोने के बार चुरा लिए थे। हालांकि, वडाज पुलिस ने तेजी से जांच करके मूल रूप से राजस्थान के रहने वाले आरोपी को सोने के बार के साथ पकड़ लिया है। लेकिन अब इस चोरी के मामले में ऐसे चौंकाने वाले सवाल उठे हैं, जिससे पूरी घटना में किसी 'घर में घुसे' व्यक्ति के शामिल होने का शक और मजबूत हो गया है। एक ही रात में 11 लाख का सोना गायब! घटना की जानकारी के मुताबिक, 30 अगस्त को परिवार ने अपनी अलमारी में करीब 123 ग्राम सोने की छड़ें सुरक्षित रखी थीं। लेकिन, अगले ही दिन, यानी 31 अगस्त को जब अलमारी चेक की गई, तो परिवार 11 लाख का सोना गायब देखकर चौंक गया। इस बारे में 10 सितंबर को वडाज पुलिस स्टेशन में ऑफिशियल कंप्लेंट दर्ज कराई गई। शिकायत मिलते ही वडाज पुलिस ने टेक्निकल सर्विलांस और मुखबिरों का नेटवर्क एक्टिवेट किया। पुलिस ने लगातार कार्रवाई के बाद विक्रमसिंह मनोहरसिंह राठौड़ नाम के एक आदमी को गिरफ्तार किया, जो मूल रूप से राजस्थान का रहने वाला है और फिलहाल अहमदाबाद में मजदूरी करता है। पुलिस की कड़ी पूछताछ में आरोपी के पास से 11 लाख रुपये की चोरी की गई सोने की छड़ें बरामद कर ली गईं। लेकिन चोरी के पीछे के ये सवाल अभी भी अनसुलझे हैं! आरोपी को जेल भेज दिया गया है, लेकिन इस हाई-प्रोफाइल चोरी की घटना ने कुछ बहुत गंभीर और सस्पेंस वाले सवाल खड़े कर दिए हैं घर में अलमारी में कीमती सोने की छड़ें पड़ी होने की सही जानकारी विक्रमसिंह को किसने और कहाँ से दी, जो मजदूरी करता था? आरोपी घरवालों की गैरमौजूदगी या लापरवाही का फायदा उठाकर घर में कैसे घुसा और किसी को पता भी नहीं चला? चोरी के बाद आरोपी कहाँ छिपा था और उस तक पहुँचने के लिए पुलिस ने क्या मास्टर प्लान अपनाया? क्या इस पूरे खेल में विक्रमसिंह अकेला था या कोई अनजान या करीबी मुखबिर था जिसने घर के अंदर की सारी डिटेल्स लीक कर दीं और क्या वह पीछे से रास्ता दिखा रहा था? फिलहाल, वडाज पुलिस ने आरोपी विक्रमसिंह राठौड़ का रिमांड ले लिया है और गहराई से जांच कर रही है। पुलिस यह पता लगाने में लगी है कि इस क्रिमिनल साज़िश में कोई और सीधे या इनडायरेक्टली शामिल है या नहीं।

'दीये जलाने की पॉलिटिक्स बंद करो, लोगों के पेट में आग जलाओ

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। भारतीय जनता पार्टी ने 17 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जन्मदिन मनाने के लिए पूरे राज्य में तैयारियां शुरू कर दी हैं। इस मौके पर गुजरात BJP के प्रदेश प्रेसिडेंट जगदीश पंचाल ने एक भाषण में कहा, 'ग्लोबल लीडर मोदी जी पब्लिक सर्विस और देश सेवा के 25 साल पूरे करने जा रहे हैं। उनकी यात्रा पक्के इरादे और कामयाबी की यात्रा है। आइए हम सब 17 सितंबर की शाम को दुआओं का दीया जलाएं।' लेकिन दूसरी तरफ, रूलिंग पार्टी के इस जश्न के बीच गुजरात की आम जनता और किसानों में भारी गुस्से का

ज्वालामुखी फूट पड़ा है। जनता सीधा सवाल पूछ रही है, 'आप कब तक ऐसे इवेंट बनाकर लोगों को गुमराह करते रहेंगे?' 'नौकरानी नहीं, देश की जनता': लोगों का असली दर्द समझो! अब गुजरात के कोने-कोने से आवाज़ उठ रही है कि BJP अध्यक्ष और नेता सिर्फ़ त्योहार और कार्यक्रम करने में बिज़ी हैं, जबकि आम नागरिक रोज़मर्रा की परेशानियों से कराह रहा है। जनता के टैक्स के पैसे से चलने वाले राज में अब जनता सवाल कर रही है कि सिर्फ़ दीये जलाने या जश्न मनाने से देश और राज्य कैसे चलेगा? महंगाई, बेरोज़गारी और खराब सिस्टम से परेशान लोगों की आवाज़ सुनने के लिए BJP नेताओं के पास समय क्यों नहीं है? आज राज्य के किसान खाद, बीज और फसलों का सही दाम पाने के लिए हर दिन संघर्ष कर रहे हैं। किसानों को सिंचाई के पानी और बिजली के लिए आंदोलन करना पड़ रहा है। दूसरी तरफ, कमरतोड़ महंगाई में मिडिल क्लास परिवार के लिए घर चलाना मुश्किल हो गया है। मानसून में पूरे राज्य में सड़कें बह गई हैं, जलभराव और मिट्टी धंसने की समस्याएँ हैं बयानबाज़ी और जश्न मनाने में व्यस्त दिखते हैं।

अहमदाबाद में अपराधियों के खिलाफ बुलडोजर जैसी कार्रवाई: वेजलपुर पुलिस ने 'बाबू कालिया गैंग' पर कार्रवाई की

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। अहमदाबाद शहर में कानून-व्यवस्था की स्थिति को और मज़बूत करने और असामाजिक तत्वों को खत्म करने के लिए पुलिस ने कार्रवाई शुरू की है। वेजलपुर पुलिस ने कुख्यात 'बाबू कालिया गैंग' पर कार्रवाई की है, जो शहर के पश्चिमी इलाके में तबाही मचा रहा है और कई गंभीर अपराधों में शामिल है। पुलिस ने हथियारों की तस्करी, हत्या की कोशिश और नशीले पदार्थों जैसे संगठित अपराधों में शामिल इस खतरनाक गैंग के खिलाफ राज्य के सबसे सख्त कानून 'GUJCTOCÓ (गुजरात कंट्रोल ऑफ़ ऑर्गनाइज़्ड क्राइम एक्ट) के तहत कार्रवाई की है, जिससे पूरी आपराधिक दुनिया में हलचल मच गई है। 14 से ज़्यादा गंभीर अपराधों की काली लिस्ट सामने आई वेजलपुर पुलिस की गहरी जांच में इस तेज और आपराधिक सोच वाले गैंग के काले कारनामे सामने आए हैं। चौंकाने वाली जानकारी सामने आई है कि इस

गैंग के खिलाफ अहमदाबाद शहर के अलग-अलग पुलिस स्टेशनों जैसे वेजलपुर, वटवा, दानिलिमडा और DCB में 14 से ज़्यादा बेहद गंभीर अपराध दर्ज हैं। यह गैंग लंबे समय से शहर में संगठित तरीके से अशांति फैलाने और कानून को चुनौती देने का काम कर रहा था। पुलिस जांच में सामने आए आंकड़े चौंकाने वाले हैं। इस गैंग का मुख्य मास्टरमाइंड और मास्टरमाइंड मुजाहिद अली उर्फ ??बाबू कालिया खुद एक आदतन अपराधी है। अकेले मुजाहिद के खिलाफ अलग-अलग पुलिस स्टेशनों में 17 गंभीर अपराध दर्ज हैं। बाबू कालिया अपने गैंग के ज़रिए गैर-कानूनी हथियार सप्लाई करने, दुश्मनी में हत्या की कोशिश करने और नशीले पदार्थों का नेटवर्क चलाने में शामिल था। साथी जेल, एक वॉन्टेड: पुलिस की जांच तेज ुलिस की सख्त कार्रवाई के तहत, गैंग के मुख्य आरोपी मुजाहिद अली उर्फ बाबू कालिया और उसके साथी वसीम उर्फ डेमो को फिलहाल ज्यूडिशियल कस्टडी (साबरमती सेंट्रल जेल) में भेज दिया गया है। जबकि इस क्रिमिनल सिंडिकेट का एक और एक्टिव मेंबर रोज़ान खान उर्फ ??शेज़ान अभी फरार है, और पुलिस उसे पकड़ने के लिए कड़ी मेहनत कर रही है। गुजसिटोक जैसे सख्त कानूनों के तहत क्राइम रजिस्टर करने के बाद, पुलिस ने अब इस क्रिमिनल नेटवर्क की जड़ तक पहुंचने के लिए जांच तेज कर दी है। इस गैंग को फाइनेंशियल मदद कौन दे रहा था? हथियार और ड्रग्स कहां से आए? और इस सिंडिकेट में और कौन-कौन से व्हाइट-कॉलर या क्रिमिनल चेहरे शामिल हैं? पुलिस ने सभी दिशाओं में गहन जांच शुरू कर दी है। पूरी संभावना है कि आने वाले दिनों में इस गैंग से जुड़े कुछ और नाम सामने आएंगे और कोई बड़ा धमाका होगा।

जिस स्ट्रेचर पर मरीज़ों को लाया जाना है, उसी से कचरा फेंका जा रहा है

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। सरकारी और प्राइवेट हॉस्पिटल मरीज़ों को ठीक करने का दावा करते हैं, लेकिन ज़मीनी हकीकत कुछ और ही दिखाती है। हाल ही में हॉस्पिटल सिस्टम की ऐसी शर्मनाक और बड़ी लापरवाही सामने आई है, जिसे देखकर कोई भी नागरिक नाराज़ हो जाएगा। जिस स्ट्रेचर का इस्तेमाल बहुत ज़्यादा सेंसिटिव और गंभीर मरीज़ों को हॉस्पिटल के वार्ड या ICU तक ले जाने के लिए होना चाहिए, उसका इस्तेमाल कचरा और मैला ढोने के लिए किया जा रहा है! हेल्थ सर्विस

की पोल खोलने वाली इस घटना ने सिस्टम की घटिया सोच को सामने ला दिया है। सबसे गंभीर और डरावनी बात यह है कि जिन स्ट्रेचर में हॉस्पिटल का कचरा, गंदगी या बायोमेडिकल वेस्ट ले जाया जाता है, उन्हें बिना सफ़ाई या ठीक से सैनिटाइज़ेशन के मरीज़ों के लिए दोबारा इस्तेमाल किया जाता है। ऐसी गंभीर गड़बड़ियों की वजह से, इलाज के लिए आने वाले हेल्दी या नॉर्मल मरीज़ भी भयानक बैक्टीरिया और इन्फेक्शन का शिकार हो सकते हैं। क्या हॉस्पिटल सिस्टम मरीज़ों को ठीक करना चाहता है या नई बीमारियाँ फैलाना चाहता है? ऐसा सवाल उठ खड़ा हुआ है। मेडिकल साइंस के अनुसार, हॉस्पिटल से फैलने वाले इन्फेक्शन को 'हॉस्पिटल एक्वायर्ड इन्फेक्शन' (नोसोकोमियल इन्फेक्शन) कहते हैं। अगर किसी इमरजेंसी मरीज़ या सर्जरी करवा चुके व्यक्ति को कचरा फेंकने वाले स्ट्रेचर पर लिटाया जाए, तो उसके शरीर में गंभीर इन्फेक्शन फैल सकता है। इससे मरीज़ की हालत सुधरने के बजाय और बिगड़ सकती है और उसकी जान भी खतरे में पड़ सकती है। स्वच्छ भारत अभियान और हॉस्पिटल में सुविधाओं के बड़े-बड़े दावे करने वाली सरकार की नाक के नीचे ऐसी गंभीर लापरवाही का सामना कर रहे स्थानीय लोगों और मरीज़ों के रिश्तेदारों में बहुत गुस्सा है। जागरूक नागरिकों की मांग है कि ज़िम्मेदार स्टाफ़ के खिलाफ़ सख्त कार्रवाई हो: जो ज़िम्मेदार स्टाफ़ और सुपरवाइज़र ऐसा घटिया काम करते हैं और कचरा फेंकने के लिए स्ट्रेचर का इस्तेमाल करते हैं.

गुजरात पुलिस फोर्स में बड़ा बदलाव: 50 से ज़्यादा IPS अधिकारियों के ट्रांसफर और प्रमोशन के ऑर्डर जल्द ही आ सकते हैं

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। आने वाले दिनों में गुजरात पुलिस सिस्टम में एक बड़ा और बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है। खबरें आ रही हैं कि राज्य के होम डिपार्टमेंट ने पुलिस फोर्स में बड़ा बदलाव लाने की पक्की तैयारी कर ली है। भरोसेमंद सूत्रों के मुताबिक, इस बात की पूरी संभावना है कि राज्य में जल्द ही 50 से ज़्यादा सीनियर PI अधिकारियों के ट्रांसफर और प्रमोशन के ऑर्डर जारी हो सकते हैं। जैसे ही यह खबर फैली, पूरे राज्य के पुलिस सिस्टम और सरकारी हलकों में भारी हलचल और चर्चा शुरू हो गई है। बड़े अधिकारियों के ट्रांसफर और प्रमोशन का हिसाब-किताब आखिरी स्टेज में होम डिपार्टमेंट के बड़े हलकों में चल रही एक्टिविटी के मुताबिक, लंबे समय से एक ही जगह या अहम पदों पर जमे और प्रमोशन के लायक PI अधिकारियों की लिस्ट फाइनल हो गई है। कुछ जिलों के PI और रेंज IG लेवल के अधिकारियों के ट्रांसफर के साथ ही कमिश्नरेट एरिया के बड़े अधिकारियों के भी इंटरनल ट्रांसफर होने की संभावना है। माना जा रहा है कि यह फैसला कानून-व्यवस्था की स्थिति को और मजबूत करने की दिशा में लिया जा रहा है। PI और PI लेवल पर भी बड़ा 'जिला मेला' सिर्फ PI लेवल पर ही नहीं, बल्कि पुलिस इंस्पेक्टर और पुलिस सब इंस्पेक्टर लेवल के उन सभी छोटे-बड़े अधिकारियों में भी बड़े फेरबदल की पूरी संभावना है, जिनका जनता से सीधा संपर्क है। ऐसे संकेत हैं कि लंबे समय से एक ही जिले या जोन में एक्टिव PI और PI का बड़े पैमाने पर ट्रांसफर किया जाएगा। इस पॉलिसी फैसले से निचले लेवल के पुलिस कर्मियों और अधिकारियों में भी हलचल मच गई है। होम डिपार्टमेंट में हंगामा, कभी भी जारी हो सकते हैं ऑर्डर खास बात यह है कि यह पूरी कवायद होम डिपार्टमेंट ने एडमिनिस्ट्रेटिव स्किल बढ़ाने और पुलिसिंग में नया जोश लाने के मकसद से की है। इस मामले में होम मिनिस्टर और टॉप सेक्रेटरी के बीच फेज में मीटिंग का सिलसिला पूरा हो चुका है और जल्द ही ऑफिशियल लिस्ट जारी कर दी जाएगी। राज्य के कोने-कोने के पुलिस थानों से लेकर ऊंचे ऑफिसों तक, फिलहाल बस एक ही चर्चा है किसकी पोस्ट कटेगी। इसमें कोई शक नहीं कि आने वाले दिनों में आने वाली इन ट्रांसफर की लिस्ट राज्य के लॉ एंड ऑर्डर के इक्वेशन बदल देगी।

mahangarmetro.com
महानगर मेट्रो

नाडियाड की 'वेनिस नदी' में अधेड़ उम्र का आदमी डूबा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नाडियाड। नाडियाड शहर के बीच से गुजरने वाली और लोगों के बीच 'वेनिस नदी' के ताने वाले नाम से मशहूर खुली नहर एक बार फिर विवादों के भंवर में फंस गई है। मानसून के दौरान भयानक बदबू और गंदगी से भरी रहने वाली इस नहर में शनिवार रात एक अधेड़ उम्र का आदमी अचानक डूब गया। हैरानी की बात यह है कि इस गंभीर घटना के बावजूद दो दिन तक न तो प्रशासन ने और न ही स्थानीय लोगों ने कोई ध्यान दिया। इस घटना का वीडियो सोमवार शाम को सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, जिससे पूरे शहर में सनसनी फैल गई और नगर निगम प्रशासन की बड़ी लापरवाही एक बार फिर सामने आ गई। घटना सामने आने के बाद जब लोकल पत्रकारों ने नगर निगम कमिश्नर को घेर लिया और उन पर सवालों की बौछार कर दी, तो उन्होंने अब इस कांसे की 'बैरिकेडिंग' करने की बात कही। लेकिन यहां एक बड़ा और मुश्किल सवाल यह उठता है कि क्या अब तक कांसे के चारों ओर लगाए गए लोहे के सरिए और लोहे के एंगल बैरिकेडिंग नहीं थे? अगर सरिए और एंगल के बावजूद भी नागरिक कांसे में घुस रहे हैं, तो यह काम सिर्फ कागजों पर और भ्रष्टाचार करने के लिए किया गया थाक्या रात के अंधेरे में कुआं दिखाई नहीं दे रहा था?: क्या यह हादसा सही स्ट्रीट लाइट और सिक्योरिटी की कमी के कारण हुआ, जिससे अंधेरे में सड़क दिखाई नहीं दे रही थी? क्या वह आदमी नशे में था?: अगर वह आदमी नशे में भी था, तो क्या शहर के लोगों के लिए मौत का जाल बने खुले कुएं को खुला रखना सही है? नडियाद के बीचों-बीच यह कुआं सालों से लोगों के लिए एक बड़ी मुसीबत बना हुआ है। बार-बार बताने और हादसों के बावजूद प्रशासन सिर्फ़ पत्थर मारकर खुश है।

खेड़ा SOG रेड: 500 के 1835 पुराने नोटों के साथ दो आरोपी गिरफ्तार, एक की तलाश

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नडियाद। खेड़ा डिस्ट्रिक्ट स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप टीम ने गैर-कानूनी और कैंसल भारतीय करेंसी की बिक्री में शामिल लोगों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। खेड़ा SOG टीम ने बड़ी मात्रा में 500 के पुराने करेंसी नोटों के साथ दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिन्हें भारत सरकार ने सालों पहले मौजूदा करेंसी से कैंसल कर दिया था। पुलिस ने आरोपियों से कुल ?50,000/- कीमत के कैंसल नोट और दूसरा सामान जब्त किया है और कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। ?500 के 1835 पुराने नोट ज़ब्त किए गए स्ह्नत्न खेड़ा टीम को मिली खास जानकारी के आधार पर, नडियाद शहर में रेड के दौरान गिरफ्तार किए गए आरोपियों से कुल ?500 के 1835 पुराने नोट बरामद किए गए। सरकार ने इन नोटों पर बैन लगा दिया है, इसके बावजूद पुलिस ने इस बात की गहरी जांच शुरू कर दी है कि ये लोग इन नोटों को किस मकसद से रख रहे थे और किसे देने वाले थे। इस गैर-कानूनी नोटों के नेटवर्क में शामिल तीसरा आरोपी राहुल राठौड़ (निवासी तारापुर) अभी पुलिस की पकड़ से फरार है। खेड़ा स्ह्नत्न ने उसे 'वांटेड' घोषित कर दिया है और उसे गिरफ्तार करने की कोशिश शुरू कर दी है। पुलिस सभी दिशाओं में आगे की कानूनी जांच कर रही है ताकि पता लगाया जा सके कि ये नोट कहां से लाए गए थे और उन्हें कहां बदला या इस्तेमाल किया जा रहा था।

टैगोर हॉल के पास ब्रिज पर एक बड़ी और डरावनी दरार और खुले तार, AMC सिस्टम गहरी नींद में

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। मेगा सिटी अहमदाबाद की शान माने जाने वाले और शहर के ईस्ट-वेस्ट हिस्से को जोड़ने में बहुत ज़रूरी सरदार ब्रिज से डरावने और चौंकाने वाले मंज़र सामने आए हैं। टैगोर हॉल से जमालपुर फ्लावर मार्केट की ओर जाने वाले ब्रिज के आखिर के पास सड़क के बीच में एक बहुत बड़ी और लंबी दरार (गैप) आ गई है। इतना ही नहीं, बिजली के तार जो डरावने तरीके से सड़क से बाहर निकल आए हैं और खुले हैं, गाड़ी चलाने वालों के लिए असली खतरा हैं। लाखों लोग रोज़ अपनी जान जोखिम में डालकर इस ब्रिज को पार कर रहे हैं, फिर भी अहमदाबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के इंजीनियर और अधिकारी अपनी आँखें नहीं खोलते सरदार ब्रिज अहमदाबाद शहर के ट्रैफिक की मेन लाइफलाइन है। सुबह से शाम तक यहां हज़ारों छोटी-बड़ी गाड़ियां, BRTS बसें, AMTS बसें और पैदल चलने वाले लोग फर्राटे भरते हुए आते-जाते हैं। ऐसे में टैगोर हॉल के पास इस काले हो चुके सिरे पर गंभीर दरार और खुले तार किसी भी पल बड़े हादसे को न्योता दे रहे हैं। टू-व्हीलर ड्राइवर इस दरार में फंसने से गाड़ियां फिसल रही हैं और हादसे हो रहे हैं। स्थानीय लोग और गाड़ी चलाने वाले बड़े गुस्से से पूछ रहे हैं कि क्या ब्रिज मेंटेनेंस के नाम पर करोड़ों रुपये खर्च करने वाला कॉर्पोरेशन एडमिनिस्ट्रेशन अपनी नाक के नीचे पैदा हुई इस गंभीर समस्या को क्यों अनदेखा कर रहा है?

नौकरी जाने के तनाव में युवक ने पुलिस स्टेशन परिसर में दी जान, पुलिस ने दी थी पनाह

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। नौकरी जाने के बाद आर्थिक तंगी और मानसिक तनाव से जूझ रहे एक युवक ने पुलिस स्टेशन परिसर में आत्महत्या कर ली। घटना के बाद पुलिस स्टेशन के स्टाफ में हड़कंप मच गया। मृतक की पहचान राजू के रूप में हुई है। बताया गया कि राजू अहमदाबाद में काम करता था, लेकिन नौकरी छूटने के बाद उसकी आर्थिक स्थिति बिगड़ गई थी। रोजगार का जरिया खत्म होने और भविष्य की चिंता के चलते वह मानसिक रूप से परेशान रहने लगा था। जानकारी के अनुसार, नौकरी जाने के बाद राजू गंभीर आर्थिक परेशानी से गुजर रहा था। वह मानसिक रूप से भी काफी टूट चुका था और उसके पास रहने की उचित व्यवस्था नहीं थी। उसकी स्थिति को देखते हुए अहमदाबाद पुलिस ने मानवीय पहल करते हुए उसकी मदद की और उसे पुलिस स्टेशन परिसर में पनाह दी। पुलिस का उद्देश्य उसे सुरक्षित रखना और उसकी स्थिति सामान्य होने तक सहायता उपलब्ध कराना था। पुलिस ने उसे ऐसे समय में सहारा दिया, जब वह आर्थिक परेशानी और मानसिक तनाव से जूझ रहा था। उम्मीद थी कि सुरक्षित माहौल मिलने के बाद उसकी स्थिति में सुधार होगा और आगे उसके लिए उचित व्यवस्था की जा सकेगी। हालांकि, मानसिक परेशानी से जूझ रहे राजू के हालात में सुधार नहीं हो सका। पुलिस स्टेशन परिसर में रहते हुए राजू ने आत्महत्या कर ली। घटना का पता चलते ही पुलिस स्टेशन के कर्मचारियों में खलबली मच गई। जिस युवक को पुलिस ने मुश्किल समय में सहारा देने और सुरक्षित रखने के उद्देश्य से अपने पास रखा था, उसकी मौत ने पुलिसकर्मियों को भी झकझोर दिया।

कानून के रक्षक ही भक्षक बन गए! अहमदाबाद में एक महिला वकील पर कानून के गलत इस्तेमाल का सनसनीखेज आरोप

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। जब महिलाओं की सुरक्षा और न्याय के लिए बने कानूनों का इस्तेमाल स्वार्थ और गैर-कानूनी कमाई के लिए किया जाता है, तो न्याय व्यवस्था पर भी गंभीर सवाल उठते हैं। अहमदाबाद से कानून के गलत इस्तेमाल का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जिसने पूरे पुलिस सिस्टम और कानूनी हलकों को चौंका दिया है। एक महिला वकील पर उसके पूर्व पति ने कानून के नियमों का गलत इस्तेमाल करके एक साथ दो पतियों से मेंटेनेंस के पैसे वसूलने का गंभीर आरोप लगाया है।

2009 से मेंटेनेंस ले रही पत्नी ने 2020 में दूसरी शादी का राज खोला

पीड़ित पूर्व पति के मुताबिक, पारिवारिक कलह और तालमेल की कमी के कारण वह अपनी पत्नी से अलग हो गया था। कोर्ट के ऑर्डर के मुताबिक, पति 2009 से रेगुलर अपनी पत्नी को मेंटेनेंस दे रहा था। लेकिन हाल ही में, एक्स-हस्बैंड के पैरों तले ज़मीन खिसक गई जब उसे पता चला कि उसकी पत्नी ने साल 2020 में ही दूसरे आदमी से दूसरी शादी कर ली है!

दूसरे पति को भी नहीं छोड़ा: वहां से भी मेंटेनेंस ऑर्डर ले लिया!

चौंकाने वाली जानकारी के मुताबिक, महिला एडवोकेट ने अपने दूसरे पति से शादी के कुछ ही समय बाद अनबन कर ली थी। उसके बाद, वह अपने दूसरे पति से अलग हो गई और उसके खिलाफ कोर्ट में केस किया और कानूनी दांव-पेंच आजमाकर दूसरे पति से भी मेंटेनेंस ऑर्डर ले लिया! इस तरह, महिला अपने कानूनी ज्ञान का फायदा उठाकर एक ही समय में दो अलग-अलग आदमियों से मेंटेनेंस के पैसे ऐंठ रही थी।

कानून के नियमों का खुला उल्लंघन

भारतीय कानून के नियमों के मुताबिक, कोई भी महिला दूसरी शादी के बाद अपने एक्स-हस्बैंड से मेंटेनेंस पाने की हकदार नहीं है, और एक ही समय में दो पतियों से मेंटेनेंस मांगना सीधा-सीधा धोखा और कानून का खेल है। कानून के रक्षक और खुद वकील होने के बावजूद, कानून की आंखों में धूल झोंकने के इस खेल का शिकार हुए पूर्व पति ने न्याय के लिए कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है।

न्यायपालिका और कानूनी दुनिया में भारी हंगामा

इस खुलासे के बाद कानूनी हलकों में काफी चर्चा हो रही है। इस तरह कानून का गलत इस्तेमाल करने वाली महिला वकील के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग हो रही है। पीड़ित पतियों ने इस मामले को हाई लेवल पर उठाकर और जालसाज के खिलाफ केस दर्ज करके पैसे वापस दिलाने की मांग की है। अगर कानूनी जानकार कानून की पवित्रता को तोड़ेंगे तो आम जनता का न्यायपालिका से भरोसा उठ जाएगा!

2,000 से ज़्यादा के पेमेंट पर चार्ज लगाने की चर्चा पर विपक्ष का हंगामा

'कैशलेस इंडिया से लूट का सफ़र', जनता की जेब पर ज़्यादा बोझ डालने का आरोप

कांग्रेस ने ज़बरदस्ती वसूली और उद्योगपतियों को फ़ायदा पहुँचाने के गंभीर आरोप लगाए

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। केंद्र सरकार के 2,000 रुपये से ज़्यादा के PI ट्रांज़ैक्शन पर संभावित फ़ीस और मर्चेंट डिस्काउंट रेट लगाने के प्रस्ताव ने पूरे देश में राजनीतिक गरमागरम कर दिया है। कांग्रेस पार्टी ने सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म X पर इस मुद्दे पर BJP सरकार पर कड़ा निशाना साधा है। कांग्रेस ने दावा किया है कि सरकार ने आम नागरिकों और कंज्यूमर्स से पैसे ऐंठने के लिए यह नई स्कीम तैयार की है। कांग्रेस की पोस्ट के मुताबिक, सरकार 2,000 से ज़्यादा के हर PI पेमेंट पर 0.3' से 0.5' का चार्ज लगाने की तैयारी कर रही है। इसका सीधा हिसाब देते हुए विपक्ष ने कहा है कि अगर कोई नागरिक 5,000 की खरीदारी करता है, तो उसे 25 और 10,000 की खरीदारी पर 50 तक का एक्स्ट्रा चार्ज देना पड़ सकता है। आरोप लगाया गया है कि सरकार ने अब डिजिटल ट्रांज़ैक्शन पर डायरेक्ट या इनडायरेक्ट टैक्स लगाना शुरू कर दिया है जो पहले पूरी तरह से फ्री थे। केंद्र सरकार की पॉलिसी पर सवाल उठाते हुए कांग्रेस ने कहा कि शुरू में सरकार ने 'कैशलेस इंडिया' का गुलाबी सपना दिखाया और देश के लोगों को डिजिटल पेमेंट और PI की तरफ मोड़ दिया। लेकिन अब जब पूरी जनता UPI पर डिपेंडेंट हो गई है, तो वसूली और लूट का यह खेल शुरू कर दिया गया है। विपक्ष का गंभीर आरोप है कि यह सरकार आम लोगों की नहीं बल्कि बड़े बिजनेसमैन और कॉर्पोरेट्स की है, और सरकार उनके फायदे के लिए काम कर रही है। जनता की मेहनत की कमाई कितनी बार लूटी जाएगी? अब इस पूरे मामले को लेकर जनता के मन में कई तीखे सवाल उठ रहे हैं: अतिरिक्त बोझ क्यों क्या जनता को अपनी मेहनत की कमाई से कुछ भी ट्रांसफर करने या खरीदने के लिए हर बार 30 से 50 का अतिरिक्त टैक्स देना होगा? मिडिल क्लास पर हमला: जो लोग पहले से ही इनकम टैक्स, GST और महंगाई की मार झेल रहे हैं, उन पर UPI चार्ज का बोझ डालकर उनकी कमर क्यों तोड़ने की कोशिश की जा रही है? अगर आम ट्रांज़ैक्शन पर चार्ज लगाए गए, तो क्या लोग वापस कैश ट्रांज़ैक्शन पर जाने के लिए मजबूर नहीं होंगे? हालांकि, इन आरोपों के बीच फाइनेंस मिनिस्ट्री ने साफ किया है कि यह चार्ज आम कंज्यूमर्स के लिए नहीं है, बल्कि व्यापारियों और इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट के लिए इस पर विचार किया जा रहा है। लेकिन कांग्रेस ने इस मुद्दे की तुलना लोगों की जेब पर सीधी डकैती से की है और आने वाले दिनों में देश भर में विरोध प्रदर्शन करने की धमकी दी है।

कानून के रक्षक ही भक्षक बन गए! अहमदाबाद में एक महिला वकील पर कानून के गलत इस्तेमाल का सनसनीखेज आरोप

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। जब महिलाओं की सुरक्षा और न्याय के लिए बने कानूनों का इस्तेमाल स्वार्थ और गैर-कानूनी कमाई के लिए किया जाता है, तो न्याय व्यवस्था पर भी गंभीर सवाल उठते हैं। अहमदाबाद से कानून के गलत इस्तेमाल का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जिसने पूरे पुलिस सिस्टम और कानूनी हलकों को चौंका दिया है। एक महिला वकील पर उसके पूर्व पति ने कानून के नियमों का गलत इस्तेमाल करके एक साथ दो पतियों से मेंटेनेंस के पैसे वसूलने का गंभीर आरोप लगाया है। पीड़ित पूर्व पति के मुताबिक, पारिवारिक कलह और तालमेल की कमी के कारण वह अपनी पत्नी से अलग हो गया था। कोर्ट के ऑर्डर के मुताबिक, पति 2009 से रेगुलर अपनी पत्नी को मेंटेनेंस दे रहा था। लेकिन हाल ही में, एक्स-हस्बैंड के पैरों तले ज़मीन खिसक गई जब उसे पता चला कि उसकी पत्नी ने साल 2020 में ही दूसरे आदमी से दूसरी शादी कर ली है! चौंकाने वाली जानकारी के मुताबिक, महिला एडवोकेट ने अपने दूसरे पति से शादी के कुछ ही समय बाद अनबन कर ली थी। उसके बाद, वह अपने दूसरे पति से अलग हो गई और उसके खिलाफ कोर्ट में केस किया और कानूनी दांव-पेंच आजमाकर दूसरे पति से भी मेंटेनेंस ऑर्डर ले लिया! इस तरह, महिला अपने कानूनी ज्ञान का फायदा उठाकर एक ही समय में दो अलग-अलग आदमियों से मेंटेनेंस के पैसे ऐंठ रही थी भारतीय कानून के नियमों के मुताबिक, कोई भी महिला दूसरी शादी के बाद अपने एक्स-हस्बैंड से मेंटेनेंस पाने की हकदार नहीं है, और एक ही समय में दो पतियों से मेंटेनेंस मांगना सीधा-सीधा धोखा और कानून का खेल है। कानून के रक्षक और खुद वकील होने के बावजूद, कानून की आंखों में धूल झोंकने के इस खेल का शिकार हुए पूर्व पति ने न्याय के लिए कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। न्यायपालिका और कानूनी दुनिया में भारी हंगामा इस खुलासे के बाद कानूनी हलकों में काफी चर्चा हो रही है। इस तरह कानून का गलत इस्तेमाल करने वाली महिला वकील के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग हो रही है। पीड़ित पतियों ने इस मामले को हाई लेवल पर उठाकर और जालसाज के खिलाफ केस दर्ज करके पैसे वापस दिलाने की मांग की है। अगर कानूनी जानकार कानून की पवित्रता को तोड़ेंगे तो आम जनता का न्यायपालिका से भरोसा उठ जाएगा

आसमानी आफ़त का कहर: संतालपुर में बिजली गिरने से 35 भेड़ों की दर्दनाक मौत, पशुपालकों पर आई आफ़त

वाउवा गांव में कुदरत की बर्बादी से पशुपालक तबाह; भेड़-बकरियां दर्द से कराह रही हैं,

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पाटन। पाटन ज़िले की सीमा पर बसे संतालपुर पंथक में कुदरती आफ़त ने भारी तबाही मचाई है। बिजली गिरने से गरीब और बेबस पशुपालक जो अपना गुज़ारा करते हैं, उन पर आफ़त टूट पड़ी है। संतालपुर तालुका के वाउवा गांव में बिजली गिरने से एक बहुत ही दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। जिसमें 35 ज़िंदा और बेबस भेड़ों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई है। इस दिल दहला देने वाली घटना के बाद पूरा पल्ली और पशुपालक समुदाय दुख के अंधेरे माहौल में डूब गया है। अचानक आसमानी तूफ़ान आया, पल भर में मौत! मिली जानकारी के मुताबिक, संतालपुर के वौवा गांव के बॉर्डर इलाके में एक पशुपालक अपने मवेशियों और भेड़-बकरियों को चरा रहा था। उसी समय अचानक मौसम बदला और गरज के साथ कानों को चीर देने वाली डरावनी आवाज़ के साथ, कुदरती बिजली सीधे भेड़ों के झुंड पर गिरी। बिजली का झटका इतना भयानक और जानलेवा था कि जैसे ही आसमानी तूफ़ान आया, करीब 35 भेड़ें पल भर में वहीं गिर गईं। इस दुखद घटना में, पशुपालक की रोज़ी-रोटी का एकमात्र ज़रिया पूरी तरह से खत्म हो गया है। एक साथ 35 भेड़ों की मौत ने पशुपालक परिवार को तबाह कर दिया है और परिवार बेसहारा हो गया है। अपने प्यारे जानवरों को अपनी आंखों के सामने तड़प-तड़प कर मरते देख पशुपालक परिवार के लोग फूट-फूट कर रो पड़े। इस घटना से पशुपालक के घर में दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। प्रशासन से तुरंत मुआवज़े की ज़ोरदार मांग गांव वालों और पशुपालक एसोसिएशन की तरफ़ से इस गरीब पशुपालक परिवार की मदद करने की मांग की गई है, जो कुदरती आफ़त का शिकार हुआ है। स्थानीय लोगों ने रेवेन्यू एडमिनिस्ट्रेशन और पंचायत डिपार्टमेंट से मांग की है कि:

सरकारी सर्वे- एडमिनिस्ट्रेशन के सीनियर अधिकारियों और जानवरों के डॉक्टरों की एक टीम तुरंत वाऊवा गांव पहुंचे और घटना का पंचनामा करे।

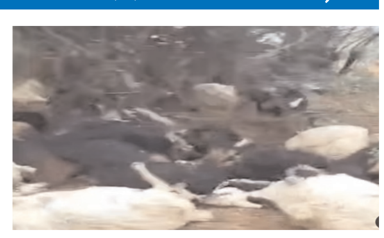

आर्थिक मदद: जिन प्रभावित पशुपालकों की रोज़ी-रोटी चली गई है, उन्हें सरकारी नियमों के मुताबिक जल्द से जल्द दिल खोलकर आर्थिक मुआवज़ा दिया जाए।

इस बॉर्डर इलाके में बिजली गिरने की घटनाओं ने एक बार फिर कुदरती आफ़तों के सामने गरीब पशुपालकों की लाचारी को सामने ला दिया है।

खाकी वर्दी के पीछे का दर्द गांधीनगर में एक महिला पुलिस कांस्टेबल ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। पटना गांधीनगर के शांत सेक्टर-3D इलाके से एक बहुत ही चौंकाने वाली और दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। अहमदाबाद के शाहीबाग पुलिस हेडक्वार्टर में ड्यूटी पर तैनात 28 साल की महिला पुलिस कांस्टेबल जाह्नवीबेन डाभी ने अपने घर की खिड़की से फांसी लगाकर अपनी जान दे दी है। सोशल मीडिया पर एक्टिव और हजारों फॉलोअर्स वाली एक युवा और एनर्जेटिक महिला कर्मचारी की अचानक आत्महत्या ने पूरी गुजरात पुलिस फोर्स को सदमे और दुख में डाल दिया है। बदबू आने पर पड़ोसियों ने पुलिस को बताया मिली जानकारी के मुताबिक, सेक्टर-3D में घर का दरवाज़ा काफी देर से बंद था। इसी बीच, जब घर से तेज़ बदबू आने लगी तो आस-पास के लोगों को शक हुआ। पड़ोसियों ने तुरंत सेक्टर-7 पुलिस स्टेशन को इसकी जानकारी दी। घटना की गंभीरता को देखते हुए सेक्टर-7 पुलिस की टीम तुरंत मौके पर पहुंची। जब पुलिस टीम ने बंद घर का दरवाज़ा तोड़ा और आस-पास के लोगों की मौजूदगी में अंदर घुसी तो सामने का मंज़र देखकर सब हैरान रह गए। महिला कांस्टेबल जाह्नवीबेन डाभी की बॉडी पंखे से लटकी हुई मिली। चूंकि बॉडी सड़ने की हालत में थी, इसलिए शक है कि सुसाइड दो-तीन दिन पहले किया गया था। पुलिस ने तुरंत बॉडी को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया और एक्सीडेंटल डेथ का केस दर्ज करके आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी। सोशल मीडिया स्टार को अपनी पर्सनल लाइफ में भी क्या दर्द था? मृतक जाह्नवीबेन डाभी सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव थीं और इंस्टाग्राम समेत कई प्लेटफॉर्म पर उनके 25 हजार से ज्यादा फॉलोअर्स थे। हजारों लोगों ने उनके रील्स और पोस्ट्स को लाइक किया था। बाहर से मुस्कुराती और सोशल मीडिया पर पॉपुलर दिखने वाली यह महिला कांस्टेबल अंदर से किस मेंटल स्ट्रेस या मजबूरी से गुजर रही थी, इस पर कई बहसें और बहसें हो चुकी हैं।

सेवा संकल्प अभियान,प्रधानमंत्री जी के प्रति कृतज्ञता का अवसर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव। डोंगरगढ़ वार्ड क्रमांक 22 में यशस्वी *प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर आयोजित होने वाले सेवा संकल्प अभियान को लेकर कार्यकर्ताओं की आवश्यक बैठक आयोजित की गई। बैठक में अभियान की तैयारियों, कार्यक्रम की रूपरेखा और अधिक से अधिक लोगों की सहभागिता सुनिश्चित करने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक मुख्य रूप से पूर्व जिला संयोजक एवं पूर्व डोंगरगढ़ शहर भाजपा महामंत्री विवेक मोनू भंडारी तथा वार्ड क्रमांक 22 कार्यक्रम संयोजक श्री अक्षय यादव जी उपस्थित रहे। इस दौरान उपस्थित कार्यकर्ताओं ने अभियान को सफल बनाने के लिए अपने सुझाव दिए और वार्ड स्तर पर कार्यक्रम को प्रभावी ढंग से आयोजित करने का संकल्प लिया। बैठक में मुन्ना राजपूत, शेखर विश्वकर्मा, रामकृष्ण यादव, ललित शर्मा, सत्यम यादव, अजय सिन्हा, दुर्गेश यदु, दिलीप सिन्हा, सतीश यादव, अंशु, धनराज, ओम यदु, लक्ष्मण यदु, अर्चना यादव, साक्षी यादव, साधना यादव, अनुराधा, गायत्री यदु, पुरुषोत्तम यादव एवं दीपक यदु सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

विश्वकर्मा जयंती पर राष्ट्रीय श्रम दिवस एवं ज्ञापन कार्यक्रम

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नागदा। भारतीय मजदूर संघ द्वारा भगवान विश्वकर्मा जयंती 17 सितंबर को राष्ट्रीय श्रम दिवस के रूप में मनाया जाता रहा है। इसी क्रम में इस वर्ष भी गुरुवार, 17 सितंबर 2026 को विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। भारतीय मजदूर संघ की बैठक में लिए गए निर्णय के अनुसार प्रातः 11:00 बजे श्रमिक साथी टेंपल गेस्ट हाउस, बिरला मंदिर के पास एकत्रित होंगे। यहां से एसडीएम कार्यालय पहुंचकर माननीय प्रधानमंत्री के नाम एसडीएम महोदय को ज्ञापन सौंपा जाएगा। ज्ञापन में 17 सितंबर को राष्ट्रीय अवकाश घोषित करने की मांग की जाएगी। भारतीय मजदूर संघ द्वारा यह मांग लंबे समय से की जा रही है। ज्ञापन सौंपने के पश्चात श्रमिक वाहन रैली के रूप में बिरला ग्राम होते हुए मेहतवास स्थित खाटू श्याम मंदिर के पास भारतीय मजदूर संघ कार्यालय पहुंचेंगे, जहां भगवान विश्वकर्मा जयंती एवं राष्ट्रीय श्रम दिवस के अवसर पर कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में भारतीय मजदूर संघ के वरिष्ठ पदाधिकारी एवं नेता उपस्थित रहकर श्रमिकों का मार्गदर्शन करेंगेकार्यक्रम को सफल बनाने की अपील जिला मंत्री करण सिंह शेखावत, वरिष्ठ नेता जोध सिंह राठौर, अशोक गुर्जर, राजकुमार सिसोदिया, मोहब्बत सिंह राठौड़, गिरधारी लाल सोनी, बालकिशन धौलपुरे, रामलाल पंडया, महेश नायर, अनिल दुबे, प्रवेश तिवारी, राहुल सिंह, हिमांशु राणावत, वीरेंद्र सिंह चौहान, पप्पू सिसोदिया सहित भारतीय मजदूर संघ के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने की है।

थाना डोंगरगांव की अवैध शराब बिक्री पर सख्त कार्यवाही

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव। पुलिस अधीक्षक महोदय सुश्री अंकिता शर्मा, जिला राजनांदगांव के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कीर्तन राठौर एवं पुलिस अनुविभागीय अधिकारी श्रीमती मंजुलता बाज़ के मार्गदर्शन में जिले में अपराध एवं अवैध गतिविधियों, विशेषकर अवैध शराब बिक्री के विरुद्ध प्रभावी अंकुश लगाने हेतु लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में दिनांक 14.09.2026 को थाना डोंगरगांव पुलिस को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि सुपर स्पेंलेडर ग्रे कलर क्रमांक सीजी 08 ए.एक्स 4399 में कोनारी मेन रोड से अवैध रूप से बिक्री हेतु शराब परिवहन कर रहा है सूचना पर थाना पुलिस टीम द्वारा तत्काल घेराबंदी कर सुपर स्पेंलेडर ग्रे कलर क्रमांक सीजी 08 ए.एक्स 4399 के चालक को रोका गया। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम प्रदीप देवागंन पिता घनाराम देवागंन उम्र 38 साल निवासी बाजार चौक के पिछे ग्राम अर्जुनी, थाना डोंगरगांव, जिला राजनांदगांव बताया। पुलिस द्वारा तलाशी लेने पर सुपर स्पेंलेडर में रखे सफेद निले रंग के पलास्टिक थैले से 58 पौवा देशी प्लेन शेरा शराब, प्रत्येक पौवा 180 एमएल, कुल 10.440 लीटर, कीमत 4,640 रुपये बरामद की गई। आरोपी द्वारा शराब के संबंध में कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किया गया। मौके पर शराब एवं सुपर स्पेंलेडर क्रमांक सीजी 08 ए.एक्स 4399, कीमत 40,000 रुपये, कुल जप्ती 44,640 रुपये विधिवत जप्त की गई। पर आरोपी के विरुद्ध धारा 34(2) आबकारी अधिनियम के तहत अपराध पंजीबद्ध कर वैधानिक कार्यवाही की गई। पूछताछ एवं विवेचना में आरोपी के विरुद्ध अपराध घटित करना पाए जाने पर उसे विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया गया।

mahangarmetro.com
महानगर मेट्रो
अहमदाबाद, (बुधवार)
16 सितंबर 2026

25 वार्डों में भाजपा का दबदबा, 15 सीटों के साथ स्पष्ट बहुमत; कांग्रेस 7 पर सिमटी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

माउंट आबू। नगर पालिका चुनाव की मतगणना सोमवार सुबह करीब 8 से 8:15 बजे के बीच शुरू हुई और पांच राउंड में पूरी हुई। 25 वार्डों के सामने आए चुनाव परिणामों में भाजपा ने 15 सीटों पर जीत दर्ज कर स्पष्ट बहुमत हासिल कर लिया। कांग्रेस को 7 वार्डों में जीत मिली, जबकि निर्दलीय प्रत्याशियों ने 2 सीटों पर कब्जा जमाया। राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी (आरएलपी) के खाते में 1 सीट गई। परिणाम सामने आने के साथ ही नगर पालिका में भाजपा का बोर्ड बनने की स्थिति स्पष्ट हो गई। मतगणना की प्रक्रिया राउंडवार पूरी की गई। पहले राउंड में वार्ड संख्या 1 से 5 तक के परिणाम घोषित किए गए। इसके बाद दूसरे राउंड में वार्ड 6 से 10, तीसरे राउंड में वार्ड 11 से 15 तथा चौथे राउंड में वार्ड 16 से 20 तक के परिणाम सामने आए। अंतिम और पांचवें राउंड में वार्ड संख्या 21 से 25 तक की मतगणना पूरी की गई। जैसे-जैसे राउंड आगे बढ़ते गए, भाजपा की स्थिति मजबूत होती गई और अंतिम राउंड के परिणाम के बाद पार्टी ने 15 सीटों के साथ स्पष्ट बहुमत का आंकड़ा हासिल कर लिया। मतगणना के दौरान प्रत्याशियों और समर्थकों की नजर लगातार राउंडवार आने वाले परिणामों पर बनी रही। अंतिम परिणाम घोषित होने के बाद भाजपा खेमे में खुशी की लहर दौड़ गई। भाजपा समर्थक मतगणना स्थल के बाहर एकत्र होने लगे और जीत का जश्न मनाया। बारिश के बावजूद समर्थकों का उत्साह कम नहीं हुआ और वे मौके पर डटे रहे। भाजपा समर्थकों ने जीत की खुशी में पटाखे फोड़े और एक-दूसरे को मिठाइयां बांटकर बधाई दी। परिणामों ने नगर पालिका की अगली राजनीतिक तस्वीर भी साफ कर दी है। 25 वार्डों में से 15 सीटें भाजपा के पक्ष में जाने से पार्टी को बोर्ड बनाने के लिए किसी अन्य दल के समर्थन की जरूरत नहीं रहेगी। वहीं कांग्रेस 7 सीटों के साथ दूसरे स्थान पर रही। निर्दलीयों को 2 और आरएलपी को 1 सीट मिली।

वाटेरा की जोड़फली में आकाशीय बिजली का कहर, खेल रहे तीन भाई-बहन झुलसे

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वाटेरा। वाटेरा की जोड़फली में मंगलवार शाम बारिश के दौरान आकाशीय बिजली गिरने से दर्दनाक हादसा हो गया। घर के बाहर खेल रहे एक ही परिवार के तीन बच्चे आकाशीय बिजली की चपेट में आकर झुलस गए। हादसे में 7 वर्षीय गुड़िया कुमारी पुत्री शिवलाल की मौत हो गई, जबकि उसकी बहन संतोष कुमारी और भाई विनोद कुमार गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया। जानकारी के अनुसार मंगलवार शाम करीब 5 बजे क्षेत्र में बारिश हो रही थी। इसी दौरान शिवलाल के तीनों बच्चे घर के बाहर खेल रहे थे। परिवार के अन्य सदस्य भी आसपास मौजूद थे। अचानक तेज धमाके के साथ आकाशीय बिजली गिरी और तीनों बच्चे इसकी चपेट में आ गए। बिजली गिरने से तीनों मासूम बुरी तरह झुलस गए। अचानक हुए हादसे से मौके पर अफरा-तफरी मच गई। बच्चों के झुलसने के बाद उनकी चीख-पुकार सुनकर परिजन तत्काल मौके पर पहुंचे। परिजनों ने बिना देर किए तीनों बच्चों को उपचार के लिए आबूरोड अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल में चिकित्सकों ने जांच के बाद 7 वर्षीय गुड़िया कुमारी को मृत घोषित कर दिया। वहीं संतोष कुमारी और विनोद कुमार का आबूरोड अस्पताल में उपचार किया गया। दोनों की हालत गंभीर होने के चलते बाद में उन्हें अन्यत्र उपचार के लिए रेफर कर दिया गया। घटना की सूचना मिलने पर रोहिड़ा पुलिस थाने से थानाधिकारी ओमकरण चारण मौके पर पहुंचे और घटनाक्रम की जानकारी ली। थानाधिकारी ओमकरण चारण के अनुसार तीनों बच्चे सगे भाई-बहन हैं और हादसे के समय घर के बाहर खेल रहे थे। परिवार के अन्य सदस्य भी आसपास ही मौजूद थे। इसी दौरान अचानक तेज आवाज के साथ आकाशीय बिजली गिरने से तीनों बच्चे उसकी चपेट में आ गए। आकाशीय बिजली की इस घटना से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। एक ही हादसे में मासूम गुड़िया की जान चली गई, जबकि उसके भाई-बहन घायल हो गए। घटना के बाद गांव में भी शोक का माहौल है। परिजन हादसे से गहरे सदमे में हैं।

सिरोही में बंटा जनादेश, कांग्रेस 79 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी; भाजपा 77 पर अटकी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सिरोही। गणेश चतुर्थी का दिन सिरोही जिले की स्थानीय राजनीति में बड़े उलटफेर लेकर आया। जिले के छह स्थानीय निकायों के 180 वार्डों के चुनाव परिणाम सोमवार को घोषित हुए। जनता ने किसी एक दल को एकतरफा बहुमत देने के बजाय बंटा हुआ जनादेश दिया। कांग्रेस 79 सीटों के साथ जिले में सबसे बड़े दल के रूप में उभरी, जबकि भाजपा 77 सीटों के साथ महज दो सीट पीछे रही। वहीं निर्दलीय और अन्य प्रत्याशियों ने 24 सीटों पर जीत दर्ज की। अब इन निर्दलीय पार्षदों की भूमिका कई निकायों में बोर्ड बनाने के लिहाज से निर्णायक हो गई है। जिला मुख्यालय स्थित सिरोही नगर परिषद में कांग्रेस ने मजबूत प्रदर्शन किया और लगातार दूसरी बार बोर्ड बनाने की स्थिति मजबूत कर ली। पिंडवाड़ा में भी कांग्रेस 13 सीटों के साथ मजबूत स्थिति में रही। इसके विपरीत शिवगंज में कांग्रेस को अपने मजबूत गढ़ में बड़ा झटका लगा। यहां भाजपा ने 18 सीटें जीतकर बढ़त हासिल की। आबूरोड में शुरुआती रुझानों में पिछड़ती नजर आई भाजपा ने अंतिम दौर में बाजी पलट दी और 20 सीटों के साथ सबसे आगे रही। पहाड़ी पर्यटन स्थल माउंट आबू में भाजपा ने 15 सीटें जीतकर स्पष्ट बहुमत हासिल किया, जबकि कांग्रेस को 7 सीटें मिलीं। सिरोही में नतीजे घोषित होने के कुछ घंटों बाद जीते हुए कांग्रेस पार्षद कड़ी सुरक्षा के बीच मतगणना स्थल पहुंचे। नवीन भवन स्कूल मतगणना स्थल पर सभी निर्वाचित पार्षदों को शपथ दिलाई गई। रिश्तेदार और समर्थक जीत की खुशी में माला पहनाने पहुंचे। इस दौरान कई निर्वाचित पार्षदों और उनके परिजनों की आंखें खुशी से छलक आईं। हालांकि यह मिलाप ज्यादा देर नहीं चला। शपथ के बाद सभी पार्षदों को उसी बस में बैठाकर बाड़ेबंदी में अज्ञात स्थान पर ले जाया गया। सिरोही नगर परिषद के सभापति पद को लेकर अब सियासी चर्चाएं तेज हैं। वार्ड 25 से कांग्रेस नगर अध्यक्ष पुनीत जैन की पत्नी रितु जैन और पूर्व उपसभापति प्रकाश प्रजापति की पत्नी तारा प्रजापति को सभापति पद के प्रबल दावेदारों में माना जा रहा है। हाल ही में अस्तित्व में आई नई नगर पालिका मंडार में चुनाव परिणाम सबसे ज्यादा पेचीदा रहे। 20 वार्डों में भाजपा और निर्दलीयों को 7-7 तथा कांग्रेस को 6 सीटें मिलीं। ऐसे में पहला बोर्ड कौन बनाएगा, इसका फैसला निर्दलीय पार्षदों के समर्थन पर निर्भर करेगा। परिणामों के बाद यहां सियासी जोड़-तोड़ तेज हो गई है। पिंडवाड़ा के वार्ड 6 में भाजपा और निर्दलीय प्रत्याशी के बीच वोट बराबर रहे। लॉटरी से निर्दलीय प्रत्याशी विजयी घोषित हुआ। मंडार के वार्ड 10 में भी भाजपा और निर्दलीय के बीच टाई हुआ और लॉटरी ने निर्दलीय प्रत्याशी का साथ दिया।

लेडी बाइकर को कार से टक्कर मारने का आरोपी दौसा से गिरफ्तार

गुरुग्राम क्राइम ब्रांच ने भांडारेज इंटरचेंज से दबोचा, हादसे के बाद दोस्त की मदद से हरियाणा से दौसा पहुंचा था; मामले में हत्या के प्रयास की धारा भी जोड़ी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दौसा। गुरुग्राम में लेडी बाइकर को कार से टक्कर मारने के मामले में मंगलवार को गुरुग्राम क्राइम ब्रांच ने दौसा से दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। मुख्य आरोपी कल्याण बैंसला (32), निवासी पलवल, हादसे के बाद हरियाणा से भागकर दौसा पहुंचा था। यहां वह मेहंदीपुर बालाजी में अपने दोस्त लवनीश गुर्जर के साथ रुका था। पुलिस ने पीछा करते हुए आगरा रोड स्थित दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे के भांडारेज इंटरचेंज से दोनों को पकड़ लिया। गिरफ्तारी के बाद दोनों आरोपियों को दौसा सदर थाने लाया गया, जहां प्राथमिक कार्रवाई के बाद उन्हें गुरुग्राम पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया। इस दौरान मुख्य आरोपी कल्याण बैंसला कैमरों से बचने की कोशिश करता और अपने हाथों से चेहरा छुपाता नजर आया। पुलिस ने मामले में हत्या के प्रयास की धारा बीएनएस 109 भी जोड़ी है। सदर थाना प्रभारी युधिष्ठिर के अनुसार गुरुग्राम के सेक्टर-56 थाने में मामले की रिपोर्ट दर्ज हुई थी। हादसे के बाद कल्याण को उसका दोस्त निंदर पलवल से लेकर आया था। वहीं प्रमोद पर उसे गांव टिकरी गुर्जर से भगाने में मदद करने का आरोप है। गुरुग्राम पुलिस ने दोनों दोस्तों को भी पकड़ लिया है। दिल्ली निवासी शिवानी चौहान उर्फ सिया के अनुसार वह 13 सितंबर को अपने बाइकिंग ग्रुप के साथ गुरुग्राम की गोल्फ कोर्स रोड पर स्पोर्ट्स बाइक चला रही थीं। उनका आरोप है कि एक मारुति सियाज में सवार युवक बार-बार उनकी बाइक के पास आने की कोशिश कर रहे थे और गलत इशारे कर रहे थे। उन्होंने कार सवारों से दूरी बनाए रखने को कहा, लेकिन आरोप है कि युवकों ने बाइक रोकने का इशारा किया। सिया के मुताबिक, कुछ दूरी तक कार उनके पीछे चलती रही। इसके बाद कार सवारों ने ओवरटेक कर उनकी बाइक को साइड से टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही वह बाइक समेत सड़क पर गिर गईं और बाइक काफी दूर तक घिसटती चली गई। राइडिंग गियर पहने होने के कारण उन्हें ज्यादा चोट नहीं आई। हादसे के बाद कार सवार मौके से फरार हो गए। सिया के एक साथी ने बाइक से उनका पीछा किया, लेकिन ट्रैफिक सिग्नल के पास कार सवार रास्ता बदलकर फरार हो गए। पूरी घटना बाइक में लगे कैमरे में रिकॉर्ड होने का दावा किया गया है। सिया ने बाद में इंटरनेट मीडिया पर वीडियो जारी कर आरोप लगाया कि टक्कर मारने के बाद आरोपी रुका तक नहीं। उन्होंने कहा कि ऐसी घटनाओं से महिलाओं में गुरुग्राम-दिल्ली की सड़कों पर असुरक्षा की भावना पैदा होती है और सड़क पर जिम्मेदारी से वाहन चलाना जरूरी है। शिवानी के पिता रोशन चौहान के अनुसार शिवानी ने फैशन डिजाइनिंग का कोर्स किया है और 2022 में आम आदमी पार्टी के टिकट पर दिल्ली के कालकाजी से नगर निगम चुनाव भी लड़ चुकी हैं। वहीं आरोपी

कल्याण बैंसला के परिवार के अनुसार वह किसान परिवार से है और कबड्डी खेलता रहा है। उसने 2020 में पलवल में जिम शुरू किया था, जो किराया विवाद के चलते पिछले करीब दो महीने से बंद है। हालांकि उसके अंतरराष्ट्रीय कबड्डी खिलाड़ी होने के दावे की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है।

झालावाड़ में ढाई घंटे में 3 बार भूकंप के झटके, पांच गांवों में दहशत; घरों की दीवारों में आई दरारें

महानगर मेट्रो ब्यूरो

झालावाड़। जिले के पिंडवाड़ा क्षेत्र के पांच गांवों में मंगलवार सुबह भूकंप के लगातार झटकों से लोगों में दहशत फैल गई। करीब ढाई घंटे के अंतराल में तीन बार भूकंप के झटके महसूस किए गए। अचानक धरती हिलने से घबराए लोग घरों से बाहर निकलकर खुले स्थानों पर आ गए। भूकंप के चलते कुछ मकानों की दीवारों में दरारें आने की भी जानकारी सामने आई है। वहीं एहतियात के तौर पर स्कूलों में बच्चों की छुट्टी कर दी गई। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र, नई दिल्ली के अनुसार भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 3 मापी गई। भूकंप का केंद्र झालावाड़ जिले में ही जमीन के करीब 15 किलोमीटर अंदर बताया गया है। झटकों के बाद क्षेत्र में लोगों के बीच काफी देर तक भय का माहौल बना रहा और लोग एक-दूसरे से भूकंप के बारे में जानकारी लेते नजर आए। जानकारी के अनुसार पहला भूकंप सुबह करीब 7:15 बजे महसूस किया गया। इसके बाद दूसरा झटका करीब 8:20 बजे आया। करीब डेढ़ घंटे बाद सुबह 9:53 बजे तीसरी बार धरती में कंपन महसूस हुआ। लगातार तीन बार झटके आने से ग्रामीणों की चिंता बढ़ गई। कई लोग घरों के अंदर जाने के बजाय कुछ समय तक खुले स्थानों पर ही रहे। भूकंप के झटके ग्राम पंचायत नोलाई क्षेत्र के नोलाई, बरखेड़ी, खजुरी, नापाखेड़ी और आवर गांवों में महसूस किए गए। ग्रामीणों के अनुसार झटकों के दौरान घरों और आसपास की संरचनाओं में कंपन महसूस हुआ। कुछ मकानों की दीवारों में दरारें आने की बात भी सामने आई है। हालांकि उपलब्ध जानकारी के अनुसार भूकंप से किसी जनहानि की सूचना नहीं है।

राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस पर बच्चों को खिलाई एल्बेंडाजोल की दवा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जिला मुख्यालय। राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस के अवसर पर जिले में बच्चों और छात्राओं को कृमि संक्रमण से बचाने के लिए एल्बेंडाजोल की कृमिनाशक दवा खिलाने का अभियान शुरू किया गया। जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन पीएमश्री राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय में किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत डिप्टी सीएमएचओ डॉ. सत्य प्रकाश शर्मा ने बालिकाओं को एल्बेंडाजोल की गोली खिलाकर की। इस अवसर पर डॉ. सत्य प्रकाश शर्मा ने बालिकाओं को कृमि संक्रमण से बचाव के लिए स्वच्छता को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि घर और आसपास के क्षेत्र को साफ रखना, स्वच्छ पानी का सेवन करना तथा नियमित रूप से नाखून काटना स्वास्थ्य के लिए बेहद जरूरी है। उन्होंने बालिकाओं को स्वच्छता से जुड़ी अच्छी आदतों को अपनी दिनचर्या में शामिल करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि साफ-सफाई की आदतों से कृमि संक्रमण सहित कई बीमारियों से बचाव में मदद मिल सकती है। कार्यक्रम के दौरान ब्लॉक हेल्थ सुपरवाइजर दिलावर खां ने बालिकाओं को हाथ धोने का सही तरीका भी समझाया। उन्होंने बताया कि खाना खाने से पहले, शौचालय का उपयोग करने के बाद तथा बाहर से घर लौटने पर साबुन और पानी से हाथ अच्छी तरह धोना जरूरी है। उन्होंने हाथ धोते समय केवल हथेलियों की सफाई तक सीमित न रहने, बल्कि उंगलियों, नाखूनों, अंगूठे और हाथ के अन्य हिस्सों को भी अच्छी तरह साफ करने की विधि बताई। विद्यालय की प्रिंसिपल हीरा खत्री और पीएमश्री प्रभारी गोपाल सिंह राव पोसालिया ने कार्यक्रम की जानकारी दी। जिला स्तरीय आयोजन में विद्यालय के वाइस प्रिंसिपल सहित चिकित्सा विभाग से मदन लाल बीपीओ, अशोक कुमार परमार, प्रवीण कुमार, एएनएम देवी कुमारी और खामोश गुर्जर सहित विद्यालय स्टाफ मौजूद रहा। कार्यक्रम को सफल बनाने में वाइस प्रिंसिपल सुमन कुमारी, वर्षा त्रिवेदी, महेंद्र कुमार प्रजापत, तृप्ति डाबी, भगवत सिंह देवड़ा, लता किरण बंसल, दिनेश कुमार सुथार और श्रद्धा सिंदल समेत अन्य स्टाफ ने सहयोग किया।

जालौर में बिजली गिरने से दो दुधारू भैंसों की मौत, विधवा पशुपालक के परिवार पर टूटा आर्थिक संकट

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सिरोही। जैसावास गांव में सोमवार को बारिश के दौरान गिरी बिजली ने एक विधवा पशुपालक परिवार की आजीविका का सहारा छीन लिया। बारिश के बीच बिजली गिरने से पेड़ के नीचे बंधी दो दुधारू भैंसों की मौके पर ही मौत हो गई। दोनों भैंसों की मौत से परिवार को करीब तीन लाख रुपए का नुकसान हुआ है। ये दोनों भैंसें परिवार की आय का मुख्य जरिया थीं और इनके दूध की बिक्री से विधवा मनुदेवी अपने परिवार का गुजर-बसर कर रही थीं। अचानक हुई इस घटना के बाद परिवार के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है।

दूध की आमदनी बंद, परिवार चलाना मुश्किल

मनुदेवी के परिवार के लिए दोनों दुधारू भैंसें महज पशु नहीं, बल्कि रोजी-रोटी का मुख्य साधन थीं। इनके दूध की बिक्री से होने वाली आमदनी से परिवार का खर्च चल रहा था। बिजली गिरने से दोनों भैंसों की एक साथ मौत हो जाने के बाद अब परिवार की नियमित आमदनी का जरिया बंद हो गया है। ऐसे में मनुदेवी के सामने परिवार का रोजमर्रा का खर्च चलाने की बड़ी चुनौती खड़ी हो गई है।

बीमार बेटे के इलाज की भी चिंता

परिवार की आर्थिक परेशानी इसलिए भी गंभीर हो गई है क्योंकि मनुदेवी का एक बेटा बीमारी के चलते परेशान है। परिवार की आमदनी बंद होने के बाद बेटे के इलाज का खर्च उठाना भी मुश्किल हो गया है। एक तरफ करीब तीन लाख रुपए मूल्य के पशुधन का नुकसान हुआ है, वहीं दूसरी ओर दूध की बिक्री से मिलने वाली नियमित आमदनी भी खत्म हो गई है। इस स्थिति ने परिवार की मुश्किलें और बढ़ा दी हैं। टना के बाद मनुदेवी ने प्रशासन से नुकसान का आकलन करवाकर नियमानुसार मुआवजा दिलाने की मांग की है। ग्रामीणों ने भी प्रशासन से जल्द सर्वे करवाकर पीड़ित परिवार को राहत उपलब्ध कराने की मांग उठाई है। ग्रामीणों का कहना है कि परिवार की आय का मुख्य साधन खत्म होने के कारण उसे सरकारी सहायता की जरूरत है। पटवारी देवीलाल ने बताया कि उन्हें घटना की जानकारी मिली है। वे मौके पर जाकर नुकसान का आकलन करते हुए रिपोर्ट तैयार करेंगे और उसे विभाग को भेजेंगे। इसके बाद नियमों के अनुसार मुआवजे की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। अब मनुदेवी के परिवार को प्रशासन की ओर से होने वाले सर्वे और नियमानुसार मिलने वाली सहायता का इंतजार है।

बागरा के मुख्य बाजार में गूंजे गणपति बप्पा के जयकारे, प्रतिमा स्थापना के साथ उत्सव का शुभारंभ

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बागरा। कस्बे के मुख्य बाजार में सोमवार को गणपति मित्र मंडल और समस्त ग्रामवासियों की ओर से मुख्य गणपति भगवान की प्रतिमा स्थापित करने के साथ ही गणपति उत्सव का शुभारंभ हो गया। प्रतिमा स्थापना के दौरान श्रद्धालुओं ने धार्मिक उत्साह के साथ पूजा-अर्चना की और भगवान गणपति से सभी के सुखी एवं खुशहाल जीवन की कामना की। कार्यकर्ता राजू छींपा ने बताया कि गणपति भगवान की प्रतिमा की स्थापना पंडित कमलेश कुमार ने शुभ मुहूर्त में विधि-विधान के साथ करवाई। स्थापना कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में ग्रामवासी और युवा कार्यकर्ता मौजूद रहे। पूजा-अर्चना के बाद श्रद्धालुओं ने भगवान गणेश के दर्शन किए और सुख-समृद्धि की कामना की। तिमा स्थापना के बाद सोमवार को किशन लाल, लकमा राम सुथार और दिनेश सुथार ने गणपति भगवान को प्रसाद का भोग लगाया। इसके बाद प्रसाद श्रद्धालुओं में वितरित किया गया। गणपति उत्सव की शुरुआत के साथ ही मुख्य बाजार में धार्मिक माहौल बन गया और श्रद्धालुओं में उत्साह देखने को मिला। ायोजकों ने बताया कि गणपति उत्सव के दौरान विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। प्रतिदिन भगवान गणपति की पूजा-अर्चना के साथ श्रद्धालु कार्यक्रमों में भाग लेंगे। उत्सव के दौरान रात के समय भजन संध्या का भी आयोजन किया जाएगा। भजन संध्या में विभिन्न कलाकार अपनी प्रस्तुतियां देकर श्रद्धालुओं को भक्तिरस से सराबोर करेंगे। गणपति उत्सव के आयोजन में गांव के युवा कार्यकर्ताओं की भी सक्रिय भागीदारी रही। प्रतिमा स्थापना कार्यक्रम में गणेशा राम घांची, सोहन सिंह, रमेश छींपा, चंपालाल, राजू भाई छींपा, दिनेश माहेश्वरी, कालू छींपा, कमलेश सुथार, गोविंद सुथार और पवन राजपुरोहित सहित कई युवा कार्यकर्ता मौजूद रहे। गणपति मित्र मंडल और ग्रामवासियों ने उत्सव को धार्मिक श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाने की तैयारी की है। प्रतिमा स्थापना के साथ शुरू हुए गणपति उत्सव को लेकर क्षेत्र में भक्तिमय वातावरण बना हुआ है।

राजस्थान लोकल बॉडी इलेक्शन में BJP को बड़ा झटका

CM भजनलाल, वसुंधरा और प्रदेश अध्यक्ष के गढ़ों में BJPका सूपड़ा

2028 के विधानसभा इलेक्शन से पहले जनता का बड़ा शो; मुख्यमंत्री के होम टाउन भरतपुर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जयपुर। राजस्थान में लोकल बॉडी इलेक्शन के नतीजे आते ही भारतीय जनता पार्टी की टॉप लीडरशिप और सत्ता के आकाओं को बड़ा पॉलिटिकल आईना दिखा है। राज्य में BJP की सरकार होने के बावजूद, जनता ने इन लोकल बॉडी इलेक्शन में सत्ताधारी पार्टी को ऐसा कड़ा सबक सिखाया है कि मुख्यमंत्री से लेकर प्रदेश अध्यक्ष तक सभी बड़े नेताओं को अपने ही गढ़ों में झटका लगा है। 2028 के विधानसभा इलेक्शन से पहले जनता ने सरकार के कामकाज और पॉलिसी के खिलाफ अपना साफ और कड़ा मूड दिखा दिया है

इन चुनाव नतीजों में सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि BJP के जो नेता पूरे राज्य में पार्टी का चेहरा हैं, वे अपने ही इलाकों में पार्टी को जीत नहीं दिला पाए हैं:

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा (भरतपुर): BJP ·ो मुख्यमंत्री के अपने गृह जिले भरतपुर में उम्मीद के मुताबिक सफलता नहीं मिली है और उसे बहुत निराशा हुई है।

पूर्व ष्टरूवसुंधरा राजे (झालावाड़): वसुंधरा राजे के दबदबे वाले झालावाड़ इलाके में भी BJP को हार मिली है।

प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौर (पाली): BJP प्रदेश अध्यक्ष के अपने गृह क्षेत्र पाली में भी पार्टी की हालत खराब हुई है। जोधपुर और बीकानेर में भी कांग्रेस की ज़बरदस्त वापसी राजस्थान के बड़े और राजनीतिक रूप से अहम शहरों में BJP का गणित पूरी तरह से उलट गया है जोधपुर जोधपुर में BJP और कांग्रेस के बीच कांटे की टक्कर देखने को मिली है, जहां दोनों पार्टियों को 44-44 सीटें मिली हैं। सत्ता में होने के बावजूद BJP यहां साफ बहुमत पाने में नाकाम रही है। **बीकानेर:** बीकानेर में कांग्रेस ने BJP को बराबरी की टक्कर दी है। यहां कांग्रेस ने 42 सीटों पर बड़ी जीत हासिल की है, जबकि सत्ताधारी BJP सिर्फ़ 27 सीटों पर सिमट गई है।

2028 के विधानसभा चुनाव से पहले सरकार के लिए रेड अलार्म!

स्थानीय स्वशासन चुनाव के ये नतीजे सिर्फ़ स्थानीय जीत या हार नहीं हैं, बल्कि राज्य में BJP सरकार के लिए जनता का 'वेक-अप कॉल' और साफ़ फ़ैसला हैं। स्थानीय स्तर पर विकास के कामों की धीमी रफ़्तार, एडमिनिस्ट्रेटिव नाकामियों और नेताओं की गुटबाज़ी ने साबित कर दिया है कि इन नतीजों की वजह से जनता में भारी नाराज़गी है। अगर BJP ने अब भी इन नतीजों से सबक नहीं सीखा, तो 2028 में उसके सत्ता खोने के संकेत पहले से ही मिल रहे हैं।

सम्पादकीय

'एक संधो 333 वहीं टूटा': उत्तर गुजरात से लेकर प्रदेश संगठन तक कांग्रेस में गुटबाजी का बड़ा विस्फोट

गुजरात में विपक्ष के तौर पर अपनी भूमिका निभाने में नाकाम कांग्रेस में अंदरूनी कलह और वर्चस्व की लड़ाई अब चरम पर पहुंच गई है. पार्टी में लगातार पीछे हटने और चुनावों के बाद भी नेता सुधरने का नाम नहीं ले रहे हैं. जहां एक ओर जनता महंगाई और स्थानीय मुद्दों से त्रस्त है, वहीं दूसरी ओर विपक्ष के तौर पर बड़ा आंदोलन खड़ा करने की बजाय कांग्रेस नेता एक-दूसरे की खिंचाई और कुर्सी खींचने में व्यस्त हो गए हैं. बनासकांठा के एकमात्र गढ़ में भी सत्तालोलुप अंतर्विग्रह!

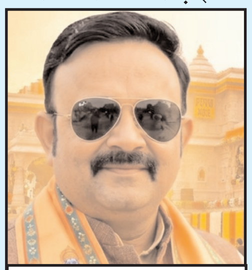
पवन माकन
ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो

सबसे बड़ा और सबसे शर्मनाक विवाद उस क्षेत्र में सामने आया है जहां कांग्रेस का काफी जनाधार है। कांग्रेस ने बनासकांठा जिले में बड़ी जीत हासिल की, लेकिन जिला और क्षेत्रीय नेतृत्व के बीच खुली लड़ाई भी चल रही है. जिला अध्यक्ष अमित चावड़ा द्वारा जिला अध्यक्ष गुलाब सिंह राजपूत की संगठन सूची रद्द करने के बाद विवाद बढ़ गया है. पार्टी के विधायकों और स्थानीय नेताओं ने सोशल मीडिया पर राज्य नेतृत्व पर निशाना साधा और लिखा, 'आपकी लड़ाई हमारे खिलाफ नहीं, बल्कि भाजपा सरकार के खिलाफ होनी चाहिए।' इस घटना ने साबित कर दिया है कि कांग्रेस के लिए बीजेपी से भी बड़े दुश्मन उसके अपने नेता बन गए हैं.

प्रदेश अध्यक्ष अमित चावड़ा पर आरोपों की झड़ी, घिरे प्रभारी सुरजेवाला!

हाल ही में रणदीप सुरजेवाला ने गुजरात के नए क्षेत्रीय प्रभारी के रूप में कार्यभार संभाला है. लेकिन उनकी पहली बैठकों और गुजरात दौरे के दौरान ही पार्टी में आंतरिक असंतोष सामने आ गया. प्रदेश अध्यक्ष अमित चावड़ा की तानाशाही नीति, मनमाने फैसले और वरिष्ठ नेताओं को दरकिनार करने की कार्यशैली के खिलाफ असंतुष्ट गुट ने प्रभारी रणदीप सुरजेवाला को ज्ञापनों की झड़ी लगा दी है. हाईकमान के सामने ही अध्यक्ष का खुला विरोध होने से कांग्रेस का मोवाडीमंडल भी धर्मसंकट में पड़ गया है.

कार्डिनल त्रुटियाँ: संगठन को संरक्षित करने के बजाय कार्ड काटने का खेल 333 वहां एक सांठगांठ टूट जाती है: जैसे ही एक जिला किसी विवाद को सुलझाने जाता है, चार जिलों में गुटबाजी भड़क उठती है।

कार्यकर्ताओं में अत्यधिक निराशा: जमीनी स्तर के कार्यकर्ता जो बीजेपी के खिलाफ लड़ना चाहते हैं, वे नेताओं की इस अहंकार की लड़ाई को देखकर पार्टी छोड़ रहे हैं या निष्क्रिय हो रहे हैं।

अंदरूनी खींचतान: चुनाव के समय बीजेपी को हराने की बजाय अपनी ही पार्टी के उम्मीदवार को हराने की तैयारी की जाती है.

आखिरी चेतावनी: अगर आप अभी भी नहीं जागे तो इतिहास भी आपको माफ नहीं करेगा!

गुजरात में अब कांग्रेस के पास बहुत कम समय और सीमित जनशक्ति बची है. यदि प्रदेश अध्यक्ष अमित चावड़ा और प्रभारी रणदीप सुरजेवाला गुटबाजी पर अंकुश लगाने में विफल रहे, तो 2027 के आगामी चुनावों में कांग्रेस का सूर्यास्त निश्चित है। पार्टी नेताओं को अपनी कोठी-राजनीति और अहंकार को छोड़कर अब सड़कों पर उतरना होगा, अन्यथा भविष्य में कांग्रेस के पास अपनी गलतियों पर रोने के अलावा कोई विकल्प नहीं होगा!

राशिफल

(बुधवार) 16 सितंबर 2026

राशि	फल
मेष	नया काम शुरू करने के लिए दिन बढ़िया है। ऊर्जा बनी रहेगी
तुला	किस्मत का साथ मिलेगा। धार्मिक यात्रा के योग हैं
वृषभ	धन लाभ के योग हैं। पारिवारिक रिश्तों में मधुरता आएगी
वृश्चिक	किस्मत का साथ मिलेगा। धार्मिक यात्रा के योग हैं
मिथुन	करियर में नए अवसर मिलेंगे। वाणी पर नियंत्रण रखें
धनु	वाहन सावधानी से चलाएं। लेन-देन में सतर्कता बरतें।
कर्क	खर्चों में बढ़ोतरी हो सकती है। सेहत का ध्यान रखें
मकर	जीवनसाथी का भरपूर सहयोग मिलेगा। दिन सुखद रहेगा
सिंह	लंबे समय से रुके काम पूरे होंगे। आत्मविश्वास बढ़ेगा
कुंभ	विरोधियों पर विजय मिलेगी। मेहनत का फल प्राप्त होगा
कन्या	कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी। व्यापार में लाभ होगा
मीन	शिक्षा व प्रतियोगिता के क्षेत्र में सफलता मिलेगी

थोड़ा समझाना हो तो संक्षेप में कहो और बहुत कुछ समझाना हो तो मौन रहो

मनुष्य के जीवन में शब्दों का बहुत बड़ा महत्व है। एक छोटा-सा शब्द किसी के चेहरे पर मुस्कान ला सकता है, तो वही शब्द कभी-कभी किसी के हृदय को गहरी पीड़ा भी दे सकता है। इसलिए हर बात कहना आवश्यक नहीं होता और हर बात को लंबी व्याख्या की भी आवश्यकता नहीं होती।

कुछ बातें ऐसी होती हैं, जिन्हें समझाने के लिए केवल दो शब्द ही पर्याप्त होते हैं। लेकिन जब किसी बात को बार-बार समझाने, साबित करने या अपने मन की बात दूसरे के मन में उतारने की आवश्यकता पड़ने लगे, तब कई बार मौन सबसे प्रभावशाली उत्तर बन जाता है।

ऋशब्द कम हों तो भी भावनाएँ समझ आती हैं,
मौन गहरा हो तो भी बात समझ आती है;
हर रिश्ते को शब्दों की आवश्यकता नहीं होती, कभी-कभी आँखें ही पूरी बात कह जाती हैं।गहम अक्सर ऐसे लोगों के बीच रहते हैं, जो हर बात का स्पष्टीकरण चाहते हैं। हमने क्या किया, क्यों किया, किसके लिए किया–हर बात का जवाब देने की अपेक्षा की जाती है। लेकिन जीवन के हर निर्णय का हिसाब हर व्यक्ति को देना आवश्यक नहीं है। कुछ बातें व्यक्ति के निजी जीवन और अंतर्मन से जुड़ी होती हैं, जिन्हें समझने के लिए सामने वाले व्यक्ति में संवेदनशीलता होना आवश्यक है।

समझदार व्यक्ति कम बोलता है, क्योंकि उसे पता होता है कि हर बात का जवाब शब्दों से देना आवश्यक नहीं है। जब सामने वाला समझने के लिए तैयार ही न हो, तब हजारों शब्द भी व्यर्थ हो जाते हैं। उस समय मौन कोई कमजोरी नहीं, बल्कि अपनी मानसिक शांति बनाए रखने का एक सुंदर तरीका है।

मौन का अर्थ रिश्ते तोड़ लेना या किसी की उपेक्षा करना नहीं है। मौन का वास्तविक अर्थ है–जहाँ शब्दों का कोई अर्थ न रह जाए, वहाँ अपनी ऊर्जा बचा लेना। क्योंकि हर बहस जीतना आवश्यक नहीं है और हर गलतफहमी दूर करना भी हमारे हाथ में नहीं होता।

जीवन हमें धीरे-धीरे सिखाता है कि जो व्यक्ति हमें वास्तव में समझना चाहता है, उसे अधिक समझाने की आवश्यकता नहीं पड़ती; और जो समझना ही नहीं चाहता, उसे कितना भी समझाएँ, वह समझेगा नहीं।

इसलिए, थोड़ा समझाना हो तो संक्षेप में कहो। यदि आपकी बात सही है, तो समय उसे साबित कर देगा। और यदि बहुत कुछ समझाना पड़े, तो थोड़ा मौन धारण कर लो। शायद आपके शब्दों से अधिक आपका मौन गहरा प्रभाव छोड़ दे।

अंततः जीवन की सुंदरता इसी में है कि कहाँ बोलना है और कहाँ मौन रहना है–इन दोनों के बीच का अंतर हम सीख जाएँ। क्योंकि सही समय पर बोला गया एक शब्द रिश्ते को बचा सकता है और सही समय पर रखा गया मौन हमारे मन को बचा सकता है।

रूपेश सोलंकी

गणेशजी के आठ अवतारों में छिपा जीवन का गहरा संदेश, अहंकार से लालच तक हर कमजोरी पर विजय की सीख

आध्यात्मिक परंपरा में भगवान गणेश को बुद्धि, विवेक और शुभारंभ के देवता के रूप में पूजा जाता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि भगवान गणेश के भी अनेक अवतारों का वर्णन मिलता है? मुद्गल पुराण में गणेशजी के विभिन्न स्वरूपों और उनसे जुड़ी कथाओं के माध्यम से मनुष्य के भीतर मौजूद अनेक विकारों पर विजय पाने का संदेश दिया गया है। इन कथाओं की विशेषता यह है कि प्रत्येक अवतार किसी न किसी मानवीय कमजोरी का प्रतीक बने असुर को पराजित करता है और मनुष्य को आत्मबोध, संतुलन तथा विवेक का रास्ता दिखाता है। वक्रतुंड गणेशजी का ऐसा स्वरूप है, जिसकी मुड़ी हुई सूंड बुद्धिमत्ता, लचीलेपन और शक्ति का प्रतीक मानी जाती है। इस अवतार का वाहन सिंह है। कथा के अनुसार मत्सरासुर ने अपने प्रभाव से देवताओं के लिए संकट खड़ा कर दिया था। मत्सरासुर ईर्ष्या, जलन और स्वार्थ का प्रतीक माना जाता है। ऐसे समय में वक्रतुंड अवतार ने उसका अंत किया। सूंड के आकार में 'ओम' की प्रतीकात्मक झलक भी देखी जाती है, जिसे आध्यात्मिक ज्ञान का प्रतीक माना गया है। संदेश स्पष्ट है कि विवेक और ज्ञान से ईर्ष्या जैसी प्रवृत्तियों पर नियंत्रण पाया जा सकता है। एकदंत नाम में ही गहरा दर्शन छिपा है। 'एक' को माया और 'दंत' को सत्य का प्रतीक माना गया है। कथा में मदासुर नामक असुर अत्यंत शक्तिशाली होकर अजेय हो गया था। ऋषि सनत्कुमार की सलाह पर देवताओं ने एकदंत का आह्वान किया। गणेशजी के दर्शन मात्र से मदासुर ने आत्मसमर्पण कर दिया। यह कथा बताती है कि अहंकार कितना भी बड़ा क्यों न हो, सत्य और आत्मबोध के सामने उसका अस्तित्व टिक नहीं सकता। ी बड़े उदर वाले गणेशजी। इस स्वरूप का संबंध मोहासुर से बताया जाता है, जो विकार और मोह का प्रतीक माना गया है। सूर्यदेव की सलाह पर देवताओं ने गणेशजी का आह्वान किया और महोदर स्वरूप में गणेशजी के सामने आते ही मोहासुर ने आत्मसमर्पण कर दिया। गणेशजी का विशाल उदर जीवन के अच्छे-बुरे अनुभवों को समान भाव से स्वीकार और पचाने की क्षमता का प्रतीक माना जाता है। यही आंतरिक संतुलन जीवन को स्थिर बनाता है। गजानन अवतार की कथा लोभासुर से जुड़ी है। लोभासुर ने तीनों लोकों पर अधिकार कर लिया था। ऋषि रैभ्य की सलाह पर देवताओं ने गजानन का आह्वान किया। गणेशजी की उपस्थिति मात्र से लोभासुर के भीतर आत्मबोध और अपराधबोध जागा और उसने समर्पण कर दिया। हाथी का सिर धैर्य, सजगता और शक्ति का प्रतीक है। यह कथा बताती है कि आत्मबोध जाग जाए तो लालच और अनियंत्रित इच्छाओं पर विजय पाना संभव है। लंबोदर अवतार को क्रोधासुर के वध से जोड़ा जाता है। कथा के अनुसार समुद्र मंथन के बाद क्रोधासुर का जन्म हुआ और उसने ब्रह्मांड की शांति को भंग कर दिया।

सेवा के शहर भावनगर में संस्थाओं पर अहंकार हावी: ट्रस्टियों के झगड़े ने पवित्र परंपरा तोड़ी!

ट्रस्टी मालिक नहीं, सेवक होते हैं: अहंकार के कारण थियोसोफिकल लॉज और बलवंत भुवन जैसी संस्थाएं खंडहर बन गईं; भावनगर वृद्धाश्रम विवाद कोर्ट और चैरिटी कमिश्नर के पास पहुंचने से दानदाता बहुत निराश हैं

भावनगर। पूरे गुजरात में अपनी संस्कृति और सेवा कार्यों के लिए मशहूर भावनगर शहर आज एक गंभीर अंदरूनी संकट से जूझ रहा है। पूरे राज्य में चल रहे सेवा कार्यों से कहीं बेहतर सेवा कार्य भावनगर की धरती पर होते रहे हैं। लेकिन, हाल ही में कुछ नामी संस्थाओं के ट्रस्टियों में पैदा हुए अहंकार और सत्ता की हवस के कारण इस पवित्र परंपरा पर बड़ा दाग लग रहा है। किसी संस्था को चलाने के लिए सिर्फ पैसा या दौलत काफी नहीं होती, इसके साथ तन-मन से सेवा करने वाले लोगों की भी जरूरत होती है, जिसकी आज इन संस्थाओं में बिल्कुल कमी देखी जा रही है।

ट्रस्टी के मालिक बनते ही संस्थाएं खंडहर बन गईं!

संस्थाओं के एडमिनिस्ट्रेटर्स को यह साफ याद रखना होगा कि वे संस्था के सिर्फ 'ट्रस्टी' (रक्षक) हैं, मालिक नहीं! भावनगर में पहले भी कई ऐतिहासिक और पब्लिक सर्विस संस्थाओं के ऐसे शानदार उदाहरण हैं, जो ट्रस्टियों के बीच अंदरूनी मोह, अहंकार और पावर की लड़ाई की वजह से खत्म हो गईं:

धरोहर जो खंडहर बन गए: वडवा तलवाड़ी में थियोसोफिकल लॉज, बलवंत भुवन और आनंद विहार अखाड़ा आज एडमिनिस्ट्रेशन और ट्रस्टियों की अंदरूनी लड़ाइयों की वजह से खत्म होने की कगार पर हैं।

कम्युनिटी प्रॉपर्टीज़ की दुर्दशा: झगड़ों की वजह से कई जाति मंडलों, कम्युनिटी गार्डन और हॉस्टल का मैनेजमेंट बिगड़ गया है।

अगला खतरा: अगर मौजूदा हालात नहीं सुधरे, तो शहर की आधा दर्जन (लगभग 6) दूसरी बड़ी संस्थाएं भी आने वाले समय में कागजों तक ही सीमित रह जाएंगी।

भावनगर ओल्ड एज होम विवाद कोर्ट और चैरिटी कमिश्नर चौक पर!

हाल ही में शहर की बहुत ही सेंसिटिव और इज्ज़तदार 'भावनगर ओल्ड एज होम' संस्था के ट्रस्टियों के बीच अंदरूनी लड़ाई अपने चरम पर पहुँच गई है। ट्रस्टियों के बीच का यह झगड़ा अब सड़कों और कोर्ट-कचहरी और चैरिटी कमिश्नर के ऑफिस तक पहुँच गया है। पहले भी इस संस्था के एडमिनिस्ट्रेटर्स को ऐसी गलतियाँ करके बैकफुट पर जाना पड़ा था और कड़े कदम उठाने पड़े थे।

अगर ट्रस्टियों ने पिछली गलतियों से सीख लेकर तुरंत सुलह नहीं की, तो इसका सीधा असर संस्था को मिलने वाले डोनेशन पर पड़ेगा। अंदरूनी लड़ाई से तंग आकर डोनर डोनेशन देने से हिचकिचाएँगे, जिसका सीधा शिकार ओल्ड एज होम में पनाह लेने वाले बेसहारा बुज़ुर्ग होंगे।

ईगो छोड़ो और सेवा पक्की करो!

भावनगर की जागरूक जनता और सेवाभावी लोगों की बस यही माँग है कि विवादों में उलझी संस्थाओं के ट्रस्टी अपना पर्सनल ईगो और मतभेद भुलाकर एक टेबल पर बैठें। संस्थाओं को कोर्ट-कचहरी की भागदौड़ से बाहर निकालकर सेवा की चहल-पहल फिर से शुरू करनी चाहिए, नहीं तो भावनगर की पवित्र सेवा पहचान मिटने में ज़्यादा समय नहीं लगेगा!

प्यार का अमर बदलाव - जो खो गया वो खत्म नहीं होता

ज़िंदगी की किताब में, कुछ रिश्ते सिर्फ़ पन्ने बदलते हैं, किताब खत्म नहीं होती। प्यार का सबसे गहरा, दिल दहला देने वाला और चौंकाने वाला सच यह है कि हालात और रिश्ते समय के साथ ज़रूर फीके पड़ सकते हैं, लेकिन दिल में गहराई से बसा सच्चा प्यार कभी नहीं मरता।

कोई मंज़िल नहीं, बल्कि सफ़र का सबसे खूबसूरत पड़ाव।

हमारी ज़िंदगी में आने वाला हर कोई ज़िंदगी भर हमारे साथ हाथ में हाथ डालकर चलने नहीं आता। कुछ लोग बस एक मौसम की तरह आते हैं–हमें सिखाने के लिए कि बिना किसी स्वार्थ के कैसे प्यार करें, बेसब्री से इंतज़ार करें, और सही समय पर अपने दिल पर पत्थर रखकर किसी को आज़ाद (जाने दें) कैसे करें। भले ही वे लोग शारीरिक रूप से या असल में हमसे बहुत दूर चले जाएं, उनकी मौजूदगी की खुशबू और उनकी यादें हमारे अंदर बनी रहती हैं, एक दिव्य, अकेली शांति बनाती हैं, जो हमेशा धड़कती रहती है।

समय का बहाव और बदलता प्यार

समय बहता है। हम भी ज़िंदगी के मामलों में आगे बढ़ते हैं, नए रास्ते बनाते हैं, नए साथी ढूंढते हैं और दुनिया के सामने फिर से खुलकर मुस्कुराना सीखते हैं... लेकिन दिल का एक कोना इतना पक्का और पवित्र रहता है कि उसे समय की धूल भी छू नहीं पाती।

उस कोने में न कोई पुरानी शिकायत होती है,
न कोई नाराज़गी या कड़वाहट होती है,
न कोई ईगो होता है और न ही कोई मालिकाना हक का एहसास होता है वहां बस एक शांत, ठहरा हुआ और बहता हुआ प्यार धड़कता है।

प्यार कभी धूल खाकर नहीं मरता; यह बस समय के साथ अपना रूप बदलता है। कभी यह रात के अकेलेपन में आंख से टपकती एक खामोश बूंद बन जाता है, कभी यह भगवान के सामने दूसरे इंसान की सुरक्षा की दुआ मांगते हुए एक अनदेखी दुआ बन जाता है, कभी यह एक अनकही भावना बनकर दिल को गर्म कर देता है जिसे शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता।

जहां समय और समय का हक निगल लिया जाता है

यह मानना ??बहुत बड़ी गलती है कि अगर किसी इंसान से रिश्ता टूट जाता है, तो प्यार भी मर जाता है। कुछ लोग हमारी आखिरी 'मंज़िल' नहीं होते, फिर भी वे हमारी ज़िंदगी का सबसे शानदार और खुशनुमा सफ़र बन जाते हैं। वे आत्मा पर ऐसी अखंड और कभी न मिटने वाली छाप छोड़ते हैं, जिस पर समय, दूरी, जाति या हालात की कोई सीमा या कंट्रोल नहीं हो सकता। आखिर में, प्यार एक बहता हुआ समंदर है जो अपनी लहरें और दिशाएं बदलने के बावजूद कभी अपना वजूद नहीं खोता। जो खो गया था वह सिर्फ एक रिश्ता था, प्यार आज भी है - उसी पवित्रता के साथ!

अपने व्यक्तित्व को निखारने की कला का नाम ही विवेक है

मनुष्य के व्यक्तित्व की पहचान केवल उसके ज्ञान या व्यवहार से नहीं होती, बल्कि उसकी वाणी से भी होती है। जब भीतर विवेक जागृत होता है तो व्यक्ति के शब्दों में स्वाभाविक रूप से मधुरता, गंभीरता और कोमलता आने लगती है। उसकी बात किसी को चोट पहुंचाने के बजाय समझने, जोड़ने और प्रेरित करने का माध्यम बन जाती है। भारतीय आध्यात्मिक परंपरा में भगवान श्रीराम की वाणी को इसी विवेक का आदर्श माना गया है।

काकभुशुंडि जी ने रामजी की वाणी का वर्णन करते हुए कहा है– 'सुनि सप्रेम मम बानी, देखि दीन निज दास। बचन सुखद गंभीर मृदु, बोले रमानिवास।' अर्थात प्रेम से कही गई बात सुनकर और अपने दास को दीन अवस्था में देखकर रमानिवास श्रीराम ने सुखदायक, गंभीर और कोमल वचन कहे। इन पंक्तियों में केवल रामजी की भाषा का वर्णन नहीं है, बल्कि एक आदर्श व्यक्तित्व की पहचान भी दिखाई देती है श्रीराम बहुत अधिक बोलने वाले नहीं थे। वे कम बोलते थे, लेकिन जब भी बोलते थे तो उनके शब्दों में अर्थ और उद्देश्य होता था। उनकी वाणी में सुखदता थी, क्योंकि वह सामने वाले के मन को समझती थी। उसमें गंभीरता थी, क्योंकि उनके शब्द सोच-विचार से निकलते थे और उसमें कोमलता थी, क्योंकि उसमें अहंकार का स्थान नहीं था। यही तीन गुण विवेकपूर्ण वाणी की पहचान हैं। गणेशोत्सव के अवसर पर विवेक की यह बात और भी प्रासंगिक हो जाती है। भारतीय परंपरा में सरस्वती को बुद्धि और ज्ञान की देवी तथा भगवान गणेश को विवेक और बुद्धिमत्ता का प्रतीक माना जाता है। ज्ञान हमें यह बताता है कि क्या सही है, जबकि विवेक यह समझने की क्षमता देता है कि सही बात को किस समय, किस तरह और किन शब्दों में कहा जाना चाहिए। अपने भीतर विवेक जगाने के लिए बहुत कठिन साधना की आवश्यकता नहीं है। इसकी शुरुआत स्वयं को ईमानदारी से देखने से की जा सकती है। अपनी कमजोरियों को पहचानना और उनके बारे में दूसरों से ईमानदार प्रतिक्रिया लेना इसका सरल उपाय है। जब हम अपने व्यक्तित्व को लेकर दूसरों से खुलकर प्रतिक्रिया लेते हैं और अपनी कमियों को सुधारने के लिए लगातार प्रयास करते हैं, तब धीरे-धीरे हमारा व्यवहार और व्यक्तित्व निखरने लगता है। वास्तविक विवेक यही है कि व्यक्ति अपनी कमियों को छिपाने के बजाय उन्हें पहचानने का साहस रखे। जो व्यक्ति अपनी कमजोरी स्वीकार कर उसे सुधारने का प्रयास करता है, उसके भीतर आत्मबोध बढ़ता है। यही आत्मबोध आगे चलकर उसकी वाणी, व्यवहार और निर्णयों में दिखाई देने लगता है। इस ए गणेशोत्सव केवल पूजा और उत्सव का अवसर नहीं, बल्कि अपने भीतर विवेक जगाने का भी अवसर है। यदि हम बोलने से पहले सोचें, सामने वाले की स्थिति समझें और शब्दों में मधुरता रखें, तो हमारी वाणी भी सुखद, गंभीर और कोमल बन सकती है। श्रीराम की वाणी

महोबा में खूनी खेल! पैरोल पर जेल से बाहर आए पति ने त्रिशूल से गोदकर पत्नी की हत्या

महानगर मेट्रो ब्यूरो

महोबा। महोबा जिले के कुलपहाड़ कोतवाली क्षेत्र के रगौलिया बुजुर्ग गांव में सोमवार रात एक सनसनीखेज वारदात सामने आई। पैरोल पर जेल से बाहर आए उम्रकैद के सजायाफ्ता पति ने अपनी 48 वर्षीय पत्नी की त्रिशूल से हमला कर हत्या कर दी। वारदात के बाद आरोपी मौके से फरार नहीं हुआ, बल्कि करीब तीन घंटे तक पत्नी के शव के पास बैठा रहा। बाद में उसने खुद परिजनों को घटना की जानकारी दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी को हिरासत में ले लिया। पुलिस के अनुसार

आरोपी की पहचान 50 वर्षीय कल्लन रैकवार के रूप में हुई है। बताया गया कि कल्लन को अपनी पत्नी पर शक था कि वह उसे खाने में कोई जहरीला या नशीला पदार्थ मिलाकर देती है। इसी शक और कथित वहम के चलते उसने घर में रखे त्रिशूल से पत्नी पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया। हमले में महिला की मौके पर ही मौत हो गई। वारदात के बाद भी घर में रहा आरोपी पत्नी की हत्या करने के बाद कल्लन वहां से भागा नहीं। वह करीब तीन घंटे तक शव के पास बैठा रहा। सुबह उसने खुद परिजनों को हत्या की जानकारी दी। परिजनों से सूचना मिलने के बाद पुलिस को घटना की जानकारी दी गई। पीआरवी के माध्यम से सूचना मिलते ही कुलपहाड़ कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची। एएसपी वंदना सिंह भी घटनास्थल पर पहुंचीं। पुलिस और फॉरेंसिक टीम ने मौके का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर उससे पूछताछ शुरू कर दी है। मृतका के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजने की कार्रवाई भी की गई। पहले भी कर चुका है मासूम की हत्या पुलिस जांच में आरोपी कल्लन रैकवार का पुराना आपराधिक इतिहास भी सामने आया है। बताया गया कि वह मध्य प्रदेश की सतना जेल में उम्रकैद की सजा काट रहा था। वर्ष 2014 में उसने मध्य प्रदेश के नौगांव में अपनी ही 10 माह की मासूम नातिन की पत्थर से हमला कर हत्या कर दी थी। इस मामले में वर्ष 2017 में उसे आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी।

मोबाइल की किस्त नहीं भरी तो युवक को उठा ले गए, चार दिन बंधक बनाकर पीटा और निकलवाया खून

महानगर मेट्रो ब्यूरो

लखनऊ। निगोहां थाना क्षेत्र में मोबाइल फोन की बकाया किस्त वसूलने के नाम पर युवक को अगवा कर चार दिन तक बंधक बनाने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। पुरहिया गांव निवासी नेवल कुमार के परिवार का आरोप है कि मोबाइल दुकानदार से जुड़े शुभम सिंह और उसके दो साथियों ने 8 सितंबर

को उसे घर से अपने साथ लिया और लखनऊ ले गए। परिजनों के मुताबिक नेवल ने करीब एक साल पहले गीता मोबाइल शॉप से किस्त पर मोबाइल खरीदा था। दो महीने बाद किस्त जमा नहीं होने पर कंपनी से जुड़े लोगों ने मोबाइल वापस ले लिया था। इसके बाद परिवार का कहना था कि फोन वापस जा चुका है, इसलिए मामला खत्म हो गया। आरोप है कि 8 सितंबर को शुभम सिंह एक साथी के साथ नेवल को दुकान पर बात करने के बहाने ले गया, लेकिन उसे अस्पताल ले जाया गया। परिवार का दावा है कि वहां दबाव बनाकर नेवल का एक यूनिट खून निकलवाया गया। इसके बाद उसे एक कमरे में बंधक बनाकर रखा गया और उससे जबरन काम भी कराया गया। परिजनों के अनुसार 9 सितंबर को आरोपियों ने नेवल से उसके भाई राजकुमार को फोन करवाकर 2,799 रुपये मंगवाए। रकम ऑनलाइन भेजने के बाद भी उसे नहीं छोड़ा गया। आरोप है कि बाद में 12,500 रुपये और देने की मांग की गई तथा रकम नहीं देने पर जान से मारने की धमकी दी गई। 12 सितंबर को परिवार ने निगोहां थाने में शिकायत दी। पुलिस के दबाव के बाद आरोपियों ने नेवल को रैपिडो बाइक के जरिए घर भेज दिया। घर लौटे युवक के शरीर पर चोट के निशान बताए गए हैं। पीड़ित की मां की तहरीर पर पुलिस ने शुभम सिंह और दो अज्ञात लोगों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस अब युवक को ले जाने, बंधक बनाने, मारपीट, जबरन खून निकलवाने और रकम मांगने के आरोपों की जांच कर रही है। मामले में आरोपियों की तलाश जारी है।

गोरखपुर में कक्षा 4 के छात्र ने शिक्षिका की बनाई आपत्तिजनक तस्वीर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गोरखपुर। गोरखपुर में कक्षा 4 में पढ़ने वाले 11 वर्षीय छात्र से जुड़ा हैरान करने वाला मामला सामने आया है। परिवार के अनुसार ऑनलाइन पढ़ाई के लिए बच्चे को मोबाइल फोन दिया गया था, लेकिन धीरे-धीरे उसे मोबाइल इस्तेमाल करने की ऐसी आदत लग गई कि वह घंटों फोन में व्यस्त रहने लगा। बाद में उसके व्यवहार में बदलाव दिखाई

देने लगा। स्कूल में भी उसके व्यवहार को लेकर शिकायतें सामने आईं। स्कूल प्रबंधन ने परिजनों को बुलाकर जानकारी दी कि छात्र ने अपनी शिक्षिका की आपत्तिजनक तस्वीर और कुछ अशोभनीय चित्र बनाए हैं। इसके बाद स्कूल ने उसका नाम काट दिया। फिलहाल बच्चे का विशेषज्ञ से उपचार और परामर्श चल रहा है। परिजनों के मुताबिक, शुरुआत में बच्चे को मोबाइल केवल पढ़ाई के लिए दिया गया था। इसके बाद वह मोबाइल पर खेल और अन्य सामग्री देखने लगा। धीरे-धीरे उसकी फोन के प्रति निर्भरता बढ़ती गई। परिवार का कहना है कि वह कई बार मोबाइल लेकर बाथरूम में चला जाता था और काफी देर बाद बाहर आता था। मोबाइल नहीं देने पर वह चिड़चिड़ा और गुस्सैल हो जाता था। स्कूल से शिकायत मिलने पर परिवार हैरान मामला तब गंभीर हुआ जब स्कूल की ओर से बच्चे के माता-पिता को बुलाया गया। स्कूल प्रबंधन ने बताया कि छात्र के बैग से शिक्षिका की आपत्तिजनक तस्वीर और उसके बनाए कुछ अशोभनीय चित्र मिले हैं। सहपाठियों ने भी उसके व्यवहार को लेकर शिकायत की थी। इसके बाद स्कूल ने मामले को गंभीर मानते हुए छात्र का नाम काट दिया और परिवार को विशेषज्ञ से सलाह लेने की बात कही। परिवार ने बताया कि मोबाइल में बच्चे द्वारा अश्लील सामग्री देखे जाने की जानकारी मिलने के बाद उन्होंने उसे समझाने और मोबाइल से दूर रखने की कोशिश की थी। हालांकि, बच्चे की आदत इतनी बढ़ चुकी थी कि मोबाइल से दूरी बनाना उसके लिए मुश्किल हो रहा था। बहन से जुड़े व्यवहार ने भी बढ़ाई चिंता परिजनों ने बताया कि एक बार बच्चे के व्यवहार को लेकर उन्हें और भी चिंता हुई, जब वह अपनी सात वर्षीय छोटी बहन के साथ आपत्तिजनक स्थिति में पाया गया। परिवार के अनुसार उस समय मोबाइल पर अश्लील सामग्री चल रही थी। इसके बाद माता-पिता ने बच्चे को समझाया और विशेषज्ञ की मदद लेने का फैसला किया। विशेषज्ञ की निगरानी में उपचार जारी फिलहाल बच्चे का उपचार और परामर्श चल रहा है। विशेषज्ञों के अनुसार कम उम्र में बिना निगरानी मोबाइल का अत्यधिक इस्तेमाल और अश्लील सामग्री तक पहुंच बच्चे के व्यवहार को प्रभावित कर सकती है।

अमरोहा में अंतिम संस्कार के दौरान खूनी संघर्ष! चिता की लकड़ियां उठाकर एक-दूसरे पर टूट पड़े लोग

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अमरोहा। अमरोहा जिले के तिगरी गंगा धाम में रविवार शाम अंतिम संस्कार के दौरान दो पक्षों के बीच ऐसा विवाद हुआ कि देखते ही देखते श्मशान घाट अखाड़े में बदल गया। दोनों पक्षों के लोगों ने एक-दूसरे पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया। आरोप है कि मारपीट के दौरान चिता से लकड़ियां उठाकर भी एक-दूसरे को पीटा गया। घटना में करीब पांच लोगों के घायल होने की जानकारी सामने आई है। मारपीट का वीडियो अब सामाजिक माध्यमों पर तेजी से प्रसारित हो रहा है। बताया जा रहा है कि गजरौला थाना क्षेत्र के तिगरी गंगा धाम में अलग-अलग स्थानों से दो शवों के अंतिम संस्कार के लिए लोग पहुंचे थे। इसी दौरान किसी बात को लेकर दोनों पक्षों के बीच कहासुनी हो गई। शुरुआत में मामूली विवाद लग रहा

था, लेकिन कुछ ही देर में दोनों पक्षों के लोग आमने-सामने आ गए और लाठी-डंडे चलने लगे। चिता की लकड़ियों से भी मारपीट का आरोप प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक विवाद इतना बढ़ गया कि अंतिम संस्कार की प्रक्रिया भी प्रभावित हो गई। आरोप है कि कुछ लोगों ने चिता से शव और लकड़ियां हटाईं और फिर उन्हीं लकड़ियों को उठाकर दूसरे पक्ष पर हमला कर दिया। अचानक हुई मारपीट से घाट पर मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई। कई लोग अपनी जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे। सैकड़ों लोग रहे मौजूद, वीडियो बनाते रहे घटना के दौरान तिगरी घाट पर बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे। बताया जा रहा है कि कई लोग विवाद को रोकने या घायलों की मदद करने के बजाय अपने मोबाइल फोन से घटना का वीडियो बनाते रहे। मारपीट का यही वीडियो अब सामाजिक माध्यमों पर प्रसारित हो रहा है। वीडियो के आधार पर पुलिस घटना में शामिल लोगों की पहचान करने में जुटी है। पांच लोगों के घायल होने की जानकारी मारपीट में पांच लोगों के घायल होने की बात सामने आई है। घायलों को उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया। हालांकि, पुलिस की ओर से घायलों की स्थिति को लेकर विस्तृत जानकारी सामने नहीं आई है। पुलिस अब विवाद की असली वजह और दोनों पक्षों की भूमिका की जांच कर रही है।

नौकरी के लिए टोकना पिता को पड़ा भारी बेरोजगार बेटे ने सोते समय कुल्हाड़ी से काटकर की हत्या

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भोपाल। राजधानी भोपाल के सुख सेवानिया थाना क्षेत्र के प्रेमनपुरा स्थित बंजारा टोला में रविवार रात एक दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई। यहां बेरोजगार बेटे ने अपने ही 50 वर्षीय पिता की कुल्हाड़ी से हमला कर हत्या कर दी। बताया जा रहा है कि पिता लगातार बेटे को काम-धंधा तलाशने के लिए कहते थे। इसी बात को लेकर दोनों के बीच अक्सर विवाद होता था। रविवार रात भी नौकरी को लेकर कहासुनी हुई और इसके बाद आरोपी बेटे ने पिता पर हमला कर दिया। मृतक की पहचान 50 वर्षीय फूलसिंह नाथ के रूप में हुई है। वह अपनी पत्नी गुड्डी बाई और 30 वर्षीय बेटे धर्मेंद्र नाथ के साथ बंजारा टोला में रहते थे। मृतक की पत्नी ने पुलिस को बताया कि फूलसिंह अपने बेटे के बेरोजगार रहने से परेशान थे और उसे लगातार कोई काम करने के लिए कहते थे। रविवार रात बढ़ा विवाद परिजनों के मुताबिक रविवार रात करीब साढ़े

नौ बजे फूलसिंह ने एक बार फिर धर्मेंद्र को काम तलाशने के लिए कहा। इसी दौरान विवाद बढ़ गया। बताया गया कि गुस्से में फूलसिंह ने अपनी पत्नी से बेटे को खाना नहीं देने की बात भी कही। इससे धर्मेंद्र और भड़क गया। खाना खाने के बाद फूलसिंह अपनी झोपड़ी में जाकर लेट गए। आरोप है कि इसी दौरान धर्मेंद्र ने कुल्हाड़ी से उन पर हमला कर दिया। कुल्हाड़ी के वार हाथ, पैर और पीठ पर किए गए। गंभीर चोट लगने के कारण फूलसिंह मौके पर ही गिर पड़े। हमले के बाद धर्मेंद्र वहां से फरार हो गया। अस्पताल पहुंचने से पहले मौत घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची और घायल फूलसिंह को अस्पताल लेकर गई, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। आरोपी बेटे की तलाश में पुलिस संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है। पिता-पुत्र दोनों पर वन्यजीव शिकार का मामला जांच के दौरान यह भी सामने आया कि मृतक फूलसिंह को स्थानीय स्तर पर 'शेर का शिकारी' के नाम से जाना जाता था। बताया जाता है कि पूर्व में उनके द्वारा जंगली सूअर के लिए लगाए गए जाल में एक तेंदुआ फंसकर मर गया था। इस मामले में उनके खिलाफ वन्यजीव संरक्षण कानून के तहत मामला दर्ज हुआ था। वहीं आरोपी धर्मेंद्र भी वन्यजीव शिकार से जुड़े एक मामले में आरोपी बताया जा रहा है। जानकारी के अनुसार पिता-पुत्र दोनों करीब छह महीने पहले ही जेल से बाहर आए थे। पुलिस अब हत्या की वजह, पुराने मामलों और आरोपी के फरार होने के बाद उसके संभावित ठिकानों की भी जांच कर रही है।

सागर जहरीली शराब कांड: दिग्विजय सिंह ने चार पीड़ित परिवारों को लिया गोद, हर महीने देंगे 10-10 हजार रुपये

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सागर। सागर जिले के बंडा क्षेत्र में जहरीली शराब त्रासदी के बाद कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने पीड़ित परिवारों की मदद के लिए बड़ा ऐलान किया है। उन्होंने जहरीली शराब से जान गंवाने वाले चार लोगों के परिवारों को गोद लेने की घोषणा की है। दिग्विजय सिंह ने कहा कि वह प्रत्येक परिवार को हर महीने 10-10 हजार रुपये की आर्थिक सहायता देंगे और इन परिवारों के बच्चों की शिक्षा का पूरा खर्च भी स्वयं उठाएंगे। दिग्विजय सिंह ने बंडा क्षेत्र का दौरा कर प्रभावित परिवारों से मुलाकात की और उनकी परेशानियां सुनीं। उन्होंने कहा कि जिन परिवारों ने अपने कमाने वाले सदस्य को खोया है, उनके सामने आगे जीवन चलाने की बड़ी चुनौती है। ऐसे में केवल सरकारी सहायता पर्याप्त नहीं है, बल्कि समाज और राजनीतिक दलों के लोगों को भी आगे आकर पीड़ित परिवारों का सहारा बनना चाहिए। कांग्रेस नेताओं से भी की अपील दिग्विजय सिंह ने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार सहित अन्य कांग्रेस नेताओं से भी अपील की कि वे जहरीली शराब कांड से प्रभावित परिवारों को गोद लेकर उनकी मदद करें। उन्होंने कहा कि जिन परिवारों ने अपने कमाने वाले सदस्य खोए हैं या जिनके सदस्य गंभीर रूप से प्रभावित हुए हैं, उनकी जिम्मेदारी समाज को मिलकर उठानी चाहिए। जांच और कार्रवाई पर उठाए सवाल पूर्व मुख्यमंत्री ने जहरीली शराब कांड की जांच को लेकर सरकार और प्रशासन पर भी सवाल उठाए। उन्होंने मामले की निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। दिग्विजय सिंह ने शराब की आपूर्ति और वितरण से जुड़े संदिग्ध लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने की मांग भी की है। उन्होंने सागर के पुलिस अधीक्षक को हटाने और मामले की आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ से जांच कराने की मांग भी उठाई है। साथ ही उनका आरोप है कि सरकार ने अब तक पीड़ित परिवारों को पर्याप्त मुआवजा नहीं दिया है। बंडा शराब कांड में बढ़ा मौतों का आंकड़ा बंडा-शाहगढ़ क्षेत्र में जहरीली शराब के सेवन के बाद बड़ी संख्या में लोगों की मौत हुई है और कई लोग बीमार

पड़े। जांच में शराब में मेथेनॉल की मिलावट की बात सामने आ चुकी है। मामले में कई आरोपियों की गिरफ्तारी भी हुई है और फरार आरोपियों की तलाश जारी है। दिग्विजय सिंह के चार परिवारों को गोद लेने और नियमित आर्थिक सहायता देने के ऐलान को पीड़ित परिवारों के लिए तत्काल राहत के रूप में देखा जा रहा है। अब उनकी मांग है कि इस पूरे मामले में अवैध शराब की आपूर्ति से जुड़े सभी जिम्मेदार लोगों तक पहुंचकर उनके खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाए।

पन्ना में हीरे की तलाश में उमड़ी 4-5 हजार लोगों की भीड़, नदी किनारे लगाए टेंट; वन विभाग ने हटाया, अब पहरा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पन्ना। पन्ना की धरती हीरों के लिए दुनियाभर में जानी जाती है। बारिश के मौसम में यहां की नदियों और उनके किनारे निकलने वाली हीरे वाली मिट्टी में भी लोग किस्मत आजमाने पहुंचते हैं। इसी उम्मीद में इस बार रुंझ डैम के डूब क्षेत्र में करीब चार से पांच हजार लोगों की भीड़ जमा हो गई। बड़ी संख्या में लोगों ने नदी किनारे टेंट तक लगा लिए और कई दिनों तक वहीं रहकर हीरे की तलाश शुरू कर दी। मामले की जानकारी मिलने के बाद वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और लोगों को वहां से हटा दिया। अब क्षेत्र में वन विभाग के कर्मचारियों का पहरा लगाया गया है। हर साल पहुंचते हैं हीरे की तलाश करने वाले विश्रामगंज क्षेत्र के रुंझ डैम के आसपास बारिश के बाद बड़ी संख्या में लोग हीरे की तलाश में पहुंचते हैं। इस बार भी बुंदेलखंड के अलग-अलग जिलों से

लोग यहां पहुंचे। इनमें पन्ना के अलावा छतरपुर, टीकमगढ़, बांदा और आसपास के अन्य क्षेत्रों के लोग शामिल बताए जा रहे हैं। लोगों को उम्मीद रहती है कि बारिश के बाद नदी के बहाव से निकलने वाली मिट्टी और चाल में उन्हें हीरा मिल सकता है। नदी किनारे बना लिया अस्थायी डेरा हीरे की तलाश में पहुंचे लोगों में कई परिवार ऐसे भी थे, जिन्होंने नदी के किनारे टेंट लगाकर अस्थायी डेरा बना लिया था। बड़ी संख्या में लोगों की मौजूदगी से क्षेत्र में भीड़ बढ़ गई थी। सूचना मिलने पर वन विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर लोगों को समझाइश दी और क्षेत्र खाली कराया। वन्यजीवों की सुरक्षा भी बड़ी वजह वन विभाग के अनुसार यह क्षेत्र वन्यजीवों की आवाजाही वाला इलाका है। बड़ी संख्या में लोगों के पहुंचने से वन्यजीवों के प्राकृतिक आवास पर असर पड़ सकता है। इसके अलावा जंगल और नदी क्षेत्र में जहरीले जीवों का भी खतरा रहता है। ऐसे में लोगों की सुरक्षा को लेकर भी चिंता बनी हुई थी। वन विभाग ने बढ़ाई निगरानी लोगों को हटाने के बाद वन विभाग ने क्षेत्र में निगरानी बढ़ा दी है। कर्मचारियों की ड्यूटी लगाकर आने-जाने वालों पर नजर रखी जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि क्षेत्र में किसी भी तरह की अवैध गतिविधि को रोकने के लिए निगरानी जारी रहेगी। पन्ना में रुंझ नदी क्षेत्र में पहले भी बड़ी संख्या में लोग हीरे की तलाश में पहुंचते रहे हैं। वर्ष 2022 में भी हजारों लोगों के नदी किनारे डेरा डालने की खबर सामने आई थी।

चंदेरी के विक्रमपुर गांव में दर्दनाक हादसा, 4 से 9 साल के थे बच्चे; पिता मजदूरी पर और मां मायके गई थीं, परिवार में मचा कोहराम

बचाने के लिए एक के बाद एक कुएं में उतरे, चारों डूब गए; अशोकनगर में 4 सगे मासूम भाइयों की मौत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अशोकनगर। जिले के चंदेरी क्षेत्र के विक्रमपुर गांव में सोमवार को एक दर्दनाक हादसे में एक ही परिवार के चार सगे भाइयों की कुएं में डूबने से मौत हो गई। मृतकों की पहचान देव (9), त्रिदेव (7), महादेव (6) और प्रियंश (4) के रूप में हुई है। चारों बच्चे बलवीर कुशवाहा के बेटे थे। हादसे की खबर सामने आते ही पूरे गांव में मातम पसर गया। जानकारी के अनुसार, चारों भाई सुबह घर से निकलकर खेत की ओर गए थे। काफी देर तक बच्चे वापस नहीं लौटे तो परिजनों ने उनकी तलाश शुरू की। दोपहर में खेत के पास एक कुएं में बच्चों के डूबने की जानकारी सामने आई। परिजनों और ग्रामीणों ने कुएं में तलाश की तो चारों बच्चों के शव बरामद हुए। बचाने की कोशिश में एक-एक कर गिरे स्थानीय लोगों और शुरुआती जानकारी के मुताबिक, आशंका है कि कुएं के पास पहुंचने के दौरान पहले एक बच्चा उसमें गिर गया। उसे डूबता देखकर बाकी भाइयों ने उसे बचाने की कोशिश की और एक के बाद एक कुएं में उतर गए या फिसलकर गिर गए। इसके बाद चारों बच्चे पानी में डूब गए। हालांकि हादसा ठीक किस तरह हुआ, इसकी पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी। पिता मजदूरी पर, मां मायके गई थीं बताया गया कि बच्चों के पिता बलवीर कुशवाहा मजदूरी कर परिवार का पालन-पोषण करते हैं। घटना के समय वह मजदूरी के लिए गए हुए थे, जबकि बच्चों की मां मायके गई हुई थीं। ऐसे में हादसे के वक्त चारों बच्चे घर पर अकेले थे। परिवार को जब बच्चों के काफी देर तक वापस नहीं आने की चिंता हुई तो उनकी तलाश शुरू की गई। चारों बच्चों की उम्र 10 साल से कम थी। देव 9 वर्ष, त्रिदेव 7 वर्ष, महादेव 6 वर्ष और प्रियंश 4 वर्ष का था। एक साथ चार बच्चों की मौत से परिवार पूरी तरह टूट गया है और गांव में शोक का माहौल है। पुलिस और प्रशासन ने संभाला

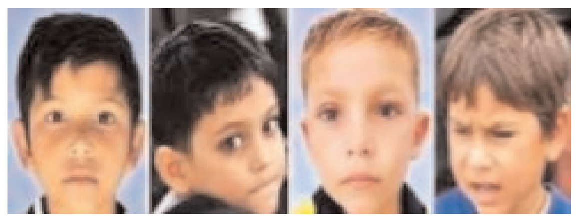

मोर्चा घटना की जानकारी मिलने के बाद चंदेरी पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे। कुएं से चारों बच्चों के शव बाहर निकाले गए और पोस्टमार्टम के लिए चंदेरी सिविल अस्पताल भेजे गए। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिए गए। तहसीलदार दिलीप दरोगा के अनुसार, प्रशासन की ओर से नियमानुसार सहायता देने की कार्रवाई की जाएगी।

जामिया हॉस्टल के खाने में छिपकली मिलने के आरोप पर हंगामा, प्रशासन को साजिश का अंदेशा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। जामिया मिलिया इस्लामिया के स्कूल हॉस्टल के खाने में छिपकली मिलने के आरोप को लेकर हुए छात्रों के प्रदर्शन के बाद विश्वविद्यालय प्रशासन ने मामले की जांच के लिए चार सदस्यीय समिति गठित की है। प्रशासन का कहना है कि शुरुआती जांच में दाल में छिपकली नहीं, बल्कि गिरगिट मिलने की बात सामने आई है। शुक्रवार देर रात हॉस्टल के छात्रों ने खाने को लेकर विरोध

प्रदर्शन करते हुए कुलपति कार्यालय का घेराव किया था। छात्रों का आरोप था कि दाल में छिपकली मिली है। इसके बाद प्रशासन ने मामले की जांच शुरू की। विश्वविद्यालय के एक अधिकारी के अनुसार, सीसीटीवी फुटेज में एक छात्र दाल की कटोरी को खाने की मेज के नीचे ले जाता दिखाई दे रहा है। इसके बाद छात्रों के एक समूह ने कथित तौर पर हंगामा किया। प्रशासन ने पूरे घटनाक्रम के पीछे किसी साजिश की आशंका जताते हुए निष्पक्ष जांच कराने का फैसला किया है। चार सदस्यीय समिति घटना से पहले और बाद के सीसीटीवी फुटेज की जांच करेगी। समिति संबंधित छात्रों की भूमिका और उपलब्ध अन्य तथ्यों की भी पड़ताल करेगी। जरूरत पड़ने पर सरकारी जांच एजेंसियों की मदद भी ली जाएगी। जामिया प्रशासन का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद ही स्पष्ट होगा कि खाने में क्या मिला था और पूरी घटना किन परिस्थितियों में हुई। रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

4 दिन पहले मनाया जन्मदिन, 12 को पसरा मातम; दिल्ली गैंगवॉर में जिम ट्रेनर की हत्या

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली के आया नगर में 1000 गज जमीन को लेकर शुरू हुआ विवाद अब खूनी गैंगवॉर में बदल चुका है। इसी रंजिश के बीच सोमवार सुबह जिम ट्रेनर विजय कुमार की गोली मारकर हत्या कर दी गई। विजय की पत्नी रितु ने बताया कि उन्हें पहले से ही पति के साथ किसी

अनहोनी का डर था। 8 सितंबर को ही विजय ने पत्नी के साथ अपना जन्मदिन मनाया था और महज चार दिन बाद घर में मातम पसर गया। रितु के मुताबिक, उन्होंने विजय से पुरानी रंजिश को देखते हुए कुछ दिनों के लिए कहीं और चले जाने को कहा था। विजय ने उनकी बात को गंभीरता से नहीं लिया और कहा था कि उनका किसी से कोई झगड़ा नहीं है। सुबह जिम के लिए निकले, फिर नहीं लौटे विजय सोमवार सुबह करीब 4 बजे रोज की तरह घर से जिम के लिए निकले थे। सुबह करीब 8:30 बजे उनकी पत्नी से फोन पर बात हुई। विजय ने खाना बनाने के लिए कहा था। करीब 10 बजे से पहले आखिरी बार बातचीत हुई, तब उन्होंने कहा था कि वह हुक्का लेकर घर लौट रहे हैं। इसके बाद विजय वापस नहीं आए। दोस्तों की दुश्मनी से शुरू हुई खूनी जंग पुलिस के मुताबिक, आया नगर के अरुण लोहिया और दीपक लोहिया कभी करीबी दोस्त थे और साथ में संपत्ति का कारोबार करते थे। 1000 गज जमीन को लेकर वर्ष 2023 से दोनों के बीच विवाद शुरू हुआ। विवाद बढ़ने के बाद मारपीट हुई और मामला पंचायत तक पहुंचा, लेकिन दुश्मनी खत्म नहीं हुई। पुलिस के अनुसार, मई 2025 में अरुण की गोली मारकर हत्या कर दी गई। इसके बाद नवंबर 2025 में दीपक के पिता रतन लोहिया की हत्या कर दी गई। अब जिम ट्रेनर विजय कुमार की हत्या को भी इसी गैंगवॉर से जोड़कर देखा जा रहा है।जेल और विदेश में बैठे बदमाशों की भूमिका पुलिस जांच में सामने आया था कि रतन लोहिया हत्याकांड में फरीदाबाद निवासी कमल अधाना की भूमिका सामने आई थी। पुलिस का दावा है कि उसने विदेश में बैठे गैंगस्टर नीरज फरीदपुरिया और जेल में बंद रणदीप भाटी से मदद ली थी। कई आरोपियों को गिरफ्तार भी किया गया था। लगातार हो रही हत्याओं के बाद आया नगर में तनाव का माहौल है। संभावित हिंसा को देखते हुए इलाके में सशस्त्र सीमा बल की टुकड़ी तैनात की गई है।

गोल्डी बराड़ के नाम पर दिल्ली की महिला से मांगे 200 करोड़, पति समेत हत्या की धमकी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली के सिविल लाइंस इलाके में रहने वाली करीब 50 वर्षीय महिला को गैंगस्टर गोल्डी बराड़ के नाम से 200 करोड़ रुपये की रंगदारी मांगने और जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। महिला को विदेशी नंबर से व्हाट्सऐप कॉल आया था। कॉल करने वाले ने खुद को गोल्डी बराड़ बताते हुए रकम नहीं देने पर महिला और उसके पति की हत्या करने की धमकी दी। पुलिस के अनुसार, यह दिल्ली में अब तक सामने आई सबसे बड़ी रंगदारी की मांग बताई जा रही है। जानकारी के मुताबिक, महिला के पास सिविल लाइंस इलाके में पुश्तैनी संपत्ति है। 7 सितंबर की रात करीब 10:44 बजे उनके पास विदेशी नंबर से व्हाट्सऐप कॉल आया। कॉल करने वाले ने कथित तौर पर कहा कि उसे महिला और उनकी संपत्ति के बारे में पूरी जानकारी है और 200 करोड़ रुपये देने होंगे। पैसे नहीं देने पर दोनों को जान से मारने की धमकी दी गई। पहली कॉल को महिला ने गंभीरता से नहीं लिया, लेकिन बाद में दोबारा धमकी मिलने के बाद उन्होंने पुलिस से शिकायत की। शुरुआती जांच के बाद 10 सितंबर को सिविल लाइंस थाने में मामला दर्ज किया गया। मामले में भारतीय न्याय संहिता की धारा 351(4), 308(4) और 61(2) के तहत कार्रवाई की गई है। गोल्डी बराड़ ने ही दी धमकी या किसी ने नाम का इस्तेमाल किया? पुलिस फिलहाल इस बात की भी जांच कर रही है कि धमकी वास्तव में गोल्डी बराड़ या उसके गिरोह की ओर से दी गई थी या किसी अन्य व्यक्ति ने डर पैदा करने के लिए उसके नाम का इस्तेमाल किया। पुलिस महिला की संपत्ति और निजी विवाद से जुड़े पहलुओं की भी पड़ताल कर रही है। जिला पुलिस के साथ दिल्ली पुलिस का विशेष प्रकोष्ठ भी मामले की जांच में जुटा है। पुलिस विदेशी नंबर, व्हाट्सऐप कॉल और उससे जुड़े तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर धमकी देने वाले की पहचान करने की कोशिश कर रही है। फिलहाल मामले में किसी आरोपी की गिरफ्तारी की जानकारी सामने नहीं आई है।

चांदनी चौक में मतदाता सूची से बड़े पैमाने पर नाम हटाने का कांग्रेस का दावा, घर-घर जाकर करेगी मदद

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली के चांदनी चौक विधानसभा क्षेत्र में विशेष गहन पुनरीक्षण के दौरान कई बूथों पर बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाए जाने का कांग्रेस ने आरोप लगाया है। पार्टी ने इस मुद्दे को लेकर प्रभावित लोगों की मदद के लिए मतदाता सहायता केंद्र खोलने और घर-घर जाकर जानकारी जुटाने का ऐलान किया है। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने कहा कि पार्टी चांदनी चौक के उन बूथों का मुद्दा प्रमुखता से उठाएगी, जहां कथित तौर पर बड़ी संख्या में नाम हटाए गए हैं। उन्होंने कहा कि जरूरत पड़ने पर कांग्रेस इस मामले को लेकर अदालत का दरवाजा भी खटखटा सकती है। सोमवार को दिल्ली के अलग-अलग विधानसभा क्षेत्रों से आए कांग्रेस के बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं के लिए प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की गई। इसमें विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया और उन पात्र लोगों की मदद करने के तरीके बताए गए, जिनके नाम प्रारंभिक मतदाता सूची में शामिल नहीं हैं। घर-घर जाकर करेगी मदद कांग्रेस ने दावा किया कि दावे और आपत्तियों की प्रक्रिया के दौरान उसके कार्यकर्ता घर-घर जाकर लोगों की मदद करेंगे। झुग्गी-झोपड़ियों, आरडब्ल्यूए कार्यालयों, गांव की चौपालों और प्रमुख बाजारों में मतदाता सहायता केंद्र बनाए जाएंगे। दिल्ली के कांग्रेस प्रभारी काजी निजामुद्दीन ने कहा कि बेघर होना या स्थायी पता नहीं होना किसी पात्र नागरिक को मतदान के अधिकार से वंचित नहीं करता। उन्होंने कार्यकर्ताओं से लोगों की आशंकाओं को दूर करने और पात्र मतदाताओं की मदद करने की अपील की। 30 सितंबर तक दावे-आपत्तियां दिल्ली के मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय के अनुसार, जिन पात्र लोगों के नाम प्रारंभिक मतदाता सूची में नहीं हैं, वे जरूरी दस्तावेजों के साथ प्रपत्र-6 भरकर नाम जुड़वाने का दावा कर सकते हैं। दावे और

आपत्तियां दर्ज कराने की अंतिम तारीख 30 सितंबर है। इसके बाद अंतिम मतदाता सूची 4 नवंबर को जारी की जाएगी।

नागपुर के शीतकालीन सत्र में विधेयक लाने की तैयारी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। महाराष्ट्र में समान नागरिक संहिता लागू करने की दिशा में राज्य सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा है कि सरकार नागपुर में होने वाले विधानसभा के शीतकालीन सत्र में समान नागरिक संहिता से जुड़ा विधेयक पेश करने की तैयारी कर रही है। हालांकि, विधेयक लाने से पहले सात सदस्यीय समिति अपनी रिपोर्ट सरकार को सौंपेगी। फडणवीस ने कहा कि महाराष्ट्र सरकार ने समान नागरिक संहिता के लिए पहले ही समिति गठित कर दी है और समिति इस विषय पर काम कर रही है। रिपोर्ट मिलने के बाद सरकार इसके क्रियान्वयन की दिशा में आगे बढ़ेगी। सरकार का लक्ष्य आगामी शीतकालीन सत्र में नागपुर में विधेयक पेश करना है। न्यायमूर्ति रंजना देसाई की अध्यक्षता में समिति महाराष्ट्र सरकार ने जुलाई 2026 में सात सदस्यीय समिति का गठन किया था। इसकी अध्यक्षता उच्चतम न्यायालय की सेवानिवृत्त न्यायाधीश न्यायमूर्ति रंजना देसाई कर रही हैं।

समिति को अपनी सिफारिशें देने के लिए छह महीने का समय दिया गया है। समिति में पूर्व उच्च न्यायालय न्यायाधीश आरसी चव्हाण और एसजी मेहरे, पूर्व मुख्य सचिव डीके जैन, पूर्व महाधिवक्ता वीरेंद्र सराफ, संविधान विशेषज्ञ रमेश पतांगे और शिक्षाविद् सुवर्णा रावल भी शामिल हैं। समिति समान नागरिक संहिता के कानूनी और प्रशासनिक पहलुओं पर विचार कर अपनी सिफारिशें तैयार कर रही है। अमित शाह के बयान के बाद बढ़ी चर्चा फडणवीस का यह बयान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के उस बयान के एक दिन बाद आया है, जिसमें उन्होंने कहा था कि भाजपा के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सरकारें 2029 से पहले 21 राज्यों में समान नागरिक संहिता लागू करेंगी। इसके बाद महाराष्ट्र में भी इस कानून को लेकर राजनीतिक चर्चा तेज हो गई है। फिलहाल महाराष्ट्र में समान नागरिक संहिता लागू नहीं हुई है। पहले समिति की रिपोर्ट आएगी, उसके बाद सरकार विधेयक तैयार कर विधानसभा में पेश करेगी। विधेयक पारित होने और जरूरी संवैधानिक प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही कानून लागू किया जा सकेगा।

पराग शाह की नेटवर्थ 3383 करोड़, फिर भिखारी बनकर मुंबई की सड़कों पर क्यों मांगी भीख?

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। महाराष्ट्र के सबसे अमीर विधायकों में शामिल भाजपा नेता पराग शाह का एक वीडियो सोशल मीडिया पर चर्चा में है। करोड़ों की संपत्ति के मालिक पराग शाह भिखारी का वेश धारण कर मुंबई के घाटकोपर की सड़कों पर भीख मांगते नजर आए। उन्होंने सुरक्षा, गाड़ियां और महंगी चीजें छोड़कर आम भिखारी की तरह एक दिन बिताया। पराग शाह ने बताया कि उन्होंने यह अनुभव अपने जैन आध्यात्मिक गुरु नम्रमुनि की सलाह पर किया। उन्होंने मेकअप के जरिए अपना हुलिया बदला और कई घंटे सड़क किनारे बैठकर लोगों से मदद मांगी। इस दौरान उन्हें पैसे के साथ भोजन भी मिला। पराग शाह ने कहा कि इस अनुभव से उन्हें जिंदगी की असलियत समझने का मौका मिला। उन्होंने बताया कि जिन लोगों से मिलने के लिए आमतौर पर लोग उनके पास आते हैं, वही लोग उन्हें भिखारी के रूप में देखकर उनसे ऊपर नजर आए। उनके अनुसार, इससे उन्हें सम्मान और हैसियत के पीछे की वास्तविकता को समझने का अवसर मिला। उन्होंने बताया कि एक व्यक्ति ने उन्हें 20 रुपये देते हुए खाना खाने के लिए कहा। इसके बाद वह एक समोसे वाले के पास गए। जब उन्होंने बताया कि उनके पास पैसे नहीं हैं, तो समोसे वाले ने बिना कोई पैसा लिए उन्हें समोसा दे दिया। पराग शाह ने कहा कि इस अनुभव से उन्हें मुंबई के लोगों की मदद करने की भावना भी देखने को मिली। उन्होंने बाद में भिखारी का मेकअप हटाया और उन्हीं स्थानों पर दोबारा जाकर लोगों से मुलाकात की। कौन हैं पराग शाह? पराग शाह रियल एस्टेट कारोबार से जुड़े हैं और घाटकोपर पूर्व से भाजपा विधायक हैं। 2024 के महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के हलफनामे में उन्होंने 3,383 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति घोषित की थी। वह बृहन्मुंबई महानगरपालिका के पार्षद भी रह चुके हैं। करोड़ों की संपत्ति रखने वाले एक विधायक का भिखारी बनकर सड़क पर बैठना अब चर्चा का विषय बना हुआ है। हालांकि, पराग शाह के मुताबिक, इसका मकसद दिखावा

नहीं बल्कि जीवन की वास्तविकता और आम लोगों के व्यवहार को करीब से समझना था।

पुणे में गर्भवती महिला से दुष्कर्म के बाद हत्या, दो घंटे में आरोपी गिरफ्तार; हथौड़ा और गहने बरामद

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पुणे। बारामती तालुका के पंडारे एमआईडीसी इलाके में 30 वर्षीय गर्भवती महिला की दुष्कर्म के बाद हत्या का सनसनीखेज मामला सामने आया है। मृतका की पहचान वैशाली तानाजी पवार के रूप में हुई है। मालेगांव पुलिस ने मामले में 26 वर्षीय गणेश रामचंद्र माने को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार हत्या का मामला दर्ज होने के करीब दो घंटे के भीतर आरोपी को पकड़ लिया गया। जानकारी के मुताबिक 12 सितंबर की शाम वैशाली अपने घर में थीं। परिवार के लोगों को जब घटना की जानकारी मिली तो वह कमरे में खून से लथपथ मिलीं। सूचना पर सहायक पुलिस निरीक्षक कुलदीप संकपाल की टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। प्रारंभिक जांच में महिला के शरीर पर गंभीर चोटों के निशान मिले। पुलिस के अनुसार इलाके में पूछताछ और घटनास्थल से मिले सुरागों के आधार पर गणेश माने पर संदेह हुआ। उसे हिरासत में

लेकर पूछताछ की गई। पुलिस का दावा है कि पूछताछ में आरोपी ने अपराध स्वीकार किया। जांच के मुताबिक आरोपी कथित तौर पर चोरी के इरादे से घर में घुसा था। महिला को देखकर उसने हथौड़े से हमला किया। इसके बाद घायल अवस्था में उसके साथ दुष्कर्म किया और पहचान उजागर होने के डर से तौलिए से गला घोंटकर उसकी हत्या कर दी। चिकित्सकीय जांच में महिला के गर्भवती होने की पुष्टि हुई। जांच में सिर, गर्दन और शरीर के अन्य हिस्सों पर गंभीर चोटें मिलने की बात सामने आई है। पुलिस के अनुसार आरोपी महिला के सोने के गहने भी लेकर चला गया था। इसके बाद मामले में लूट से संबंधित धाराएं भी जोड़ी गईं। पुलिस ने आरोपी के पास से कथित तौर पर वारदात में इस्तेमाल हथौड़ा, कपड़े और महिला के सोने के गहने बरामद किए हैं। गणेश माने को अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे 16 सितंबर तक पुलिस हिरासत में भेज दिया गया। पुलिस अब वारदात से जुड़े सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

अनशन के 17वें दिन सलाइन और चिकित्सा सहायता लेने से किया इनकार; बोले- ठीक से खड़ा भी नहीं हो पा रहा

मुंबई मार्च से पहले भावुक हुए मनोज जरांगे पाटिल; 4-5 साथियों के साथ निकले

महानगर मेट्रो ब्यूरो

संभाजीनगर। मराठा आरक्षण आंदोलन के प्रमुख नेता मनोज जरांगे पाटिल ने मुंबई मार्च से पहले बेहद भावुक अपील की है। अनशन के 17वें दिन उन्होंने कहा कि सलाइन और चिकित्सा सहायता बंद करने के बाद उनकी तबीयत लगातार बिगड़ रही है। उन्होंने कहा कि वह ठीक से खड़े भी नहीं हो पा रहे हैं और मुंबई की यह यात्रा महाराष्ट्र के लोगों के साथ उनकी आखिरी मुलाकात भी हो सकती है। जरांगे पाटिल ने बताया कि वह 15 सितंबर को जालना जिले के अंतरवाली सराटी से मुंबई के लिए रवाना होंगे। इस बार वह बड़े काफिले के बजाय केवल चार-पांच साथियों के साथ यात्रा करेंगे। उन्होंने समर्थकों से अपील की कि रास्ते में बड़े स्वागत कार्यक्रम या मंच न लगाए जाएं। अगर स्वास्थ्य ने साथ दिया तो वह रास्ते में लोगों से बातचीत करेंगे। 'अभी मुंबई मार्च में शामिल न हों' जरांगे ने समर्थकों से कहा कि वे रास्ते में सड़कों पर आकर उन्हें आशीर्वाद दे सकते हैं, लेकिन फिलहाल उनके साथ मुंबई की ओर मार्च न करें। उन्होंने कहा कि यह मुलाकात शायद आखिरी हो सकती है। साथ ही उन्होंने समर्थकों से अपील की कि अभी उनसे मिलने के लिए पैसे खर्च न करें और अपने संसाधन अंतिम बड़े मुंबई आंदोलन के लिए बचाकर रखें। लिस की अनुमति नहीं मिलने के बाद बदली रणनीति गणेशोत्सव के दौरान मुंबई के आजाद मैदान में प्रस्तावित अनशन के लिए पुलिस की अनुमति नहीं मिलने के बाद जरांगे ने अपनी रणनीति बदली है। पहले बड़ी संख्या में समर्थकों के साथ मुंबई पहुंचने की तैयारी थी, लेकिन अब वह सीमित साथियों के साथ मुंबई जाने की बात कह रहे हैं। उनका कहना है कि मराठा आरक्षण की मांग को लेकर उनका संघर्ष जारी रहेगा। फडणवीस सरकार पर लगाया आंदोलन कमजोर करने का आरोप जरांगे पाटिल ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस पर भी निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार मराठा आरक्षण आंदोलन को कमजोर करने की कोशिश कर रही है। उन्होंने समाज से एकजुट रहने और उसी नेता या दल का समर्थन करने की अपील की, जो आरक्षण की मांग को आगे बढ़ाने में मदद करे। जरांगे ने कहा कि उन्होंने कुछ समय के लिए सरकार और समाज के आग्रह पर सलाइन और चिकित्सा सहायता स्वीकार की थी, लेकिन मांगों पर सकारात्मक प्रतिक्रिया नहीं मिलने के बाद उन्होंने

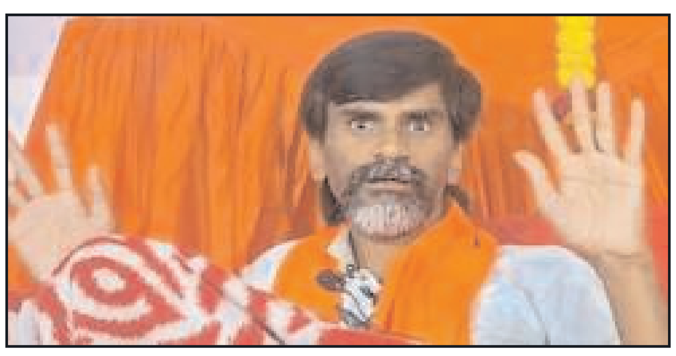

इसे फिर बंद कर दिया। उन्होंने समर्थकों से माला-शॉल पहनाने के बजाय छोटे विश्राम स्थल बनाने की अपील की, ताकि यात्रा के दौरान उन्हें आराम मिल सके। मुंबई पहुंचकर आंदोलन के अगले चरण की तैयारी के बीच जरांगे का यह भावुक बयान मराठा आरक्षण आंदोलन को लेकर महाराष्ट्र की राजनीति में हलचल बढ़ा रहा है।

मोबाइल पर जीएसटी 5 प्रतिशतकरने की मांग

नई दिल्ली ।

मोबाइल फोन और उससे जुड़े कारोबार पर जीएसटी की दर घटाकर 5 फीसदी करने की मांग तेज हो गई है। मोबाइल उद्योग से जुड़े कारोबारियों और उपभोक्ता संगठनों का कहना है, मोबाइल अब विलासिता की वस्तु नहीं, बल्कि शिक्षा, रोजगार, डिजिटल भुगतान और सरकारी सेवाओं तक पहुंचने का जरूरी माध्यम है। मौजूदा जीएसटी दर ज्यादा होने के कारण फोन की कीमत बढ़ती है। निम्न एवं मध्यम आय वर्ग के उपभोक्ताओं पर अतिरिक्त बोझ पड़ता है। उद्योग का तर्क है कि जीएसटी घटाने से मोबाइल की बिक्री बढ़ सकती है। डिजिटल अर्थव्यवस्था को गति मिलेगी, कर आधार भी बढ़ सकता है। कारोबारियों ने सरकार से आगामी जीएसटी परिषद की बैठक में इस प्रस्ताव पर विचार करने की मांग की है।

टाटा समूह की कंपनियों के शेयर में तेजी

टाटा केमिकल्स का शेयर 20 प्रतिशत चढ़ा

नई दिल्ली ।

टाटा समूह की कंपनियों के शेयर में मंगलवार को तेजी रही। टाटा केमिकल्स का शेयर 20 प्रतिशत चढ़ गया। भारतीय रिजर्व बैंक के टाटा संस के प्रमुख निवेश कंपनी का पंजीकरण वापस करने के आवेदन को खारिज करने की खबरों के बीच यह तेजी आई है। बीएसई पर टाटा केमिकल्स के शेयर में 20 प्रतिशत की तेजी आई। टाटा इन्वेस्टमेंट कॉरपोरेशन का शेयर 15.24 प्रतिशत, टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स का 5.89 प्रतिशत, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का 5.47 प्रतिशत, टाटा एल्क्सी का 4.28 प्रतिशत, टाटा पावर का 3.41 प्रतिशत, टाटा कम्युनिकेशंस का 3.21 प्रतिशत, टाटा स्टील का 1.96 प्रतिशत और टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स का 1.72 प्रतिशत चढ़ा। सूत्रों ने शनिवार को बताया था कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने टाटा संस के प्रमुख निवेश कंपनी के रूप में एनबीएफसी पंजीकरण वापस लेने के आवेदन को खारिज कर दिया है। इससे टाटा समूह की होल्डिंग कंपनी के लिए शेयर बाजार में सूचीबद्ध होने की राह खुल गई है।

सोना 115 रुपए गिरा, चांदी 461 रुपए टूटी

सोना 1,51,181 रुपए प्रति 10 ग्राम, चांदी 2,32,200 रुपए प्रति किलोग्राम

नई दिल्ली ।

अमेरिकी में ब्याज दर बढ़ने की आशंका और बॉन्ड यील्ड में तेजी के कारण सोने की कीमतों पर दबाव बढ़ गया है। मंगलवार को अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना पांच सप्ताह के निचले स्तर के करीब आ गया, जिससे घरेलू और वैश्विक दोनों बाजारों में कीमती धातुओं के भाव नरम पड़ गए। अंतरराष्ट्रीय बाजार कॉमेक्स पर सोना 4,349.40 डॉलर प्रति औंस पर 2.50 डॉलर की गिरावट के साथ कारोबार कर रहा था। वहीं, चांदी भी 64.01 डॉलर प्रति औंस पर 0.12 डॉलर नीचे लुढ़क गई। यह गिरावट वैश्विक निवेशकों के बीच बढ़ती चिंताओं का परिणाम है। घरेलू बाजार एमसीएक्स पर भी शुरुआती कारोबार में सोने और चांदी के वायदा भाव नरम रहे। खबर लिखे जाने तक, सोने का अक्टूबर वायदा भाव 1,51,181 रुपए प्रति 10 ग्राम पर 49 रुपए की गिरावट दिखा रहा था, जबकि यह 115 रुपए की गिरावट के साथ खुला था। इसी तरह चांदी का दिसंबर वायदा भाव 2,32,200 रुपए प्रति किलोग्राम पर 490 रुपए की कमजोरी के साथ कारोबार कर रहा था। चांदी का दिसंबर कॉन्ट्रैक्ट 461 रुपए की गिरावट के साथ 2,31,569 रुपए पर खुला था। यह लगातार दबाव बताता है कि बाजार अमेरिकी आर्थिक नीतियों के संभावित प्रभावों को लेकर सतर्क है, जिससे सुरक्षित निवेश मानी जाने वाली धातुओं की चमक फीकी पड़ रही है।

प्रणव कंस्ट्रक्शंस का शेयर 33 फीसदी बढ़त के साथ सूचीबद्ध

नई दिल्ली । रियल एस्टेट कंपनी प्रणव कंस्ट्रक्शंस लिमिटेड का शेयर अपने 124 रुपये के निर्गम मूल्य से 33 प्रतिशत की बढ़त के साथ मंगलवार को बाजार में सूचीबद्ध हुआ। बीएसई पर शेयर ने निर्गम मूल्य से 30.64 प्रतिशत की बढ़त के साथ 162 रुपये पर कारोबार शुरू किया। एनएसई पर यह 33 प्रतिशत की बढ़त के साथ 165 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। कंपनी का बाजार मूल्यांकन 1,520.97 करोड़ रुपये रहा।प्रणव कंस्ट्रक्शंस के 351 करोड़ रुपये के आईपीओ को पिछले सप्ताह बुधवार को बोली के अंतिम दिन 121 गुना अभिदान मिला था। आईपीओ का मूल्य दायरा 118-124 रुपये प्रति शेयर था। प्रणव कंस्ट्रक्शंस लिमिटेड ने बड़े (एंकर) निवेशकों से 84.24 करोड़ रुपये जुटाए थे।

रूस प्रतिबंध विधेयक पर अमेरिकी संसद में घमासान!

हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स में 'लिंडसे ओ. ग्राहम एक्ट' पर संशोधन

नई दिल्ली ।

अमेरिकी कांग्रेस में रूस पर प्रतिबंध लगाने वाले एक महत्वपूर्ण विधेयक को लेकर घमासान मचा हुआ है। प्रतिनिधि सभा में इस विधेयक में ऐसे संशोधन पेश किए गए हैं, जो भारत सहित रूस के प्रमुख व्यापारिक साझेदारों पर टैरिफ लगाने या फिर इस प्रावधान को पूरी तरह हटाने की मांग करते हैं। यह विधेयक यूक्रेन युद्ध के लिए रूस को मिलने वाली वित्तीय सहायता को बाधित करने का लक्ष्य रखता है, लेकिन इसके माध्यमिक प्रतिबंधों को लेकर गहरे मतभेद उभर आए हैं। लिंडसे ओ. ग्राहम सैंक्शनिंग रूस एंड ईरान एक्ट नामक यह विधेयक पिछले महीने अमेरिकी सीनेट से 86-11 के भारी बहुमत से पारित हो चुका है। इसका उद्देश्य रूस के नेतृत्व, ऊर्जा क्षेत्र और उसके शैडो फ्लीट पर प्रतिबंध लगाकर यूक्रेन के खिलाफ युद्ध के लिए मॉस्को को मिल रही आर्थिक मदद को रोकना है। विधेयक में अमेरिकी राष्ट्रपति को रूस के कच्चे तेल के प्रमुख खरीदार देशों पर 100 प्रतिशत टैरिफ लगाने का अधिकार देने का भी प्रस्ताव है, हालांकि सीनेट से पारित विधेयक में इन देशों के नाम स्पष्ट रूप से नहीं दिए गए थे। अब राष्ट्रपति के हस्ताक्षर से पहले इसे प्रतिनिधि सभा से पारित होना है, जिसके पास 3 नवंबर के मध्यावधि चुनाव से पहले केवल चार कार्यदिवस बचे हैं। इसी बीच प्रतिनिधि सभा में दो मुख्य संशोधन चर्चा का विषय बने हुए हैं। डेमोक्रेटिक सांसद स्टेनी होयर ने एक संशोधन पेश किया है, जिसमें चीन, भारत, तुर्किये और यूएई सहित 10 देशों को उन व्यापारिक साझेदारों के रूप में स्पष्ट रूप से नामित करने का प्रस्ताव है, जिन पर प्रस्तावित 100 प्रतिशत शुल्क लगाया जा सकता है। इसका अर्थ है कि रूस से तेल कारोबार करने वाले ये देश विधेयक में प्रस्तावित माध्यमिक टैरिफ के दायरे में आ जाएंगे। इसके विपरीत, डेमोक्रेटिक सांसद ग्रेगरी मीक्स ने एक अलग संशोधन पेश किया है, जिसमें राष्ट्रपति को अतिरिक्त टैरिफ लगाने का अधिकार देने वाले पूरे प्रावधान (धारा 113) को हटाने की मांग की गई है। मीक्स इस तरह के व्यापक माध्यमिक टैरिफ के मुखर विरोधी हैं और उन्हें तीन अन्य सांसदों का समर्थन भी मिला है। मीक्स ने एक अन्य संशोधन में राष्ट्रपति को राष्ट्रीय सुरक्षा के आधार पर 90 दिनों की प्रतिबंध छूट देने का अधिकार भी सुझाया है। यह द्वंद दिखाता है कि अमेरिका रूस को दंडित करने की अपनी रणनीति में सहयोगी देशों पर पड़ने वाले प्रभावों को लेकर बंटा हुआ है।

'अमेजन नाउ' की भारत में सालाना बिक्री एक अरब डॉलर के पार

हर तिमाही में दोगुने हुए ऑर्डर, दिवाली तक 100 शहरों में विस्तार की योजना

नई दिल्ली ।

भारत में अमेज़न की त्वरित वाणिज्य सेवा अमेज़न नाउ ने एक बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए अपनी सालाना अनुमानित सकल बिक्री (एजीएमवी) को 1 अरब अमेरिकी डॉलर के आंकड़े तक पहुंचा दिया है। कंपनी के इतिहास में यह सबसे तेज़ी से बढ़ने वाली ई-कॉमर्स इकाई बन गई है, जहां सेवा शुरू होने के बाद से हर तिमाही में इसके ऑर्डर दोगुने हो रहे हैं। अमेज़न इंडिया के एक अ धिकारी ने मंगलवार को इस सफलता की घोषणा करते हुए बताया कि अमेज़न नाउ की यह रिकॉर्ड तोड़ वृद्धि पिछले तीन महीनों की बिक्री गति पर आधारित है। ग्राहकों की ज़बरदस्त प्रतिक्रिया से उत्साहित कंपनी अब दिवाली तक इस सेवा का विस्तार 100 शहरों तक करने की राह पर है। यह उसकी देशभर के 300 से अधिक शहरों तक पहुंचने की व्यापक योजना का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि कम समय में इतनी बड़ी उपलब्धि हासिल करना ग्राहकों के बीच अमेज़न नाउ की बढ़ती लोकप्रियता और आवश्यकता को दर्शाता है। पिछले 10 हफ्तों से भी कम समय में, अमेज़न नाउ ने अपनी पहुंच को चार गुना से अधिक शहरों में बढ़ाया है, जिससे त्योहारों से पहले 60 से ज्यादा शहरों और कस्बों में ग्राहकों को कुछ ही मिनटों में उत्पाद आपूर्ति की सुविधा मिल रही है। यह तीव्र विस्तार और रिकॉर्ड तोड़ बिक्री अमेज़न की भारतीय बाज़ार में त्वरित वाणिज्य की क्षमता पर भरोसे को मज़बूत करती है।

एयर इंडिया को मिला नया सीईओ, टेवोल्डे गेब्रेमरियम संभालेंगे कमान

निदेशक मंडल ने कैंपबेल विल्सन को दी विदाई

मुंबई ।

एयर इंडिया के निदेशक मंडल ने मंगलवार को मुंबई में हुई अपनी महत्वपूर्ण बैठक में कंपनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) के पद पर बदलाव को अंतिम रूप दे दिया है। इथियोपियन एयरलाइंस समूह के पूर्व प्रमुख टेवोल्डे गेब्रेमरियम इस महीने के अंत में औपचारिक रूप से यह पद संभालेंगे, जबकि वर्तमान सीईओ कैंपबेल विल्सन इस महीने अपना पद से हट जाएंगे। टाटा संस के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन की अध्यक्षता में हुई बैठक में नए सीईओ के वेतन ढांचे सहित विभिन्न रणनीतिक मुद्दों पर चर्चा हुई। निदेशक मंडल ने जुलाई 2022 से एयरलाइन की महत्वाकांक्षी परिवर्तन योजना का सफल नेतृत्व करने के लिए विल्सन के योगदान के लिए उनका धन्यवाद किया। टेवोल्डे गेब्रेमरियम विमानन उद्योग में लगभग चार दशकों का व्यापक अनुभव रखते हैं, जिसमें इथियोपियन एयरलाइंस समूह में 11 साल से अधिक समय तक सीईओ का पद संभालना शामिल है।

उन्हें एयर इंडिया के चल रहे कायापलट के लिए एक महत्वपूर्ण नियुक्ति माना जा रहा है। इस बीच, एयर इंडिया अपनी ग्राहक सेवा प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करने के लिए सेल्सफोर्स के एआई मंच का उपयोग बढ़ा रही है। इसमें ईमेल का स्वचालित समाधान, नाम बदलने की प्रक्रियाओं का सरलीकरण और ग्राहक सेवा टीमों के लिए कृत्रिम मेधा (एआई) आधारित ज्ञान सहायक शामिल हैं। कंपनी ने 140 से अधिक उद्यम प्रणालियों को जोड़ने वाला क्लाउड आधारित डिजिटल तंत्र विकसित किया है और 30 से अधिक एआई पहलें जारी हैं।

हिंदुस्तान जिंक- युवा इंजीनियरों की बदौलत बदल रहा भारतीय जिंक उद्योग का भविष्य

उदयपुर ।

इंजीनियर्स डे के मौके अवसर पर, विश्व की सबसे बड़ी एकीकृत जिंक उत्पादक कंपनी हिंदुस्तान जिंक ने अपने युवा इंजीनियरों की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया है, जो भारत के मेटल और माइनिंग उद्योग को एक नई दिशा दे रहे हैं। कंपनी के कुल अधिकारियों में 57.8 प्रतिशत इंजीनियरिंग पृष्ठभूमि से हैं, जिनमें से 76 प्रतिशत युवा पेशेवर कोर इंजीनियरिंग क्षेत्रों से जुड़े हैं। विशेष रूप से, लगभग 10 प्रतिशत नेतृत्वकर्ता 35 वर्ष से कम आयु के हैं। यह युवा पीढ़ी अपने तकनीकी ज्ञान, डिजिटल कौशल, नवाचार और सतत विकास की सोच के साथ उद्योग को अधिक आधुनिक, स्मार्ट और सुरक्षित बना रही है।पारंपरिक धारणाओं से परे जाकर, ये इंजीनियर केवल उद्योग का हिस्सा नहीं बन रहे बल्कि इसके भविष्य को भी आकार दे रहे हैं। हिंदुस्तान जिंक की अत्याधुनिक इकाइयों में रिमोट ब्लास्टिंग, टेली-रिमोट मशीन संचालन, रियल-टाइम मॉनिटरिंग सिस्टम और ऑटोमेटेड प्रक्रियाओं जैसी तकनीकों के माध्यम से, युवा इंजीनियर सुरक्षित व कुशल कार्यप्रणाली विकसित करने में अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं।

कंपनी के कुल 2,685 अधिकारियों के कार्यबल में से 1,551 कर्मचारी इंजीनियरिंग पृष्ठभूमि से हैं। महिला अधिकारियों की संख्या 20.5 प्रतिशत है, जो माइनिंग, मेटलर्जी, मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल और पर्यावरण इंजीनियरिंग जैसे विभिन्न क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं। हिंदुस्तान जिंक युवा प्रतिभाओं को लगातार जोड़ रहा है, जिसके तहत वित्त वर्ष 2025-26 में 335

कैंपस हायरिंग की गई है। हिंदुस्तान जिंक के सीईओ एवं पूर्णकालिक निदेशक अरुण मिश्रा के मार्गदर्शन में... निदेशक अमरेंद्र प्रकाश ने कहा, आज के इंजीनियर तेज़ी से बदलते उद्योग में कदम रख रहे हैं। हिंदुस्तान जिंक में हम देख रहे हैं कि युवा इंजीनियर नई सोच और दृष्टिकोण के साथ जटिल चुनौतियों का समाधान खोज रहे हैं। हमारी जिम्मेदारी है कि हम उन्हें ऐसा वातावरण दें जहाँ उनकी जिज्ञासा और तकनीकी क्षमता नवाचार में बदल सके।कंपनी का 62 प्रतिशत से अधिक कार्यबल 35 वर्ष से कम आयु का है और इसमें लैंगिक विविधता अनुपात 26.3 प्रतिशत है। हिंदुस्तान जिंक एक ऐसा कार्यस्थल विकसित कर रहा है जहाँ युवा प्रतिभाओं को जिम्मेदारी, सीखने के अवसर और नवाचार की स्वतंत्रता मिलती है। डिजिटलाइजेशन के इस दौर में, कंपनी बड़े औद्योगिक वातावरण के भीतर स्टार्टअप जैसी कार्य संस्कृति को बढ़ावा दे रही है। अधिकारियों के अलावा, 423 से अधिक गैर-अधिकारी कर्मचारी भी इंजीनियरिंग प्रक्रियाओं को मजबूत बनाते हैं, जो परिचालन की मजबूत नींव हैं।

एफसीएनआर (बी) जमा पर बैंकों को अतिरिक्त लागत, ब्याज हेजिंग से बढ़ेगा बोझ

आरबीआई द्वारा मूल राशि की ही हेजिंग से 15-20 आधार अंक की बढ़ोतरी

नई दिल्ली ।

भारतीय बैंकों को विदेशी मुद्रा अनिवासी (बैंक) यानी एफसीएनआर (बी) जमा पर 15-20 आधार अंक की अतिरिक्त लागत झेलनी पड़ेगी। यह बढ़ोतरी जमाकर्ताओं को दिए जाने वाले ब्याज के हेजिंग के मद में होगी, क्योंकि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) केवल मूल जमा राशि की हेजिंग कर रहा है, ब्याज की नहीं। यह लागत जमाकर्ताओं को दिए जाने वाले ब्याज के अलावा होगी।

बैंक अधिकारियों के अनुसार, बैंकों को इन जमाओं पर डॉलर में ब्याज देना होता है, जिससे भविष्य में डॉलर की देनदारी बनती है। इस ब्याज वाले हिस्से की हेजिंग का खर्च बैंकों को खुद उठाना होगा, जो करेंसी फॉरवर्ड प्रीमियम और दोनों मुद्राओं के बीच ब्याज दरों के अंतर पर निर्भर करता है। आरबीआई की रियायती अदला-बदला व्यवस्था के तहत बैंकों ने एफसीएनआर (बी) जमा से 127 अरब डॉलर जुटाए थे, जो सुविधा 31 अगस्त को बंद हो गई है। एक सरकारी बैंक के वरिष्ठ बैंकर ने बताया कि ब्याज वाले हिस्से पर हेजिंग की लागत बैंकों को उठानी होगी।

निजी क्षेत्र के एक अधिकारी ने पुष्टि की कि हेजिंग की लागत जोड़ने के बाद एफसीएनआर (बी) जमा की प्रभावी लागत लगभग 15-20 आधार अंक बढ़ जाएगी। उदाहरण के लिए, 6.5 फीसदी ब्याज दर प्रभावी रूप से 6.65 से 6.70 फीसदी हो जाएगी। हालांकि, बैंक अधिकारियों का मानना है कि 3-5 साल की इन जमाओं पर 6.5 से 7.0 फीसदी की तय लागत पर भी रकम जुटाना अभी भी फायदेमंद है।

बैंक भविष्य की डॉलर देनदारी के जोखिम को कम करने के लिए फॉरवर्ड जैसे विकल्पों पर विचार कर रहे हैं, हालांकि आरबीआई के स्वैप के कारण प्रीमियम बढ़ गए हैं। अनुमान है कि ब्याज का हिस्सा 20 अरब डॉलर तक हो सकता है, जिसके प्रबंधन के लिए फॉरवर्ड अहम जरिया होंगे।

आरबीआई ने बाजार से खींची 3.93 लाख करोड़ की नकदी

अधिशेष तरलता को नियंत्रित करने और दरों को स्थिर करने की कवायद जारी

मुंबई । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने मंगलवार को एक परिवर्तनीय दर रिवर्स रेपो (वीआरआरआर) नीलामी के जरिए बैंकिंग प्रणाली से 3,93,352 करोड़ रुपये की अतिरिक्त नकदी जुटाई। यह केंद्रीय बैंक की अधिशेष तरलता को सोखने और मुद्रा बाजार की रातोंरात दरों को रेपो दर के अनुरूप लाने की जारी कवायद का हिस्सा है। केंद्रीय बैंक ने 5 लाख करोड़ रुपये की अधिसूचित राशि के मुकाबले प्राप्त बोलियों को 5.24 प्रतिशत की कट-ऑफ दर पर स्वीकार किया। आरबीआई पिछले एक महीने से इस तरह की नीलामी कर रहा है, जिसका मुख्य उद्देश्य बैंकिंग प्रणाली में अनुमानित 10.73 लाख करोड़ रुपये (11 सितंबर तक) की अतिरिक्त नकदी को प्रबंधित करना है। इस प्रयास के तहत, आरबीआई ने हाल ही में 1 लाख करोड़ रुपये की सरकारी प्रतिभूतियों की बिक्री के लिए खुले बाजार परिचालन (ओएमओ) की भी घोषणा की है, जिसकी पहली नीलामी 17 सितंबर को होनी है। यह कदम बाजार में तरलता के स्तर को संतुलित करने के आरबीआई के दृढ़ संकल्प को दर्शाता है।

कोटक-एचडीएफसी ने लॉन्च किए इंडेक्स फंड

म्युचुअल फंड में निवेश का नया द्वार, दोनों ओपन-एंडेड एनएफओ का लक्ष्य बाजार खंडों को ट्रैक करना

नई दिल्ली ।

म्युचुअल फंड में निवेश की तलाश कर रहे निवेशकों के लिए दो प्रमुख फंड हाउस, कोटक महिंद्रा म्युचुअल फंड और एचडीएफसी म्युचुअल फंड, ने हाल ही में अपने न्यू फंड ऑफर (एनएफओ) लॉन्च किए हैं। ये दोनों ही ओपन-एंडेड इंडेक्स फंड हैं, लेकिन इनका निवेश फोकस अलग-अलग बाजार खंडों पर है - एक पूंजी बाजार से जुड़ी कंपनियों को ट्रैक करेगा, तो दूसरा रियल एस्टेट और आरईआईटी क्षेत्र पर केंद्रित है। कोटक निफ्टी कैपिटल मार्केट्स इंडेक्स फंड- यह फंड कैपिटल मार्केट से जुड़ी कंपनियों वाले इंडेक्स को ट्रैक करेगा, जिसका लक्ष्य लॉन्ग टर्म में पूंजी वृद्धि करना है। इसमें निवेशक न्यूनतम 1,000 रुपए (एकमुश्त) से निवेश शुरू कर सकते हैं, जबकि एसआईपी के लिए न्यूनतम 500 रुपए की दो किस्तें आवश्यक हैं। इस फंड में कोई एग्जिट लोड नहीं है। कोटक के इस एनएफओ में निवेश 15 सितंबर, 2026 से 29 सितंबर, 2026 तक किया जा सकता है। इसका बेंचमार्क निफ्टी कैपिटल मार्केट्स इंडेक्स टीआरआई है। एचडीएफसी बीएसई आरईआईटीएस एंड कमर्शियल रियल एस्टेट इंडेक्स फंड- यह फंड रियल एस्टेट और कमर्शियल रियल एस्टेट से जुड़ी कंपनियों के इंडेक्स को ट्रैक करेगा, जिसका उद्देश्य भी लॉन्ग टर्म में पूंजी बढ़ाना है। इसमें न्यूनतम 100 रुपए से निवेश शुरू किया जा सकता है। इस एनएफओ में निवेश 15 सितंबर, 2026 से 17 सितंबर, 2026 तक किया जा सकेगा। इसमें आवंटन की तारीख से तीन महीने के भीतर यूनिट्स रिडीम करने पर 0.50 फीसदी का एग्जिट लोड लगेगा, जिसके बाद कोई शुल्क नहीं लगेगा। इसका बेंचमार्क बीएसई आरईआईटीएस एंड कमर्शियल रियल एस्टेट इंडेक्स टीआरआई है।दोनों ही फंड पैसिव निवेश रणनीति अपनाएंगे और अपने-अपने बेंचमार्क इंडेक्स (कोटक के लिए निफ्टी कैपिटल मार्केट्स इंडेक्स टीआरआई और एचडीएफसी के लिए बीएसई आरईआईटीएस एंड कमर्शियल रियल एस्टेट इंडेक्स टीआरआई) में शामिल सिक्योरिटीज में अपनी कुल एसेट का 95 से 100 फीसदी हिस्सा निवेश करेंगे।

मेटा अब सीधे भारतीय एजेंसी को देगा डेटा

मजबूत सुरक्षा और जवाबदेही पर सरकार का जोर

नई दिल्ली ।

ऑनलाइन बाल यौन शोषण (सीएसएएम) और अन्य हानिकारक सामग्री के खिलाफ सरकार की कड़ी सख्ती के बीच, सोशल मीडिया दिग्गज मेटा ने बाल सुरक्षा से जुड़े मामलों की जानकारी सीधे भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (आई4सी) द्वारा संचालित साइबर अपराध मंच को देने पर सहमति जताई है।

यह कदम मेटा को भारत में कानून प्रवर्तन एजेंसियों को सीधे जानकारी देने की प्रतिबद्धता जताने वाली पहली बड़ी प्रौद्योगिकी मध्यस्थ कंपनी बनाता है। केंद्र सरकार लंबे समय से सोशल मीडिया मंचों पर मजबूत सुरक्षा उपाय और अधिक जवाबदेही सुनिश्चित करने पर जोर दे रही है। मेटा के प्रवक्ता ने बच्चों की सुरक्षा को प्राथमिकता बताया और अपराधियों की जवाबदेही तय करने के लिए सरकार के साथ काम करने की प्रतिबद्धता जताई। हाल ही में, सरकार ने सीएसएएम और डीपफेक जैसी सामग्री पर अंकुश लगाने के तरीके को लेकर मेटा को नोटिस जारी किया था और उनके वैश्विक अधिकारियों को तलब भी किया था। पहले मेटा यह जानकारी अमेरिका स्थित एक केंद्र को देता था, लेकिन अब यह व्यवस्था भारत केंद्रित होगी, जिससे त्वरित कार्रवाई में आसानी होगी। सरकारी सूत्रों ने स्पष्ट किया है कि भारत में बच्चों की ऑनलाइन सुरक्षा मूलभूत सिद्धांत है, जिस पर कोई समझौता नहीं किया जा सकता। सरकार उन मंचों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की चेतावनी भी दे चुकी है जो नाबालिगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में विफल रहते हैं।

यह मेटा की प्रतिबद्धता बच्चों के लिए मंचों को सुरक्षित बनाने की दिशा में पहला महत्वपूर्ण कदम है। सरकार का कहना है कि अभी बहुत कुछ किया जाना बाकी है, और सभी मंचों से ऐसी हानिकारक सामग्री की सक्रिय रूप से पहचान कर उसे हटाने की अपेक्षा है। भारतीय कानून का पालन न करने पर सरकार कड़ी चेतावनी दे चुकी है।

कंपनियों ने बढ़ाए दाम, फिर शुरू हुआ छूट का खेल

कार में 1 लाख से लेकर 3 लाख तक की छूट

मुंबई ।

सितंबर में टाटा मोटर्स ने कारों की कीमतों में 25 हजार रुपये तक की बढ़ोतरी की। मारुति सुजुकी ने भी चुनिंदा मॉडलों पर 20 हजार रुपये तक की कीमत बढ़ाने की घोषणा की। कंपनियों ने इसके पीछे बढ़ती उत्पादन लागत और महंगाई को कारण बताया। इसके बाद ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए छूट और एक्सचेंज ऑफर का सहारा लिया जा रहा है।

किस कंपनी के कितने लाभ?

टाटा मोटर्स- कर्व और नेक्सन सहित कई मॉडलों पर छूट और अन्य लाभ दिए जा रहे हैं। कर्व पर 1.25 लाख रुपये तक के लाभ की घोषणा की है।

महिंद्रा- विभिन्न मॉडलों पर डीलर स्तर पर ऑफर उपलब्ध है। सभी मॉडलों के लिएअलग-अलग छूट दी गई है।

होंडा- एलिवेट पर 1.79 लाख रुपये तक और सिटी पर 1.30 लाख रुपये तक के लाभ उपलब्ध हैं। इनमें नकद छूट, एक्सचेंज बोनस और कॉरपोरेट लाभ को अलग-अलग शामिल किया गया है।

मारुति सुजुकी- विक्टोरिस के स्ट्रॉन्ग हाइब्रिड मॉडल पर 1.35 लाख रुपये तक के लाभ की घोषणा की गई है। स्विफ्ट, वैगनार और अन्य कारों पर भी ऑफर हैं।

हुंडई- इसके विभिन्न मॉडलों पर डीलर और कंपनी की योजनाओं के अनुसार छूट मिल सकती है। वास्तविक राशि मॉडल, स्टॉक और स्थान पर निर्भर है।

डीलरों और ग्राहकों में छूट को लेकर तनातनी

ग्राहकों का आरोप है कि कंपनियां पहले कीमतें बढ़ाती हैं, बाद में बड़ी छूट का प्रचार करके खरीदारी का माहौल बनाती हैं। दूसरी ओर, डीलरों का कहना है, छूट में कंपनी का योगदान, एक्सचेंज बोनस, स्क्रैपेज लाभ और डीलर की अतिरिक्त रियायत अलग-अलग होती है। इसलिए विज्ञापन में बताई गई अधिकतम छूट हर ग्राहक को नकद रूप में नहीं मिलती है।ऑटोमोबाइल क्षेत्र के जानकारों के अनुसार, पुराने स्टॉक को निकालना, नए मॉडलों के लिए जगह बनाना और बिक्री बढ़ाना छूट योजनाओं के प्रमुख कारण हो सकते हैं। ग्राहकों को खरीदारी से पहले पुरानी और नई एक्स-शोरूम कीमत, बीमा, एक्सेसरीज तथा ऑन-रोड कीमत की लिखित जानकारी लेना चाहिए। इससे वास्तविक बचत का पता चलेगा। भ्रामक छूट के दावों से बचा जा सकेगा। ग्राहकों के हितों को देखते हुए यह जरूरी भी है।

टाटा संस पर आईपीओ का दबाव, आरबीआई ने अर्जी ठुकराई

निजी से सार्वजनिक कंपनी बनने सहित कई कानूनी व ढांचागत तैयारी करनी होगी

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने टाटा संस की प्रमुख निवेश कंपनी (सीआईसी) का दर्जा खत्म करने की अर्जी नामंजूर कर दी है। इस फैसले के बाद अब टाटा संस के लिए शेयर बाजार में सूचीबद्ध होना लगभग अनिवार्य हो गया है, जिससे समूह पर आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) की तैयारी तेज करने का दबाव बढ़ गया है। हालांकि, मौजूदा कानूनी और ढांचागत बाधाओं को देखते हुए यह राह आसान नहीं होगी। विशेषज्ञों के अनुसार टाटा संस को आईपीओ लाने से पहले कई महत्वपूर्ण कानूनी और ढांचागत तैयारियां करनी होंगी। 2017 में कंपनी एक प्राइवेट लिमिटेड कंपनी बन गई थी, जिसके आर्टिकल्स ऑफ एसोसिएशन में शेयर हस्तांतरण पर ऐसी पाबंदियां हैं, जो सार्वजनिक सूचीबद्धता के नियमों के अनुकूल नहीं हैं। एक लॉ फर्म ऐंड कंसल्टेंट्स के पार्टनर बताते हैं कि इन बुनियादी शर्तों को पूरा करने के लिए बोर्ड को विशेष प्रस्ताव पारित कर कंपनी को फिर से सार्वजनिक बनाना होगा और प्रतिबंधों वाले नियमों को हटाना होगा। सिंघानिया ऐंड कंपनी के रोहित जैन के मुताबिक, टाटा ट्रस्ट्स की नियंत्रक स्थिति और उससे जुड़ी शासन व्यवस्था की जांच डिस्क्लोजर और संबंधित पक्षकार लेनदेन के संदर्भ में जरूरी होगी। टाटा ट्रस्ट्स, जो टाटा संस में 66 फीसदी हिस्सेदारी के साथ सबसे बड़े शेयरधारक हैं, की नियंत्रण स्थिति को बनाए रखते हुए न्यूनतम सार्वजनिक शेयरधारिता (एमपीएस) की शर्त को पूरा करना एक चुनौती होगी। संभावना है कि नए शेयर जारी करने के बजाय मौजूदा शेयरधारकों द्वारा ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) का रास्ता अपनाया जाएगा। शापूर्जी पलोनजी समूह, जिसके पास लगभग 18.4 फीसदी हिस्सेदारी है और जो लंबे समय से सूचीबद्धता की मांग कर रहा है, ओएफएस के लिए एक स्वाभाविक दावेदार माना जा रहा है। इससे टाटा संस ट्रस्ट्स की पकड़ ढीली किए बिना नियमों का पालन कर सकेगा। टाटा संस को तात्कालिक प्राथमिकता आरबीआई से आईपीओ टाइमलाइन के बारे में स्पष्ट जानकारी लेना और एक विस्तृत रोडमैप तैयार करना होगी।

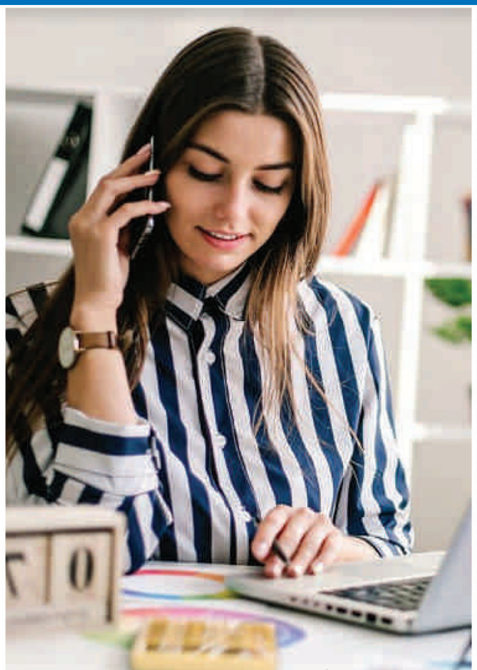

पब्लिक रिलेशन में बनाना है कॅरियर

अगर आप पीआर में अपना कॅरियर देख रहे हैं तो 12वीं के बाद, आप मास मीडिया, पत्रकारिता, या यहां तक कि जन संचार में स्नातक की डिग्री प्राप्त कर सकते हैं। ये आपको कम्युनिकेशन, समाजशास्त्र, डिजिटल विज्ञापन आदि जैसे विषयों में एक मुख्य आधार प्रदान करेंगी।

आज के समय में युवा कई अलग-अलग क्षेत्रों में अपने भविष्य की तलाश करते हैं। अगर आपको लोगों से मिलना अच्छा लगता है और आप हमेशा कुछ नया करना चाहते हैं तो ऐसे में आप पब्लिक रिलेशन में अपना करियर तलाश कर सकते हैं। यह एक ऐसा करियर ऑप्शन है, जिसे सबसे प्रतिष्ठित और अच्छी तनख्वाह वाली कंपनियों में से एक माना जाता है। हालांकि, पब्लिक रिलेशन में करियर बनाने के लिए आपको कई बातों का ध्यान रखना होता है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको बता रहे हैं कि आप पीआर में अपना करियर कैसे शुरू कर सकते हैं-

एजुकेशन पर दें ध्यान

अगर आप पीआर में अपना कॅरियर देख रहे हैं तो 12वीं के बाद, आप मास मीडिया, पत्रकारिता, या यहां तक कि जन संचार में स्नातक की डिग्री प्राप्त कर सकते हैं। ये आपको कम्युनिकेशन, समाजशास्त्र, डिजिटल विज्ञापन आदि जैसे विषयों में एक मुख्य आधार प्रदान करेंगी। यदि आप किसी विशिष्ट उद्योग क्षेत्र में अपना करियर बनाना चाहते हैं, तो यह एक पोस्ट-ग्रेजुएट डिप्लोमा करें। उदाहरण के लिए, यदि आप पीआर के बारे में जानने के लिए सब कुछ सीखना चाहते हैं, तो अपने कौशल को अगले स्तर तक ले जाने के लिए एमआईसीए और अपग्रेड के जनसंपर्क एमए प्रोग्राम देखें। इस कार्यक्रम के साथ, आप सोशल मीडिया मार्केटिंग, कंटेंट मार्केटिंग, ब्रांडिंग, मार्केटिंग विश्लेषण और उद्योग से संबंधित कई अन्य स्किल्स को सीख सकते हैं।

लें अनुभव

यह सच है कि किसी भी क्षेत्र अपना कॅरियर स्थापित करने के लिए अनुभव होना बेहद आवश्यक है। इसलिए, जब आप कॉलेज में हों तो इंटर्नशिप करना अच्छा रहेगा। यह न केवल आपको अपने पाठ्यक्रम में सीखी गई बातों को लागू करने में मदद करता है, बल्कि यह आपको उद्योग के कामकाज को समझने में भी सक्षम बनाता है। इस तरह, आपको पता चल जाएगा कि आपको किन स्किल्स को विकसित करने की आवश्यकता है। इतना ही नहीं, इंटर्नशिप करने के बाद आपके लिए एक अच्छी नौकरी प्राप्त करना भी अधिक आसान हो जाएगा।

प्रोफेशनल नेटवर्क करें बिल्डअप

अगर आप पीआर फील्ड में खुद को स्थापित करना चाहते हैं तो पहले आपको प्रोफेशनल नेटवर्क भी बिल्डअप करना होगा। शुरू में आप सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अपने प्रोफेशनल से संबंधित समूहों में शामिल हों जो आप कर सकते हैं। लिंक्डइन और यहां तक कि फेसबुक पर भी ऐसे कई ग्रुप हैं। आपको बस इतना करना है कि अपने आप को नियमित रूप से अपडेट रखें कि कौन अक्सर पोस्ट कर रहा है। ऐसा करने से, आप नवीनतम समाचारों पर भी अप-टू-डेट रहेंगे, कुछ नया सीखेंगे और उपयोगी व्यावसायिक संबंध विकसित करेंगे।

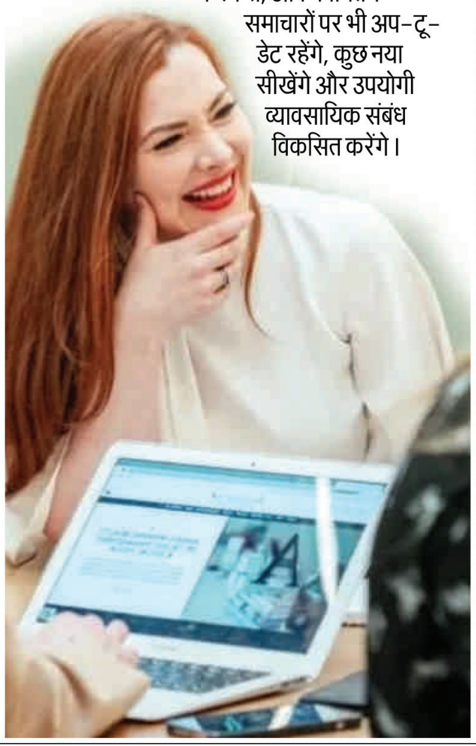

रीडिंग कॉम्प्रिहेंशन की ऐसे करें तैयारी

परीक्षाओं की तैयारी में लगे जो छात्र अच्छा स्कोर करना चाहते हैं, वे रीडिंग कॉम्प्रिहेंशन की तैयारी पर ध्यान दे सकते हैं।

बैंकों व सरकारी संस्थानों में भर्ती का दौर शुरू हो गया है। इसमें रुकी हुई पुरानी भर्तियों के अलावा नई भर्तियां भी शामिल हैं। अब आप में से अधिकतर छात्र इन अवसरों का लाभ उठाने का प्रयास कर रहे होंगे, और अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के बारे में योजनायें बना रहे होंगे। परीक्षा के दौरान अधिकतर छात्र असमंजस की स्थिति में होते है कि रीडिंग कॉम्प्रिहेंशन को हल करने का प्रयास करें या न करें। यह आपका समय नष्ट कर सकता है साथ ही अगर किसी आर्थिक विषय पर आधारित गद्यांश आ जाएं तो यह छात्रों के लिए और मुसीबत वाला हो जाता हैं। हालांकि आपको यह समझना होगा कि रीडिंग कॉम्प्रिहेंशन ही है जो आपको परीक्षा में अच्छे अंक प्रदान कर सकता है, क्योंकि इसमें व्याकरण से सम्बंधित नियम लागू नहीं होते और आपको उत्तर का अनुमान नहीं लगाना होता, आपको केवल गद्यांश को समझना होता है और आप सभी प्रश्नों का सही उत्तर दे सकते है। आज हम आपको बताएंगे इसे हल करने के कुछ स्ट्रैटेजी व टिप्स।

पैसेज पर एक सरसरी निगाह डालें

परीक्षा के दौरान सबसे पहले आप पैसेज को सरसरी निगाह से देख लें। यहां पर आपको पूरे पैसेज को पढ़ने की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि यहां पर आपका हर सेकंड कीमती होता है। देखने के बाद आप उस प्रश्न का उत्तर दे जिसके लिए आप पूरी तरह निश्चित हो।

पहले प्रश्न पढ़ें, फिर उत्तर दें

परीक्षा के दौरान जब एक एक सेकेंड मायने रखता है, तब एक रणनीति आपको सफल बनाने में सहायता कर सकती है। अपना समय पूरा पैसेज पढ़ने में नष्ट न करें, पैसेज पढ़ने के स्थान पर पहले प्रश्नों को पढ़ने का प्रयास करें और फिर उसी के अनुसार पैसेज को पढ़े। जब आप टए में आवश्यक पंक्ति को देख लेंगे तो प्रश्न के अनुसार उत्तर देना आपके लिए आसान हो जायेगा। यदि आप अब भी उत्तर नहीं जान पा रहे है तो उस प्रश्न को तुरंत छोड़कर अगले प्रश्न की ओर बढ़ जाइये, किसी भी प्रश्न पर समय नष्ट मत कीजिए। इस तरह से प्रयास करने पर आप कम समय में गद्यांश के विषय और झुकाव के बारे में जान पायेंगे।

शब्दावली आधारित प्रश्नों को हल करें

अगर आप कम समय में ज्यादा अंक अर्जित करना चाहते है, तो आपको शब्दावली आधारित प्रश्नों को हल करने का प्रयास करना चाहिए। इसके लिए आपको पुरे पैसेज को भी पढ़ने की आवश्यकता नहीं है। इन्हें हल करने में भी समय कम लगता है क्योंकि या तो आप शब्द का अर्थ जानते हो या नहीं जानते हो, यहां पर आप सही शब्द चुनने का प्रयास कर सकते हैं।

लेखक का दृष्टिकोण समझें

रीडिंग कॉम्प्रिहेंशन में स्कोर करने के लिए लेखक का दृष्टिकोण समझना बहुत जरूरी है। आप यह समझने का प्रयास कीजिए कि लेखक क्या कहना चाहता है जैसे प्रश्नों से दूर रहने का प्रयास कीजिये, चूंकि ये सवाल आम तौर पर विवादास्पद और समय लेने वाले हैं और इसके लिए आपको पूरा पैसेज पढ़ना होगा।

अपना ध्यान केन्द्रित रखो

रीडिंग कॉम्प्रिहेंशन में विषय सामग्री पर ध्यान दें। अपने दिमाग को भटकने से बचाए, क्योंकि यह दिन में सपने देखने से शुरू होता है। इसे वास्तविक जीवन पर केन्द्रित करें। अपने आप को समझाएं कि यह सपने आप परीक्षा देने के बाद देख सकते है। जब तक आप दृढ़ता से अध्ययन नहीं करेंगे तब तक आप अपने लक्ष्य को प्राप्त नहीं कर सकते है।

पैसेज के मुख्य आइडिया को समझे

सभी पैसेज का एक ऐसा मुख्य आइडिया होता है, जिस पर पूरा पैराग्राफ लिखा जाता है। कभी-कभी ऐसे प्रश्न भी पूछे जाते हैं जिससे पता चल सके कि आप पैराग्राफ में दिए गए मुख्य आइडिया को समझने में सक्षम हैं या नहीं। इसलिए, सबसे पहले पैसेज के आईडिया को समझें तभी आप अन्य प्रश्नों को जवाब दे पाएंगे।

निरंतर अभ्यास जरूरी

जो छात्र खुद को रीडिंग कॉम्प्रिहेंशन में कमजोर समझते हैं, वे अभ्यास नहीं करते है। अधिकतर छात्र इसे घर पर हल नहीं करते है और न ही कोशिश करते हैं, इसकी जगह वे बहुत से बहाने बनाते है। परन्तु यह बहाने आपको सफल नहीं बना सकते। सफलता आपको तब तक नहीं प्राप्त होगी जब तक आप अपने डर और कमजोरी को हरा ना दें।

पढ़ने की स्पीड बढ़ाएं

यह ध्यान रखें कि पैसेज पढ़ने के दौरान अपने होंठों को मत चलाइए, यह आपकी गति को धीमा कर देती है। रीडिंग कॉम्प्रिहेंशन के लिए आपको स्मार्ट होने की आवश्यकता है और यह आपको अभ्यास से ही प्राप्त हो सकता है। आप मन में पढ़े और अपनी स्पीड बढ़ाएं।

हर प्रोफेशनल्स के लिए जरूरी है ये फोन एटिकेट्स

आज हम किसी से भी, कभी-भी और कहीं भी बात करने के लिए अपने सेलफोन का यूज करते हैं। लेकिन इसका मतलब यह नहीं कहिमें जैसा चाहें वैसा फोन का उपयोग कर करें। प्रोफेशनल सेटिंग में फोन के उपयोग को लेकर समय और जगह को ध्यान रखना जरूरी होता है। आज हर प्रोफेशनल्स को इन 8 फोन एटिकेट्स को फॉलो करना जरूरी है :

- पहले अभिनवादन करें और अपना पूरा नाम बताएं। केवल अपना पहला नाम बताना हर प्रोफेशनल कॉल में बहुत अनौपचारिक लगता है, वहीं केवल आखिरी नाम बताना भी असभ्यता है।
- कुछ लोगों को यह अंदाजा नहीं होता है कि वे कितना तेज बोलते है, विशेष रूप से जब उनका पूरा ध्यान फोन पर बात कर रहे व्यक्ति पर होता है। अपने आसपास के माहौल के प्रति जागरूक रहें। आप कभी भी नहीं जानते कि आपकी बातों पर कौन ध्यान दे रहा है।
- सामने बैठे किसी व्यक्ति से आप बात कर रहे हैं, इतने में आपका फोन बज उठता है और फोन पर बात करने लगते हैं। यह एटिकेट्स नहीं है। अगर आप किसी महत्वपूर्ण कॉल के इंतजार में है और इसे रीशेड्यूल करना संभव न हो तो आप जिस शख्स से आप मिल रहे हैं, इसके बारे में उन्हें जानकारी दे दें।
- दूसरों से मीटिंग टेबल पर बात कर रहे हो तो अपना फोन टेबल पर न रखें। भले ही आप मीटिंग के दौरान फोन का जवाब न दें लेकिन यह ध्यान भटकाने के लिए काफी है।
- अगर आप मीटिंग या कॉन्फ्रेंस के बीच में है और ऐसे में आपका फोन बज उठता है तो यह अच्छी बात नहीं है।इसे साइलेंट मोड पर रखें या बंद कर दें।
- प्रोफेशनल सेटिंग में यह बात भी मायने रखती है कि आपने अपने सेल का रिंगटोन क्या रखा है। लाउड और ब्लास्टिंग टोन रखने से पहले सोच लें कि इसे लेकर दूसरे क्या रिएक्ट करेंगे।
- अगर किसी प्रोफेशनल कॉल में आपको अपना फोन स्पीकर मोड पर रखना पड़ा हो तो आपको यह ध्यान रखना होगा कि उन्हें बता दें कि आप किसी के साथ बैठे हैं।
- लंबे वॉइसमेल्स न भेजें। छोटे और स्पष्ट संदेश छोड़ें। साफ बोले और व्यक्ति को यह बताएं कि आपने क्यों कॉल किया था। अगर आप फोन नंबर छोड़ रहे हैं तो इसे ये नंबर्स धीरे-धीरे बोले।

नौकरीपेशा लोगों के लिए बेहतर विकल्प है डिस्टेंस एजुकेशन

अगर आप किसी कारणों से नियमित कॉलेज नहीं जा सकें हो तो डिस्टेंस एजुकेशन एक बेहतर विकल्प साबित हो सकता है। डिस्टेंस एजुकेशन से मिलने वाली डिग्री भी रेगुलर की तरह ही होती है जिसका इस्तेमाल आप अपने करियर को आगे बढ़ाने के लिए कर सकते हैं।

भारत जैसे देश में जहां आज भी बहुत सारे जिलों में कॉलेज या यनिवर्सिटीज नहीं हैं, वहां डिस्टेंस एजुकेशन का माध्यम खासा लोकप्रिय है। यह एक लचीला माध्यम है, जो छात्रों को पढ़ाई के दौरान दूसरे शौक को भी पूरा करने की छूट देता है। सबसे बड़ी बात यह कि यह कामकाजी और नौकरीपेशा वाले लोगों को भी उच्च शिक्षा की राह दिखा रहा है। इन डिस्टेंस लर्निंग सेंटर में डिप्लोमा, बैचलर डिग्री और पीजी व मैनेजमेंट कोर्स चलाए जाते हैं। कई डिस्टेंस लर्निंग सेंटर प्रोफेशनल कोर्स भी संचालित करते हैं जो रोजगारोन्मुख होते हैं। इनमें जर्नलिज्म एंड मास निकेशन, लाइब्रेरी साइंस, कम्प्यूटर कोर्सेस आदि शामिल है।

ओपन यूनिवर्सिटी में दाखिला लेना मुश्किल नहीं हैं। ये यूनिवर्सिटीज अपने नियमों के मामले में काफी लचीली होती हैं। यहां कोर्स की फीस भी अमूमन सामान्य संस्थानों के मुकाबले कम होती है। अकादमिक जानकारियों के लिए इन यूनिवर्सिटीज के कोर्स बेस्ट माने जाते हैं। कई यूनिवर्सिटीज में वीकएंड क्लासेज होती हैं, जिससे कामकाजी लोगों को सहूलियत होती है। पढ़ाई और नौकरी के बीच के समय का इस्तेमाल करने वालों के लिए ये यूनिवर्सिटीज ई-क्लास से लेकर छोटी अवधि वाली रेगुलर क्लासेज तक चला रही हैं।

इग्नू और डिस्टेंस एजुकेशन

जो युवा नियमित कॉलेज नहीं जा सकते हैं, उनके लिए पढ़ाई करने और करियर बनाने के लिए एक बेस्ट यूनिवर्सिटी है। इग्नू की पढ़ाई का तरीका अन्य पारंपरिक यूनिवर्सिटीज से अलग है। इग्नू ने पढ़ाई का एक मल्टीमीडिया नजरिया अपनाया है। विज्ञान, कम्प्यूटर, नर्सिंग, इंजीनियरिंग और टेक्नोलॉजी में पाठ्यक्रम भी शामिल है। यहां बीए जनरल कोर्स के साथ ही बीएससी जनरल की पढ़ाई भी होती है, जिसमें गणित, भौतिकी, रसायन, बॉटनी और जूलॉजी जैसे विषय भी पढ़ाए जाते हैं। यहां बीकॉम भी है। इसके अलावा बीबीए इन रिटेलिंग, बैचलर ऑफ टूरिज्म स्टडीज, बैचलर ऑफ सोशल वर्क और बैचलर ऑफ कंप्यूटर एप्लिकेशन जैसे कोर्स हैं। इसके अलावा वोकेशनल ट्रेनिंग के रूप में सर्टिफिकेट और डिप्लोमा कोर्स भी है। यहां बीएड और डिप्लोमा इन एजुकेशन यानी डीएड कोर्स भी अब डिस्टेंस एजुकेशन में शामिल हो गया है।

डिस्टेंस एजुकेशन की विशेषताएं

- डिस्टेंस एजुकेशन में स्टूडेंट को नियमित तौर पर किसी संस्थान में जाकर पढ़ाई करने की जरूरत नहीं होती।
- सूचना क्रांति और इन्टरनेट के कारण डिस्टेंस एजुकेशन और आसान एवं प्रासंगिक हो गयी है।
- विजुअल क्लासरूम लर्निंग, इंटरैक्टिव ऑनसाइट लर्निंग और वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए स्टूडेंट्स देश के किसी भी राज्य में रहकर घर बैठे पढ़ाई कर सकते हैं।
- डिस्टेंस एजुकेशन से पढ़ाई करने की फीस काफी कम है।
- जॉब करने के साथ-साथ पढ़ाई की जा सकती है।
- कम अंक आने पर भी मनपसंद कोर्स में दाखिला मिल जाता है।
- किसी भी कोर्स के लिए उम्र बाधा नहीं होती है।
- साधारण कोर्स के साथ ही वोकेशनल कोर्स तथा प्रोफेशनल कोर्स भी किये जा सकते हैं।

प्रमुख डिस्टेंस एजुकेशन सेंटर्स

- इग्नू, दिल्ली
- सिम्बायोसिस सेंटर फॉर डिस्टेंट लर्निंग, पुणे
- कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी, कुरुक्षेत्र
- दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
- जामिया मिल्लिया इस्लामिया, दिल्ली
- अन्नामलाई यूनिवर्सिटी, तमिलनाडु
- पांडिचेरी यूनिवर्सिटी, पुड्डुचेरी
- हिमाचल यूनिवर्सिटी, शिमला
- गुरु जंभेश्वर, हिसार
- एमडीयू, रोहतक
- पंजाब टेक्निकल यूनिवर्सिटी
- सिक्किम मणिपाल यूनिवर्सिटी

भाजपा नेता मिथुन ने शुरू की 'बंगाल फुटबॉल एकेडमी' बनाने की पहल

कोलकाता। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता मिथुन चक्रवर्ती ने 'बंगाल फुटबॉल एकेडमी' बनाने की पहल फिर से शुरू की है, जिसकी कोशिश करीब 15 साल से जारी है। सोमवार को उन्होंने न्यू टाउन में पूर्व फुटबॉलर्स के साथ एकेडमी की योजना पर चर्चा की। मिथुन चक्रवर्ती की योजना प्रत्येक जिले से प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को लाना है। वह पहाड़ी इलाकों पर भी फोकस करेंगे। उनकी योजना शुरुआत में 60 फुटबॉलर्स के साथ एकेडमी शुरू करना है। इसके साथ ही दिग्गज अभिनेता मिथुन ने एकेडमी के वित्तीय योजना के बारे में भी बताया। मीडिया के साथ बातचीत में मिथुन चक्रवर्ती ने कहा, 'बीते 15 वर्षों से कुछ हुआ नहीं, क्योंकि मैं शामिल था। मेरा नाम आते ही सब कुछ बैन कर दिया गया। कोई मैदान, कोई

फील्ड कुछ नहीं दिया गया... बोल के भी नहीं दिया। इसलिए 15 साल से ये ठप्प पड़ा हुआ था, लेकिन हम लोगों ने एक करोड़ रुपए जमा करके रखे हैं, जो अभी भी बैंक में हैं। अभी इस एकेडमी को चलाने के लिए, इसको ताकत देने के लिए और दो-तीन करोड़ रुपए मैं चंदे से जुटाउंगा, ताकि बंगाल फुटबॉल एकेडमी अच्छी तरह से चल सके।' उन्होंने कहा, 'हम लोग अभी डिस्ट्रिक्ट में लोगों को भेजेंगे। सब जगह से अच्छे खिलाड़ियों को चुनेंगे।

हम 60 खिलाड़ियों को चुनेंगे, जिसमें से आदिवासी खिलाड़ियों पर मेरी ज्यादा नजर है। पहाड़ी इलाकों में, दार्जिलिंग, कालिम्पोंग ये सब जगह हिल्स एरिया में जो लड़के अच्छा खेलते हैं, उनके ऊपर मेरी ज्यादा नजर है। हमने चार-पांच ग्राउंड सोच रखे हैं। टेंडर के जरिए हमें जो मिलेगा, हम उसी में काम करेंगे।'

चेक गणराज्य फुटबॉल टीम के पूर्व गोलकीपर लुडेक मिकलोस्को का निधन

नई दिल्ली। वेस्ट हैम, क्यूपीआर और चेक गणराज्य फुटबॉल टीम के पूर्व गोलकीपर लुडेक मिकलोस्को का लंबी और गंभीर बीमारी से जूझने के बाद 64 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। मिकलोस्को वेस्ट हैम फुटबॉल क्लब के दिग्गज खिलाड़ी थे। उन्होंने इंग्लिश प्रीमियर लीग क्लब के लिए 300 से ज्यादा मैच खेले। 2021 में उन्हें कैंसर का पता चला था और दिसंबर 2024 में उन्होंने इलाज बंद कर दिया था। वेस्ट हैम ने मिकलोस्को को श्रद्धांजलि दी, जिन्हें 1990-91 में क्लब का 'हैमर ऑफ द ईयर' चुना गया था। वेस्ट हैम ने एक बयान में कहा, 'बहुत गहरे दुख के साथ वेस्ट हैम यूनाइटेड

दिग्गज पूर्व गोलकीपर और कोच लुडेक मिकलोस्को के निधन की घोषणा करता है। लुडेक, आप शांति से सोएं; आप हमारे प्यारे, प्रेरणादायक गोलकीपर और एक नेक और बड़े दिल वाले इंसान थे।' वहीं, उनके बेटे मार्टिन मिकलोस्को ने वेस्ट हैम के प्रति अपने पिता के प्यार का जिक्र किया। मार्टिन ने कहा, 'कैंसर से बहादुरी और हिम्मत के साथ लड़ने के बाद मेरे पिता लुडेक के निधन की खबर देते हुए हमारा दिल टूट गया है। डैड को वेस्ट हैम यूनाइटेड से बहुत प्यार था, और उन्हें खास तौर पर हर मैच में अपना नाम जोर-शोर और गर्व के साथ गाए जाते हुए सुनना बहुत पसंद था। क्लब और उसके प्रशंसक हमारे परिवार का हिस्सा थे और हमेशा रहेंगे, इसलिए आप सभी का दिल से शुक्रिया।'

संक्षिप्त समाचार

एटीपी रैंकिंग

जोकोविच सात पायदान नीचे खिसके, 24 साल बाद पहली बार 'टॉप 10' से 'बिग 3' नदारद

नई दिल्ली। यूएस ओपन के पहले ही राउंड में नोवाक जोकोविच को चौंकाने वाली हार का सामना करना पड़ा, जिसके बाद सोमवार को जारी एटीपी रैंकिंग में वह 'टॉप 10 से बाहर होकर 12वें स्थान पर खिसक गए। जोकोविच को पहले ही राउंड में अर्जेंटीना के मारियानो नावोन के हाथों शिकस्त मिली थी। अक्टूबर 2002 के बाद ऐसा पहली बार

है, जब 'बिग थ्री' (जोकोविच, राफेल नडाल और रोजर फेडरर) में से कोई भी एटीपी रैंकिंग के 'टॉप-10' में शामिल नहीं है। 20 बार के ग्रैंड स्लैम विजेता फेडरर ने साल 2022 में संन्यास लिया था, जबकि 22 बार के मेजर विजेता नडाल ने 2024 में खेल को अलविदा कह दिया था। 24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन जोकोविच 39 साल की उम्र में भी खेल रहे हैं और उन्हें अपने 25वें मेजर खिताब की उम्मीद है, जिससे वे मार्गरेट कोर्ट के 24 खिताबों के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ देंगे।
हालांकि, 25वें खिताब की उनकी हालिया कोशिश तब खत्म हो गई जब मारियानो नावोन के खिलाफ मैच के दौरान उन्हें शारीरिक परेशानी और उल्टी हुई। न्यूयॉर्क में हार के बाद जोकोविच ने कहा, 'मुझे अतीत की सभी उपलब्धियों पर बहुत गर्व है, लेकिन अब जो है, सो है। यह स्पष्ट था कि कोर्ट पर मुझे बहुत खराब महसूस हो रहा था।

विश्व की नंबर एक महिला खिलाड़ी बनीं रिबाकिना, खत्म की सबालेंका की बादशाहत

नई दिल्ली। सोमवार को जारी साप्ताहिक डब्ल्यूटीए रैंकिंग में बेलारूस की एरीना सबालेंका से आगे निकलने के बाद एलेना रिबाकिना आधिकारिक तौर पर विश्व की नई नंबर एक महिला टेनिस खिलाड़ी बन गई हैं। हाल ही में खत्म हुए यूएस ओपन क्वार्टर फाइनल में किनवेन झेंग को हराने के बाद ही रिबाकिना का टॉप स्पॉट पक्का हो गया था। कजाकिस्तान की स्टार खिलाड़ी ने फाइनल में सबालेंका को हराकर इस टूर्नामेंट का समापन किया। रिबाकिना सिंगल्स रैंकिंग में वर्ल्ड नंबर 1 बनने वाली कजाकिस्तान की पहली (पुरुष या

महिला) खिलाड़ी बन गई हैं। पूरे सीजन में शानदार प्रदर्शन के कारण वह सबालेंका के काफी करीब बनी रहीं, जबकि बेलारूसी टेनिस स्टार का फॉर्म सीजन के बीच में थोड़ा गिर गया था। जहां सीजन के बीच में सबालेंका की लय बिगड़ी, वहीं रिबाकिना पिछले साल के आखिर से ही टॉप पर पहुंचने की ओर बढ़ रही थीं। उन्होंने इस साल सीजन के बीच में नॉर्थ अमेरिकन हार्ड-कोर्ट स्विंग पर शानदार प्रदर्शन किया और उसके बाद 'बिग एप्पल' (न्यूयॉर्क) में भी सफलता हासिल की। नंबर 1 पोजीशन पक्का होने पर रिबाकिना ने प्रतिक्रिया दी थी। डब्ल्यूटीए के अनुसार, रिबाकिना ने कहा, 'यह इतिहास है, और मुझे कजाकिस्तान का प्रतिनिधित्व करने पर बहुत गर्व है। मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं प्रोफेशनल बनूंगी या इतने बड़े मंचों पर इस तरह के टूर्नामेंट खेलूंगी।'

ज्वेरेव ने जीता यूएस ओपन

फाइनल में बेन शेल्टन को दी शिकस्त

न्यूयॉर्क। अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने यूएस ओपन 2026 के पुरुष सिंगल्स फाइनल में अमेरिकी बेन शेल्टन को 6-3, 7-6(2), 5-7, 6-2 से हराकर अपना दूसरा ग्रैंड स्लैम खिताब और साल का दूसरा मेजर खिताब जीता। तीन घंटे 33 मिनट तक चले इस मुकाबले में जीत हासिल करने के बाद ज्वेरेव ने एटीपी लाइव रेस टू ट्यूरिन में अपनी बढ़त और मजबूत कर ली है। अब वह सिनर से 700 अंक आगे हैं। यह रैंकिंग बताती है कि साल के अंत में एटीपी का नंबर एक खिलाड़ी कौन बनेगा। ज्वेरेव अपना छठा ग्रैंड स्लैम फाइनल और इस साल का तीसरा फाइनल खेल रहे थे, जबकि शेल्टन अपने करियर में पहले कभी इस स्टेज तक नहीं पहुंचे थे। जर्मनी के स्टार खिलाड़ी ज्वेरेव इस साल शानदार फॉर्म में रहे हैं। मेजर टूर्नामेंट्स में उनका रिकॉर्ड 25 जीत और सिर्फ 2 हार का रहा है। उन्होंने इस साल केवल दो खिताब जीते हैं, लेकिन दोनों ग्रैंड स्लैम ट्रॉफियां हैं। इसी वजह से वे साल के अंत में दुनिया के नंबर 1 खिलाड़ी बनने की दौड़ में मजबूती से बने हुए हैं। अपनी जीत के बाद ज्वेरेव ने अपनी मां को खास तौर पर याद किया और बताया कि ग्रैंड स्लैम न जीत पाना उनके सामने आई सबसे बड़ी मुश्किल नहीं थी। ज्वेरेव ने कहा, 'जब आपके 4 साल के बेटे को डायबिटीज का पता चलता है और डॉक्टर आपको बताते हैं कि उस बच्चे की जिंदगी और खेल बहुत सीमित हो जाएंगे, तो उन डॉक्टरों के केबिन से बाहर निकलकर यह कहना कि 'मेरा बेटा जो चाहेगा, वही बनेगा' – इसके लिए एक बहुत ही मजबूत मां की जरूरत होती है।'

उन्होंने आगे कहा, 'अगर वह टेनिस खिलाड़ी बनना चाहता है, तो वह टेनिस खिलाड़ी बनेगा। अगर वह कुछ और करना चाहता है, तो वह कुछ और करेगा। मगर यह बीमारी हमारी पहचान तय नहीं करेगी। मुझे खुशी है कि हमने इससे मिलकर

मुकाबला किया, और हम अभी जो कुछ भी कर रहे हैं, वह कर पा रहे हैं।'

शेल्टन 23 साल पहले यूएस ओपन में एंडी रॉडिक के बाद मेजर खिताब जीतने वाले पहले अमेरिकी पुरुष खिलाड़ी बनने की कोशिश कर रहे थे। हालांकि, वह नंबर 1 सीड खिलाड़ी को नहीं हरा पाए। यह अमेरिकी खिलाड़ी 1975 में आर्थर ऐश के बाद इस स्तर पर जीत हासिल करने वाले दूसरे अफ्रीकी-अमेरिकी पुरुष बनने की कोशिश कर रहे थे। अपने पहले ग्रैंड स्लैम फाइनल में हार के बावजूद 23 वर्षीय शेल्टन का प्रदर्शन शानदार रहा। उन्होंने क्वार्टर फाइनल में मौजूदा चैंपियन कार्लोस अल्काराज को हराया था। इस शानदार अभियान के दम पर वह एटीपी रैंकिंग में अपने करियर की सबसे बेहतरीन चौथी रैंकिंग पर पहुंच जाएंगे।

धीरज बोम्मादेवरा ने रचा इतिहास

तीरंदाजी विश्व कप फाइनल जीतने वाले बने पहले भारतीय पुरुष खिलाड़ी

साल्टिलो (मेक्सिको)। जयंत तालुकदार के विश्व कप फाइनल में पदक जीतने के 16 साल बाद भारत को पुरुष रिकर्व वर्ग में फिर से बड़ी सफलता मिली है। धीरज बोम्मादेवरा ने बेहद दबाव भरे शूट-ऑफ में शानदार संयम दिखाते हुए जीत हासिल की। इसके साथ ही वह तीरंदाजी विश्व कप फाइनल का खिताब जीतने वाले पहले भारतीय पुरुष तीरंदाज बन गए हैं। दुनिया के नंबर 10 तीरंदाज और सेना के 25 वर्षीय खिलाड़ी धीरज ने साल्टिलो में हुए रोमांचक फाइनल में जापान के नाकानिशी जुन्या को 6-5 से हराया। पांच सेट के बाद मुकाबला 5-5 से बराबरी पर था, जिसके बाद शूट-ऑफ में धीरज ने 10 का स्कोर किया, जबकि नाकानिशी ने 9 का स्कोर किया और धीरज ने गोल्ड मेडल अपने नाम करने में सफल रहे।

यह सफलता धीरज के लिए और भी खास रही, क्योंकि पिछले दो तीरंदाजी विश्व कप फाइनल में वह पदक नहीं जीत पाए थे। 2023 और 2024 में उन्हें खाली हाथ लौटना पड़ा था। हालांकि, इस बार उन्होंने नॉकआउट मुकाबलों में शानदार खेल दिखाया और फाइनल में दुनिया के 20वें नंबर के तीरंदाज नाकानिशी का सामना किया।

फाइनल में कोई भी तीरंदाज हार मानने को तैयार नहीं था। पांच सेटों में स्कोर 28-28, 28-29, 29-28, 28-30 और 28-27 रहा, जिससे गोल्ड मेडल का फैसला बहुत कम अंतर से हुआ। धीरज की जीत ने इस प्रतिष्ठित सीजन-एंडिंग इवेंट में भारत का रिकॉर्ड भी बदल दिया। तालुकदार ने पहले 2010 में एडिनबर्ग में ब्रॉन्ज मेडल जीता था, लेकिन टूर्नामेंट की शुरुआत से अब तक कोई भी भारतीय पुरुष गोल्ड मेडल नहीं जीत पाया था।

भारत की एकमात्र अन्य व्यक्तिगत विश्व कप फाइनल चैंपियन डोला बनर्जी हैं, जिन्होंने 2007 में दुबई में महिलाओं का खिताब जीता था।

विमेंस एशिया कप के साथ भारत ने 'एशियन गेम्स' के लिए भी बेहतरीन तैयारी की: देवजीत सैकिया

नई दिल्ली। भारतीय टीम ने रविवार को दुबई में खेले गए 'विमेंस एशिया कप 2026' के फाइनल में श्रीलंका को 72 रन से रौंदकर रिकॉर्ड 8वीं बार खिताब जीता। 'विमेन इन ब्लू' के प्रदर्शन से भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के अध्यक्ष देवजीत सैकिया बहुत खुश हैं। उनका मानना है कि इस टूर्नामेंट के साथ भारत ने एशियन गेम्स की शानदार तैयारी की है। सैकिया ने सोमवार को पत्रकारों से कहा, 'भारतीय महिला टीम ने काफी अच्छा प्रदर्शन किया है। भारत के सभी मैच एकतरफा रहे हैं। एशिया कप के साथ भारतीय टीम ने एशियन गेम्स 2026 के लिए भी बेहतरीन तैयारी की है। मैं टीम और सपोर्ट स्टाफ को बधाई देता हूं। हमारी यही कोशिश रहेगी कि जीत के इस सिलसिले को जापान (एशियन गेम्स) तक ले जाएं।' सैकिया ने भारतीय महिला क्रिकेट टीम की सफलता का श्रेय बोर्ड के पूर्व सचिव जय शाह को देते हुए कहा, 'जय शाह ने महिला क्रिकेट को बढ़ावा दिया है।

खिताबी जीत के बाद क्रांति गौड़ पर आईसीसी ने लगाया जुर्माना

दुबई। भारत ने रविवार को श्रीलंका के खिलाफ विमेंस एशिया कप 2026 का फाइनल 72 रन से अपने नाम किया, लेकिन इस जीत के दौरान आईसीसी आचार संहिता के लेवल 1 के उल्लंघन के लिए भारतीय तेज गेंदबाज क्रांति गौड़ पर मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) ने सोमवार को बताया कि क्रांति गौड़ ने खिलाड़ियों की आचार संहिता के अनुच्छेद 2.5 का उल्लंघन किया है, जिसमें ऐसी भाषा, हरकत या इशारे शामिल हैं जो किसी बल्लेबाज के आउट होने पर उनका अपमान करते हैं या आक्रामक प्रतिक्रिया भड़का सकते हैं। यह घटना श्रीलंका की पारी के शुरुआती ओवर की है, जब क्रांति ने ओपनर इमेशा दुलानी को बोल्ड करने के बाद पवेलियन की ओर इशारा किया। मैच फीस में कटौती के अलावा, क्रांति के अनुशासनात्मक रिकॉर्ड में एक डिमेरिट प्वाइंट भी जोड़ा गया। यह 24 महीने की अवधि में उनका पहला अपराध था।

क्रांति पर यह आरोप ऑन-फील्ड अंपायर सलीमा इम्तियाज और शथिरा जाकिर जेसी ने आरोप लगाए थे। इसमें थर्ड अंपायर रोकेया सुल्ताना और चौथे अंपायर हुमैरा फराह भी शामिल थीं, जिसके बाद आईसीसी इंटरनेशनल पैनल की मैच रेफरी सुप्रिया रानी दास ने यह सजा दी।

क्रांति ने आरोप स्वीकारते करते हुए सजा मान ली, जिससे औपचारिक सुनवाई की जरूरत नहीं पड़ी। आईसीसी के नियमों के तहत, लेवल 1 के अपराधों के लिए खिलाड़ी की मैच फीस का अधिकतम 50 प्रतिशत जुर्माना और दो तक डिमेरिट प्वाइंट्स दिए जा सकते हैं।

एक अलग फैसले में, शुक्रवार को श्रीलंका के हाथों सेमीफाइनल में हार के दौरान धीमी ओवर-रेट बनाए रखने के लिए पाकिस्तान पर मैच फीस का पांच प्रतिशत जुर्माना लगाया गया, क्योंकि समय की छूट को ध्यान में रखने के बाद भी वे अपने लक्ष्य से एक ओवर पीछे पाए गए। आईसीसी कोड ऑफ कंडक्ट के आर्टिकल 2.22 के तहत, अगर कोई टीम तय समय में अपने ओवर पूरे नहीं कर पाती, तो खिलाड़ियों की मैच फीस का 5 प्रतिशत हिस्सा हर ओवर के लिए काट लिया जाता है। पाकिस्तानी कप्तान फातिमा सना ने अपनी गलती मानते हुए सजा स्वीकार कर ली है।

आम्रपाली दुबे ने भोजपुरी इंडस्ट्री के बदलाव पर बात की

भोजपुरी सिनेमा की जानी- मानी अभिनेत्री आम्रपाली दुबे इन दिनों 'बिग-बॉस 20' में नजर आ रही हैं। अभिनेत्री ने भोजपुरी इंडस्ट्री के बदलाव पर बात करते हुए कहा कि हाल के सालों में इंडस्ट्री में फीमेल-ओरिएंटेड कहानियां और फीमेल सुपरस्टार्स के कारण फिल्में ज्यादा सफल हो रही हैं। अभिनेत्री ने बताया कि अब लेखकों को मुश्किल किरदारों के लिए उन्हें पहली पसंद के तौर पर देखना चाहिए। अभिनेत्री से सवाल किया, 'क्या आपको लगता है कि भोजपुरी इंडस्ट्री ने उन्हें काफी चुनौतीपूर्ण किरदार दिए हैं?' अभिनेत्री ने कहा, 'हां, दिए हैं। मुझे लगता है कि जब भी कोई लेखक कोई चुनौतीपूर्ण किरदार लिखता है, तो उसके दिमाग में सबसे पहला नाम आम्रपाली दुबे का ही आना चाहिए।' अभिनेत्री से आईएएनएस ने एक और सवाल किया, 'क्या आप इस बात से सहमत होंगी कि भोजपुरी सिनेमा की अक्सर आलोचना होती है कि वह दमदार महिला-प्रधान कहानियों के बजाय स्टार जोड़ियों पर ज्यादा निर्भर रहा है? अभिनेत्री ने कहा, 'पिछले तीन, साढ़े तीन साल से भोजपुरी में जो फिल्में चली हैं, वो सिर्फ फीमेल सुपरस्टार्स की फिल्में हैं और ये बहुत गर्व की बात है।' उन्होंने कहा, 'मुझे ये कहते हुए बहुत गर्व महसूस हो रहा है कि हमारी इंडस्ट्री के नियम बदल गए हैं। अगर आप देखेंगे तो आपको पता चलेगा कि पिछले तीन, साढ़े तीन साल, बल्कि चार-पांच साल से काफी महिला-प्रधान फिल्में बन रही हैं और वो अच्छा कर रही हैं। लोगों का बहुत प्यार मिल रहा है।' आम्रपाली ने कहा कि धीरे-धीरे माहौल बदला है। उन्होंने कहा, 'किसी भी बदलाव को लाने में समय लगता है। हम भी अपना समय ले रहे हैं। हम थोड़ा लेट आएंगे लेकिन बहुत मजबूती के साथ आएंगे।' बिग बॉस भारत में बिग बॉस फ्रेंचाइजी का एक भारतीय हिंदी भाषा का रियलिटी टेलीविजन शो है, जो कलर्स टीवी पर आता है।

आप ग्लैमरस भी हो सकते हैं और स्पिरिचुअल भी

पेट्रोल पंप से लेकर सेल्स गर्ल का काम किया

एक्ट्रेस मुग्धा गोडसे ने कई सारी फिल्मों में काम किया है और कई पेजेंट्स भी जीते हैं। उन्होंने एक्टिंग के साथ गायन के क्षेत्र में भी कदम रख दिया है और इसका श्रेय वे अपने गुरु तरनेव जी को देती हैं। एक्ट्रेस ने बातचीत में काफी कुछ कहा है। पुणे के मध्यमवर्गीय परिवार में पली-बढ़ी मुग्धा गोडसे छोटी -सी उम्र में गलैमर की गलियों में आ गई थीं। ग्लैडरेग्स मेगा मॉडल हंट की विजेता बनने से पहले उन्होंने भी काफी संघर्ष का सामना किया। फैशन, जेल, हीरोइन, सत्याग्रह जैसी फिल्मों की अभिनेत्री इन दिनों चर्चा में हैं अपनी आध्यात्मिकता को लेकर। इस मॉडल-अभिनेत्री ने हाल ही में गायन के क्षेत्र में भी कदम रखा है। उनकी गाई हुई कृष्ण वंदना का श्रेय वे अपने गुरु तरनेव जी को देती हैं। यहां वे अपनी आध्यात्मिक यात्रा के साथ -साथ अपने पुराने दिनों को भी याद करती हैं। अध्यात्म के लिए बैराग की जरूरत नहीं आम तौर पर समझा जाता है कि अध्यात्म और ग्लैमर का साथ-साथ चलना मुश्किल होता है, मगर मुग्धा गोडसे ने इस बात को गलत साबित किया है। वे कहती हैं, 'ये सब कुछ हमारे गुरु श्री तरनेव जी के कारण संभव हो पाया। मैं उनसे 2013 में मिली थी। वहीं से मेरा आध्यात्मिक पहलू मजबूत हुआ। लोग मानते हैं कि अध्यात्म की तरफ जाने के लिए बैरागी होना पड़ता है, मगर ऐसा नहीं है। आप अपने जीवन के दैनिक कार्यों के साथ अध्यात्म की राह पर भी चल सकते हैं।'

गुरु जी ने बदला नजरिया

उन्होंने आगे कहा, 'गुरु जी ने बताया कि भगवान श्रीकृष्ण कहते हैं कि काम भी करना है और पैसे कमाने के लिए ग्लैमरस भी लगना है।मगर इसका मतलब ये नहीं कि स्पिरिचुअल नहीं हुआ जा सकता। मेरा मानना है कि जीवन में गुरु का स्थान केवल एक शिक्षक का नहीं, बल्कि उस प्रकाश स्तंभ का होता है जो व्यक्ति को अंधकार से निकालकर सही दिशा दिखाता है। आधुनिक जीवन की भागदौड़ में अक्सर इंसान स्वयं से दूर हो जाता है, ऐसे में गुरु उसे उसके वास्तविक स्वरूप से परिचित कराते हैं। गुरु जी की आस्था और साधना ने जीवन को देखने का नजरिया बदला है।'

लगातार 30 दिनों तक काम करके 3000 कमाए थे

अपने संघर्ष के दौर को याद करते हुए वे कहती हैं, 'सभी जानते हैं कि मैं एक मिडल क्लास फैमिली से हूं और जब मैंने मॉडलिंग की शुरुआत की तब काफी स्ट्रगल फेस किया। मैं रोजाना पुणे एसटी बसों में से मुंबई अप डाउन किया करती थी। शुक्र है कभी मेरे साथ कोई हादसा नहीं हुआ। मैं कॉलेज के दिनों से ही काफी आत्मनिर्भर रही हूं। ये मेरे टीनेज दौर की बात है। उस दौरान मैं पार्ट-टाइम जॉब्स किया करती थी।'

पेट्रोल पंप पर भी किया काम

उन्होंने आगे कहा, 'इनमें पेट्रोल पंप पर काम करने से लेकर अलग-अलग तरह की सेल्स और प्रमोशनल जॉब्स तक शामिल थीं। पेट्रोल पंप पर मुझे 100 रुपए पर डे मिला करते थे। मेरा मकसद बस इतना था कि रोज करीब सौ रुपए कमा सकूं, ताकि मेरे पास अपने खर्च के लिए एक्स्ट्रा पॉकेट मनी हो। मेरे अंदर हमेशा से यह भावना रही है कि मुझे अपना पैसा खुद कमाना है। एक पेजर कंपनी में भी मैंने काम किया है। मैं और मेरी बहन, साथ ही दोस्तों का एक ग्रुप, ये सारे छोटे-मोटे काम साथ में किया करते थे। कॉलेज के बाद पांच-छह घंटे या जितना समय मिलता, हम काम करते और उससे जो पैसे मिलते, उनसे अच्छा लंच करते या वडा पाव खाते, घूमते-फिरते और अपनी छोटी-छोटी जरूरतें पूरी करते थे।'

पार्ट टाइम जॉब कई सारे किए

मुग्धा ने कहा, 'इसी दौरान मैंने जिम में भी काम किया और बतौर इंस्ट्रक्टर। लेकिन मेरी शुरुआत इन्हीं छोटी-छोटी पार्ट-टाइम जॉब्स से हुई थी। मैंने सेल्स में काम किया, मैं ऑइल बेचने का काम करती थी। मैंने सर्वे किए और कई तरह के प्रमोशनल काम किए। एक समय मैंने लगातार करीब 30 दिनों तक काम करके लगभग 3,000 कमाए थे, जो उस वक्त मेरे लिए बड़ी बात थी। मेरे लिए अपने पैरों पर खड़े होने और खुद कमाने की शुरुआत कुछ इसी तरह हुई थी।'

मिर्जापुर- द मूवीः करियर की पहली 100 करोड़ी फिल्म पर बोलीं रसिका

'मिर्जापुर' फ्रेंचाइजी का किरदार बीना अपने हर पार्ट के साथ अलग-अलग रूप में दिखी है। इस किरदार को रसिका दुग्गल ने निभाया है। यह फिल्म उनके करियर की पहली 100 करोड़ क्लब में एंट्री करने वाली फिल्म है। एक बातचीत में उन्होंने इस पर काफी कुछ कहा।

फिल्म 'मिर्जापुर: द मूवी' पर बोलीं रसिका

फिल्म 'मिर्जापुर: द मूवी' बॉक्स ऑफिस पर तगड़ी कमाई कर रही है। इस पर फिल्म में बीना का किरदार निभाने वाली अभिनेत्री ने अपनी खुशी जाहिर की। उन्होंने बातचीत में कहा, 'कोई भी काम पूरा करने के बाद, मुझे कभी भी परिणाम को लेकर कोई दबाव महसूस नहीं होता। लेकिन इस बार, मुझे उन प्रशंसकों के प्रति जिम्मेदारी का एहसास हुआ जिन्होंने आठ वर्षों तक वफादारी से हमारा साथ दिया और हमें इतना प्यार दिया। मैं बस यह सुनिश्चित करना चाहती थी कि वो खुश हो जाए, पर सिर्फ वो नहीं, और भी बहुत से लोग खुश हो जाएं। मैं सचमुच बहुत खुश हूं।

एक्ट्रेस ने कहा मैं आभारी हूं आगे अपनी बातचीत में रसिका दुग्गल ने कहा, 'अगर मुझे किसी भी स्क्रीन पर आने का मौका मिले, तो मैं आभारी हूं। लेकिन हां, थिएटर का अपना ही एक अलग माहौल होता है। ऐसा लगता है जैसे इतने साल से जिस चीज के लिए हम मेहनत कर रहे थे, उसे अब इतने रोमांटिक अंदाज में पेश किया जा रहा है। यह विचार बहुत रोमांचक है।'

करण जौहर की फिल्म की तारीफ

फिल्ममेकर करण जौहर द्वारा फिल्म की तारीफ किए जाने पर बीना ने कहा, 'अपने साथियों से सराहना मिलना, जिन्होंने इतनी खूबसूरत फिल्में बनाई हैं जिन्हें हमने बार-बार देखा है और याद रखा है, बहुत मायने रखता है। यह एक बिल्कुल अलग तरह का एहसास है। पिछले कुछ दिनों में बहुत से लोगों ने मुझे मैसेज किए। अब तो मुझे लालच आ रहा है, अगर दो घंटे में एक मैसेज भी नहीं आया तो मुझे अजीब लग रहा है । मैंने खून का स्वाद चख लिया है!'

पॉपुलर गाने पर बोलीं एक्ट्रेस

नुसरत फतेह अली खान के गानें 'सांसों की माला पे' को फिल्म 'मिर्जापुर' में नए अंदाज में फिल्माया गया। इसपर रसिका ने कहा, 'किसी लोकप्रिय, दिल को छू लेने वाले और यादों से जुड़े गाने का किसी महत्वपूर्ण दृश्य में बजना अपने आप में बहुत बड़ी उपलब्धि है।' इस गानें को फिल्म में बीना त्रिपाठी और उनके प्रेमी बिरजू लोहार पर फिल्माया गया है।

रश्मिका ने हाइब इंडिया से मिलाया हाथ

अभिनेत्री रश्मिका मंदाना आज जिस मुकाम पर हैं, वहां तक पहुंचने का सफर उनके लिए आसान नहीं रहा। करियर की शुरुआत से लेकर लगातार बड़े प्रोजेक्ट्स का हिस्सा बनने तक रश्मिका ने कई ऐसे पल देखे हैं, जहां खुद पर भरोसा रखना बेहद जरूरी था। अब उन्हें भारत के नए टैलेंट को तलाशने वाली एक बड़ी पहल से जुड़ने का मौका मिला है। इस पर रश्मिका ने कहा कि वह इसे सिर्फ एक काम नहीं, बल्कि युवाओं के सपनों से जुड़ने का जरिया मानती हैं। रश्मिका मंदाना अब हाइब इंडिया के ऑडिशन से जुड़ गई हैं। इस पहल का मकसद भारत के अलग-अलग हिस्सों से टैलेंट को तलाशना, उसे निखारना और आगे बढ़ने का मौका देना है। हाइब वही कंपनी है, जो साउथ कोरिया के कई बड़े के-पॉप कलाकारों और ग्रुप्स के साथ काम करने के लिए दुनियाभर में जानी जाती है। अब भारत में इस ऑडिशन को लेकर काफी उत्सुकता है। हाइब इंडिया ने अपने टैलेंट हंट का दायरा भी बढ़ाया है और इस बार देश के कई नए शहरों में ऑडिशन आयोजित किए जा रहे हैं। इस पहल से जुड़कर रश्मिका काफी एक्साइटेड हैं। उन्होंने कहा, ''यह भारत के युवाओं के लिए ऐसा मौका है, जो उन्हें उस मुकाम तक पहुंचा सकता है जिसकी उन्होंने शायद कभी कल्पना भी न की हो। हर सफर किसी मौके से शुरू होता है और उस मौके को स्वीकार करने के लिए हिम्मत चाहिए होती है। जब मैं अपने सफर को पीछे मुड़कर देखती हूं, तो एहसास होता है कि खुद पर भरोसा बनाए रखना, लगातार मेहनत करना और उन संभावनाओं को हां कहना कितना जरूरी होता है, जो आपको आगे ले जा सकती हैं।''

रश्मिका ने कहा, ''मुझे लगता है कि हाइब इंडिया के साथ यह साझेदारी भारत में अपनी तरह का एक अलग मौका है। हाइब पूरी दुनिया में बड़े कलाकारों और ग्लोबल आवाजों को तैयार करने के लिए जाना जाता है, और अब भारत में आकर यहां के युवा टैलेंट को तलाशना वाकई खास बात है। हाइब इंडिया के ऑडिशन में सिंगिंग, डांस, रैप और दूसरे परफॉर्मेंस से जुड़े हुनर दिखाने का मौका दिया जा रहा है।'' रश्मिका ने देश की उन लड़कियों से इस मौके का फायदा उठाने की अपील की है जो कलाकार, परफॉर्मर या रोल मॉडल बनने का सपना देखती हैं।

संघर्ष कभी बेकार नहीं जाता

सूरज बड़जात्या की फिल्म से मौका पाने वाले अक्षय ओबेरॉय को लगा था कि वो रातोरात सुपरस्टार बन जाएंगे। हालांकि वे मानते हैं कि उनकी लॉटरी लगी है। उन्होंने कहा- मैंने अपनी बेस्ट फ्रेंड से शादी की है तो इस मामले में मैं खुशकिस्मत रहा हूं। उन्होंने ये भी कहा- बेटे की नजर में मैं सुपरस्टार हूं।

अक्षय ओबेरॉय को जब सूरज बड़जात्या जैसे बड़े फिल्मकार की फिल्म 'इसी लाइफ' में से पहला ब्रेक मिला, तो उन्हें लगा था कि अब तो वे रातोरात सुपरस्टार बन जाएंगे। हालांकि, फिल्म चली नहीं तो अक्षय का सपना भी अधूरा रह गया, मगर उन्होंने हार नहीं मानी। पिज्जा, गुड़गांव जैसी फिल्में हों या फ्लेश, हाई जैसी वेब सीरीज, जब जहां मौका मिला, वे अपना ऐक्टिंग टैलंट दिखाने से नहीं चूके। यही वजह है कि आज फाइटर, टॉक्सिक, किंग जैसी बड़ी फिल्में कर रहे अक्षय अपने बेटे आव्यान के लिए बड़े 'सुपरस्टार' हैं। इन दिनों पुरुषों के हक की आवाज उठाने वाली फिल्म लव लॉटरी के लिए चर्चा बटोर रहे अक्षय बताते हैं, 'असल में, फाइटर बच्चों को बहुत पसंद आई। उसके गाने बच्चों के दिमाग में बैठ गए हैं तो बेटे के स्कूल में उसके दोस्तों को लगता है कि मैं कोई बहुत बड़ा सुपरस्टार हूं। इसलिए बेटे को भी लगता है कि मेरा पापा बहुत बड़ा सुपरस्टार है। आजकल लोग मुझे सड़कों पर पहचान भी रहे हैं जो पहले होता नहीं था तो आव्यान बहुत एक्साइटेड होता है। हम लोग अभी लंदन, पेरिस, घूमकर आए। वहां कोई न कोई भारतीय आकर मुझसे बात करने लगता था तो वो खुश हो जाता था कि देखो, मेरा पापा क्या है! उसके लिए मैं तो हीरो हूं और मैं चाहता हूं कि वह इमेज कभी तोड़ूं ना। मेरी कोशिश है कि उसकी नजर में मैं कभी कुछ गलत न करूं।'

अक्षय को इस मुकाम तक पहुंचने में डेढ़ दशक लगा। संघर्ष के दौर में वे कैसे डटे रहे? इस पर वह कहते हैं, 'आज जब मैं पीछे मुड़कर देखता हूं तो वो पागलपन ही लगता है। लोग मुझसे कहते थे कि तुममें बहुत क्षमता है, बस एक शुक्रवार की जरूरत है और मैं कहता था कि हां, आप सही कह रहे हैं। मुझे यकीन था कि वो दिन आएगा।

ये जुनून ही था, पागलपन ही था। फिर अचानक एक फाइटर मिल जाती है जो टर्निंग पॉइंट साबित होती है। ये इतने साल की मेहनत ही है कि सिद्धार्थ आनंद जैसा डायरेक्टर आपको रितिक रोशन और दीपिका पादुकोण जैसे स्टार्स के बगल में खड़ा कर देता है और आप कर पाते हैं क्योंकि आपने इतना देखा और झेला है। आपका संघर्ष कभी बेकार नहीं जाता। मैं ऊपरवाले का शुक्रगुजार हूं कि मैं डटा रहा, मैंने छोड़ा नहीं।

ऐक्टिंग के लिए मैं खाना-पीना, सोना सब भूल सकता हूं। मैं ऐक्टिंग न करूं तो डिप्रेस हो जाता हूं। इसलिए, असफलता का मुझ पर कभी असर पड़ा नहीं क्योंकि मैं काम लगातार कर रहा था।'

356 दिन ऐक्टिंग करने को तैयार हूं

अक्षय फ्लेश, हाई, मैडम चीफ मिनिस्टर जैसी सीरीज/फिल्म में अपनी नेगेटिव भूमिका के लिए काफी सराहे गए। जबकि, अरविंद पांडे निर्देशित फिल्म लव लॉटरी में वह प्यार में धोखा खाने वाले सच्चे प्रेमी के रोल में है।

बकौल अक्षय, 'एक ऐक्टर को हर तरह की फिल्म करना चाहिए। मेरे ऊपर लाइमलाइट ऐसे कभी आया भी नहीं कि मेरी कोई इमेज हो कि मैं रोमांटिक हीरो हूं या ऐक्शन हीरो हूं। मैं सिर्फ ऐक्टर हूं, तो अलग-अलग तरह की फिल्में करता रहता हूं। फिर, एक अच्छी स्क्रिप्ट मिलना बहुत मुश्किल काम है। लोगों को लगता है कि ढेर सारी स्क्रिप्ट पड़ी हैं, जिसमें से मैं ये चूज करूंगा, ये नहीं करूंगा, पर ऐसा होता नहीं है। मुझे यह विषय बहुत पसंद आया कि एक आदमी प्यार की वजह से फंस गया।

यह आज की पीढ़ी की कहानी है, इसलिए मैंने यह फिल्म की, क्योंकि मेरी चाहत है कि मैं लगातार कैमरे के सामने रहूं। मैं साल के 356 दिन ऐक्टिंग कर सकूं ना तो मैं करूंगा। मैं चाहता हूं कि मेरी ऐक्टिंग लगातार बेहतर हो। लोग कहें कि तुम्हारी ग्रोथ बहुत बढ़िया है। मैं यह सुनने के लिए भूखा हूं। मेरे लिए ऐक्टिंग एक नशा है तो मैं कुछ अलग ढूंढ़ रहा था और ये स्क्रिप्ट आ गई।'

स्पाइसजेट की दो दुबई उड़ानों में 24 घंटे से ज्यादा की देरी, 200 यात्रियों ने एयरपोर्ट पर किया प्रदर्शन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। स्पाइसजेट की दिल्ली से दुबई जाने वाली दो उड़ानों में 24 घंटे से ज्यादा की देरी ने यात्रियों का सब्र तोड़ दिया। सोमवार से अपनी उड़ान का इंतजार कर रहे करीब 200 यात्रियों ने मंगलवार को दिल्ली एयरपोर्ट के टर्मिनल-3 के अंदर जमीन पर बैठकर प्रदर्शन किया। यात्रियों ने एयरलाइन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और 'एयरलाइन चोर है' के नारे लगाए। यात्रियों की नाराजगी इस बात को लेकर भी थी कि उड़ानों का समय बार-बार बदला गया, लेकिन उन्हें देरी की स्पष्ट वजह नहीं बताई गई। स्पाइसजेट की उड़ान एसजी 5111 को सोमवार सुबह 8:30 बजे दिल्ली से रवाना होकर 11:15 बजे दुबई पहुंचना था। दूसरी उड़ान एसजी 5105 को सोमवार रात 10:10 बजे दिल्ली से उड़ान भरनी थी और रात 12:55 बजे दुबई पहुंचना था। हालांकि दोनों उड़ानें तय समय पर रवाना नहीं हो सकीं और मंगलवार दोपहर तक भी उड़ान नहीं भर पाई। इस दौरान यात्री एयरपोर्ट पर ही इंतजार करते रहे। स्पाइसजेट के मुताबिक, एक विमान के जमीन पर खड़े होने के कारण परिचालन संबंधी वजहों से दोनों उड़ानों में देरी हुई। एयरलाइन ने प्रभावित यात्रियों को दूसरी उड़ानों से दुबई भेजने की व्यवस्था शुरू की। एयरलाइन ने यात्रियों को हुई परेशानी के लिए माफी भी मांगी। स्पाइसजेट के प्रवक्ता ने कहा कि यात्रियों को जल्द से जल्द दूसरी उड़ान से दुबई पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। समय पर उड़ान भरने के मामले में स्पाइसजेट का इस साल का रिकॉर्ड अन्य बड़ी एयरलाइंस की तुलना में कमजोर रहा है। जुलाई में स्पाइसजेट की केवल 34.5 प्रतिशत उड़ानें समय पर संचालित हुईं। इसी महीने एयरलाइन की बाजार हिस्सेदारी भी 1.6 प्रतिशत रही और उसने 1.87 लाख यात्रियों को सफर कराया। वहीं इंडिगो की बाजार हिस्सेदारी 67.4 प्रतिशत, एयर इंडिया समूह की 24 प्रतिशत और अकासा एयर की 5.5 प्रतिशत रही। स्पाइसजेट के सामने हाल के समय में कई चुनौतियां रही हैं। पिछले सप्ताह नागरिक उड्डयन मंत्री के. राममोहन नायडू ने कहा था कि नागरिक उड्डयन मंत्रालय और नागर विमानन महानिदेशालय एयरलाइन की वित्तीय स्थिति और परिचालन पर करीबी नजर रख रहे हैं। दिल्ली एयरपोर्ट पर यात्रियों का प्रदर्शन लंबी देरी से पैदा हुई नाराजगी को साफ तौर पर सामने लाता है।

जिम्बाब्वे के ब्रेंडन टेलर ने तोड़ा सचिन का रिकॉर्ड, 22 साल 4 महीने लंबे वनडे करियर के साथ रचा इतिहास

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। जिम्बाब्वे के विकेटकीपर बल्लेबाज ब्रेंडन टेलर ने मंगलवार को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हरारे में पहला वनडे खेलने उतरते ही भारतीय क्रिकेट के महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर का एक बड़ा रिकॉर्ड पीछे छोड़ दिया। टेलर का वनडे करियर अब 22 साल 4 महीने का हो गया है। इसके साथ ही वह सबसे लंबे समय तक वनडे क्रिकेट खेलने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने सचिन तेंदुलकर के 22 साल 3 महीने के वनडे करियर को पीछे छोड़कर यह उपलब्धि हासिल की। 40 साल के टेलर का क्रिकेट करियर बेहद उतार-चढ़ाव भरा रहा है। उन्होंने 2021 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लिया था। इसके बाद वर्ष 2022 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद के भ्रष्टाचार रोधी और डोपिंग रोधी नियमों के उल्लंघन के मामले में उन पर साढ़े तीन साल का प्रतिबंध लगाया गया था। प्रतिबंध पूरा करने के बाद टेलर 2025 में संन्यास से वापस लौटे और एक बार फिर जिम्बाब्वे की टीम का हिस्सा बने। ब्रेंडन टेलर ने जिम्बाब्वे के लिए अपने वनडे करियर में 207 मुकाबले खेले हैं। इस दौरान उन्होंने 11 शतक और 39 अर्धशतक की मदद से 6704 रन बनाए। उनका वनडे में सर्वश्रेष्ठ स्कोर 145 रन रहा है। वर्ष 2004 में वह जिम्बाब्वे के प्रमुख बल्लेबाजों में शामिल हुए थे और बाद में टीम के सबसे भरोसेमंद बल्लेबाजों में अपनी पहचान बनाई। टेलर जिम्बाब्वे की ओर से सबसे ज्यादा वनडे शतक लगाने वाले बल्लेबाज भी हैंचिन तेंदुलकर ने 2012 में वनडे क्रिकेट से संन्यास लिया था। उन्होंने अपने वनडे करियर में 463 मैच खेले और 18,426 रन बनाए। वनडे क्रिकेट में सबसे ज्यादा मैच खेलने और सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड अब भी सचिन के नाम है। हालांकि, वनडे करियर की अवधि के मामले में ब्रेंडन टेलर ने उन्हें पीछे छोड़ दिया इधर भारत और अफगानिस्तान के बीच तीन मैचों की टी-20 सीरीज का दूसरा मुकाबला आज दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेला जाएगा। मुकाबला शाम 7:30 बजे शुरू होगा। टीम इंडिया सीरीज में 1-0 से आगे है। भारत ने पहले टी-20 मुकाबले में अफगानिस्तान को 7 विकेट से हराकर बढ़त हासिल की थी। अब भारतीय टीम की नजर दूसरे मुकाबले में जीत दर्ज कर सीरीज अपने नाम करने पर होगी।

एंटीलिया में गणपति उत्सव में पहुंचे सलमान खान, नए लुक में बप्पा के दरबार में टेका माथा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। अंबानी परिवार के एंटीलिया स्थित आवास पर आयोजित गणपति उत्सव में बॉलीवुड सितारों का जमावड़ा देखने को मिला। अभिनेता सलमान खान भी अंबानी परिवार के गणपति सेलिब्रेशन में शामिल हुए। नए लुक में एंटीलिया पहुंचे सलमान ने पहले तस्वीरें क्लिक कराईं और इसके बाद गणपति प्रतिमा के सामने जाकर बप्पा का आशीर्वाद लिया। पंडित जी ने उन्हें तिलक लगाया और पटका पहनाया। इसके बाद सलमान खान ने गणपति बप्पा को फूल अर्पित किए।

सलमान का नया लुक रहा चर्चा में

गणपति उत्सव में सलमान खान नए लुक में नजर आए। एंटीलिया पहुंचने के बाद उन्होंने तस्वीरों के लिए पोज दिए। इसके कुछ देर बाद वह गणपति प्रतिमा के सामने पहुंचे और श्रद्धा के साथ बप्पा के दर्शन किए। पूजा के दौरान पंडित जी ने उन्हें तिलक लगाया और पटका पहनाया। सलमान ने गणपति बप्पा को पुष्प अर्पित कर आशीर्वाद लिया। उनके इस अंदाज ने गणपति उत्सव में मौजूद लोगों का ध्यान खींचा।एंटीलिया में गणपति सेलिब्रेशन की शुरुआत भक्तिमय माहौल के साथ हुई। राधिका मर्चेंट ने क्लासिकल भरतनाट्यम प्रस्तुति दी। उनकी इस भक्तिमय प्रस्तुति को लोकप्रिय कोरियोग्राफर वैभवी मर्चेंट ने कोरियोग्राफ किया था। वैभवी मर्चेंट ने सोशल मीडिया पर राधिका की प्रस्तुति का वीडियो भी साझा किया। पारंपरिक नृत्य और भक्ति से जुड़ी इस प्रस्तुति ने समारोह के माहौल को और खास बना दिया।

कई बॉलीवुड सितारों ने किए बप्पा के दर्शन

गणपति उत्सव में सलमान खान के अलावा विक्की कौशल और कटरीना कैफ भी पहुंचे। दोनों ने गणपति बप्पा के दर्शन किए और फूल अर्पित किए। वहीं हाल ही में माता-पिता बने सिद्धार्थ मल्होत्रा और कियारा आडवाणी भी एंटीलिया में बप्पा के सामने हाथ जोड़कर आशीर्वाद लेते नजर आए।

पारंपरिक अंदाज में नजर आया अंबानी परिवार

गणपति सेलिब्रेशन के दौरान नीता अंबानी गहरे लाल रंग के पारंपरिक परिधान में नजर आईं। उन्होंने शानदार गहने पहन रखे थे। वहीं राधिका मर्चेंट ने चमकीले नारंगी रंग का कढ़ाईदार पारंपरिक परिधान चुना। उन्होंने पारंपरिक आभूषणों और अन्य साज-सज्जा के साथ अपना उत्सवी लुक पूरा किया। एंटीलिया में हुए इस गणपति समारोह में भक्ति, परंपरा और फिल्मी सितारों की मौजूदगी का खास संगम देखने को मिला।

नंदीग्राम में भाजपा का बड़ा दांव, शुभेंदु के पीए की मां हसीरानी रथ को टिकट

महानगर मेट्रो ब्यूरो

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की नंदीग्राम और रेजीनगर विधानसभा सीटों पर होने वाले उपचुनाव को लेकर भाजपा ने अपने उम्मीदवारों के नाम घोषित कर दिए हैं। पार्टी ने नंदीग्राम से हसीरानी रथ और रेजीनगर से शाश्वर सरकार को उम्मीदवार बनाया है। नंदीग्राम से हसीरानी रथ को मैदान में उतारना भाजपा का अहम राजनीतिक दांव माना जा रहा है, क्योंकि वह मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के पीए चंद्रनाथ रथ की मां हैं। चंद्रनाथ रथ की 6 मई की देर रात मध्यमग्राम के पास गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। गंभीर हालत में उन्हें अस्पताल ले जाया गया था, जहां बाद में उनकी मौत हो गई। नंदीग्राम में भाजपा के सामने राजनीतिक विरासत का सवाल नंदीग्राम लंबे समय से तृणमूल कांग्रेस और भाजपा के बीच राजनीतिक संघर्ष का प्रमुख केंद्र रहा है। वर्ष 2007 के भूमि अधिग्रहण विरोधी आंदोलन ने ममता बनर्जी और तृणमूल कांग्रेस की राजनीति को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। इसी क्षेत्र से जुड़ी राजनीतिक पृष्ठभूमि के बीच वर्ष 2021 में ममता बनर्जी ने नंदीग्राम से शुभेंदु अधिकारी के खिलाफ चुनाव लड़ा था, लेकिन उन्हें हार का सामना करना पड़ा। 2026 के विधानसभा चुनाव में शुभेंदु अधिकारी ने नंदीग्राम और भवानीपुर दोनों सीटों से चुनाव लड़ा और दोनों जगह जीत दर्ज की। बाद में उन्होंने भवानीपुर सीट अपने पास रखी और नंदीग्राम विधानसभा सीट से इस्तीफा दे दिया। इसके बाद नंदीग्राम सीट खाली हो गई और यहां उपचुनाव की स्थिति बनी। इ उपचुनाव में तृणमूल कांग्रेस के दोनों गुटों के बीच भी सीधा मुकाबला देखने को मिल रहा है। ऋतब्रत बनर्जी के नेतृत्व वाले बागी गुट ने नंदीग्राम से मोहम्मद एतेशामुल हक और रेजीनगर से सफीउज्जमान शेख को उम्मीदवार बनाया है। वहीं ममता बनर्जी के गुट ने नंदीग्राम से संचिता प्रधान डे और रेजीनगर से पूर्व विधायक रबीउल आलम चौधरी को मैदान में उतारा है। दोनों गुट खुद को असली टीएमसी बताते हुए 'जोड़ा घास फूल' चुनाव चिह्न पर दावा कर रहे हैं। चुनाव आयोग ने दोनों पक्षों से अतिरिक्त दस्तावेज मांगे हैं और 16 सितंबर तक जवाब देने को कहा है। यदि उपचुनाव से पहले आयोग इस विवाद पर फैसला नहीं कर पाता है तो मौजूदा चुनाव चिह्न को फ्रीज किया जा सकता है। ऐसी स्थिति में दोनों गुटों को अलग नाम और चुनाव चिह्न के साथ चुनाव लड़ना पड़ सकता है। कांग्रेस ने नंदीग्राम से मिलन प्रधान और रेजीनगर से मोहम्मद अब्दुल्लाहिल काफी को टिकट दिया है। वहीं सीपीआई (एम) सीपीआई ने नंदीग्राम से शांति गोपाल गिरी को उम्मीदवार बनाया है।

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर तड़के मौत का कहर, बिना लाइट खड़े ट्रक में घुसी तेज रफ्तार कार; 3 श्रद्धालुओं की मौत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मंदसौर। जिले के गरोठ थाना क्षेत्र में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर मंगलवार तड़के करीब 4:30 बजे हुए भीषण सड़क हादसे में तीन श्रद्धालुओं की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक यात्री गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा उस समय हुआ, जब हरियाणा से कुछ श्रद्धालु सांवरिया सेठ और खाटू श्याम जी के दर्शन के लिए कार से जा रहे थे। तेज रफ्तार कार सड़क किनारे खड़े एक ट्रक के पिछले हिस्से से जा टकराई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार सवार तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के समय तेज बारिश और चारों तरफ अंधेरा था। अस्पताल में भर्ती घायल जितेंद्र अहीर ने बताया कि एक्सप्रेसवे पर एक ट्रक बिना किसी इंडिकेटर या लाइट के खड़ा था। तेज बारिश के कारण दृश्यता भी कम थी। अंधेरे और कम दृश्यता के बीच कार चालक को सड़क किनारे खड़ा ट्रक दिखाई नहीं दिया और कार सीधे उसके पिछले हिस्से में जा घुसी। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। हादसे की सूचना मिलते ही गरोठ थाना पुलिस मौके पर पहुंची और दुर्घटना में मृतकों तथा घायल की पहचान की। मृतकों में गुड़गांव, हरियाणा के सिकंदरपुर निवासी अरविंद अहीर (39), नाथूपुर निवासी बिन्दर अहीर (33) और अलवर, राजस्थान के बहरोड़ थाना क्षेत्र के पहेल निवासी कैलाश चंद्र गुर्जर (34) शामिल हैं। वहीं गुड़गांव निवासी जितेंद्र अहीर (40) गंभीर रूप से घायल हुए हैं। पुलिस ने घायल को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका इलाज जारी है पुलिस ने हादसे में जान गंवाने वाले तीनों लोगों के शवों को सिविल अस्पताल के पोस्टमार्टम हाउस में रखवाया है। परिजनों को घटना की जानकारी दी गई है। परिजनों के गरोठ पहुंचने के बाद शवों का पोस्टमार्टम कराया जाएगा और इसके बाद शव उन्हें सौंपे जाएंगे। गरोठ थाना पुलिस ने मामले में प्रकरण दर्ज कर दुर्घटना की जांच शुरू कर दी है। पुलिस हादसे की परिस्थितियों और एक्सप्रेसवे पर खड़े ट्रक की स्थिति सहित अन्य पहलुओं की जांच कर रही है। तड़के तेज बारिश और अंधेरे के बीच हुआ यह हादसा तीन परिवारों के लिए मातम लेकर आया। धार्मिक यात्रा पर निकले श्रद्धालुओं को मंजिल तक पहुंचने से पहले ही दर्दनाक हादसे का सामना करना पड़ा।

2,000 तक PI पेमेंट पर कोई फीस नहीं, वित्त मंत्रालय ने साफ किया नियम

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। यूपीआई से भुगतान करने वाले करोड़ों लोगों के लिए सरकार ने फीस को लेकर स्थिति साफ कर दी है। वित्त मंत्रालय ने सोमवार को जारी नोटिफिकेशन में स्पष्ट किया कि 2,000 तक के यूपीआई पेमेंट पर ग्राहक से किसी भी तरह की फीस नहीं ली जा सकती। बैंक या पेमेंट सिस्टम प्रोवाइडर इस सीमा तक होने वाले भुगतान पर प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से कोई शुल्क नहीं लगा सकेंगे। रुपे डेबिट कार्ड से होने वाले भुगतान को भी इस छूट में शामिल किया गया है। हालांकि, इसका मतलब यह बिल्कुल नहीं है कि 2,000 यूपीआई भुगतान की नई अधिकतम सीमा तय कर दी गई है। यूपीआई के जरिए इससे कहीं अधिक रकम भेजी जा सकती है। 2,000 की सीमा केवल फीस से संबंधित है। यानी 2,000 तक के भुगतान पर शुल्क नहीं लगाया जा सकता, जबकि 2,000 से ज्यादा के यूपीआई भुगतान पर फिलहाल कोई नई फीस लागू नहीं हुई है। दरअसल, अगस्त में संसद से टैक्सेशन एंड अदर लॉज (अमेंडमेंट) एक्ट, 2026 पारित होने के बाद यूपीआई भुगतान पर शुल्क को लेकर चर्चा तेज हुई थी। आशंका जताई जा रही थी कि 2,000 से अधिक के यूपीआई भुगतान पर एमडीआर यानी मर्चेंट डिस्काउंट रेट लगाया जा सकता है। इससे बड़े भुगतान स्वीकार करने वाले दुकानदारों और कारोबारियों की लागत बढ़ने की संभावना जताई गई थी। यूपीआई को बढ़ावा देने और इसे ग्राहकों के लिए मुफ्त रखने के उद्देश्य से सरकार ने वित्त वर्ष 2021-22 से प्रोत्साहन योजना शुरू की थी। इसके तहत छोटे दुकानदारों को ग्राहकों से मिलने वाले 2,000 तक के यूपीआई भुगतान पर 0.15 प्रतिशत प्रोत्साहन दिया जाता था।

इसनपुर-घोड़सर ब्रिज के पास 14.64 लाख रुपये की शराब की बड़ी खेप ज़ब्त की गई!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। राजस्थान से तस्करी करके लाई गई बड़ी मात्रा में शराब और बीयर ज़ब्त की गई; राजस्थान और अमराईवाड़ी के 2 बूटलेगर जो कारों में नकली नंबर प्लेट बदलकर शराब सप्लाई करते थे, उन्हें गिरफ्तार किया गया। ड्राइड स्टेट गुजरात के बैकग्राउंड में, अहमदाबाद शहर क्राइम ब्रांच ने बूटलेगरों के खिलाफ एक और कड़ी कार्रवाई शुरू की है। क्राइम ब्रांच टीम ने अहमदाबाद में इसनपुर-घोड़सर ब्रिज के पास से गुज़र रही एक संदिग्ध कार को रोककर भारी मात्रा में शराब और बीयर ज़ब्त की है। पुलिस ने राजस्थान और अहमदाबाद के दो मनबढ़ लोगों को मौके से कानून के तहत हिरासत में लिया है, जिन्होंने पुलिस को बेवकूफ बनाने के लिए 4 अलग-अलग नकली नंबर प्लेट का इस्तेमाल किया था। क्राइम ब्रांच को मिली खास और गोपनीय जानकारी के आधार पर, इसनपुर घोड़ासर ब्रिज के पास निगरानी रखी गई थी। इस दौरान, एक संदिग्ध हालत में आ रही कार को रोककर तलाशी ली गई, तो उसमें कुल 1812 बोतल शराब और बीयर मिली। इस पूरे नेटवर्क का पर्दाफाश हुआ है जो राजस्थान से अहमदाबाद में अवैध शराब की तस्करी में सक्रिय है।

गिरफ्तार आरोपी और बरामद सामान

1. चन्नाराम चौधरी (निवासी राजस्थान)
2. वीरेंद्रसिंह सिकरवार (निवासी अमराईवाड़ी, अहमदाबाद)

पुलिस और जांच एजेंसियों को गुमराह करने के लिए रखी गई 4 अलग-अलग नंबर प्लेट पुलिस की आंखों में धूल झोंकने का खेल उजागर शराब तस्कर इंटर-स्टेट बॉर्डर पार करके गुजरात में शराब की तस्करी करने के लिए नए-नए तरीके आजमा रहे हैं। वे कारों पर बार-बार नंबर प्लेट बदलकर टोल प्लाजा और पुलिस चेक पोस्ट से बच निकलते थे। लेकिन शराब तस्करों का यह काला खेल क्राइम ब्रांच की सटीक इंटेलिजेंस और सर्विलांस के सामने फेल हो गया है। क्राइम ब्रांच ने आरोपी को रिमांड पर लेकर इस बात की गहरी जांच शुरू कर दी है कि राजस्थान से इतनी शराब किसने भेजी थी और अहमदाबाद में किन लोकल शराब तस्करों को सप्लाई की जानी थी।

ABVP के प्रेसिडेंट कैंडिडेट लक्ष्यराज सिंह का वायरल वीडियो, सियासत गरमाई

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली/अहमदाबाद। जहां दिल्ली यूनिवर्सिटी स्टूडेंट्स यूनियन चुनाव का माहौल पूरे शबाब पर है, वहीं BJP की स्टूडेंट विंग अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के प्रेसिडेंट कैंडिडेट लक्ष्यराज सिंह एक वायरल वीडियो की वजह से बड़े विवाद में फंस गए हैं। सोशल मीडिया पर वायरल हुए इस वीडियो में लक्ष्यराज सिंह एक महिला के साथ डांस करते दिख रहे हैं, जिसकी वजह से विपक्षी पार्टियों और सोशल मीडिया यूजर्स ने BJP और पर हमला बोलना शुरू कर दिया है। वीडियो के वायरल होते ही समाजवादी पार्टी और दूसरे विपक्षी संगठनों ने BJP के 'नारी शक्ति वंदन' के नारे पर सवाल उठाए हैं। विपक्ष के नेताओं ने यह वीडियो शेयर किया है और मज़ाक उड़ाते हुए कहा है, 'यही है BJP का असली महिला सैल्यूट!' गंभीर आरोप लग रहे हैं कि संस्कृति, नैतिकता और महिलाओं के सम्मान की बड़ी-बड़ी बातें करने वाली BJP की स्टूडेंट विंग की प्रेसिडेंट कैंडिडेट का बर्ताव उसकी असली सोच को दिखाता है। दिल्ली यूनिवर्सिटी चुनाव को हमेशा से देश की पॉलिटिक्स की नर्सरी माना जाता रहा है। BJP ने प्रेसिडेंट पद के मज़बूत दावेदार के तौर पर लक्ष्यराज सिंह को मैदान में उतारा है। लेकिन चुनाव के समय ऐसा वीडियो वायरल होने से BJP की इमेज पर बड़े सवाल खड़े हो गए हैं। हस्ढ़ और समाजवादी छात्र सभा जैसे स्टूडेंट ऑर्गनाइज़ेशन ने इस मुद्दे को दरकिनार कर प्रोपेगैंडा वॉर तेज़ कर दिया है। विपक्ष का गुस्साः क्या यह देश की सबसे बड़ी यूनिवर्सिटी को लीड करने वाले कैंडिडेट का घमंड और लिमिटेशन है? संगठन पर दबावः क्या BJP अपने उम्मीदवार के इस व्यवहार पर सफाई देगी या विवाद के बीच भी उसका समर्थन करती रहेगी चुनाव से ठीक पहले हुए इस वीडियो विवाद ने BJP और BJP के लिए बड़े धर्मसंकट की स्थिति पैदा कर दी है। देखना होगा कि आने वाले दिनों में यह विवाद चुनाव नतीजों पर कैसे असर डालता है।

संजुक्ता पाराशर बनीं CoBRA की पहली महिला IG, नक्सल और उग्रवाद विरोधी अभियानों का लंबा अनुभव

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। 2006 बैच की आईपीएस अधिकारी संजुक्ता पाराशर को केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की कमांडो बटालियन फॉर रिजॉल्यूट एक्शन यानी कोब्रा यूनिट का महानिरीक्षक (आईजी) नियुक्त किया गया है। इस पद पर पहुंचने वाली वह पहली महिला अधिकारी हैं। सीआरपीएफ मुख्यालय ने पिछले सप्ताह उनकी नियुक्ति का आदेश जारी किया था, जिसकी जानकारी अब सामने आई है। संजुक्ता पाराशर इस पद पर 1996 बैच के आईपीएस अधिकारी दानेश राणा की जगह लेंगी। असम-मेघालय कैडर की अधिकारी संजुक्ता पाराशर का उग्रवाद विरोधी अभियानों में लंबा अनुभव रहा है। असम में नक्सलवाद और उग्रवाद के खिलाफ अभियानों में उनकी भूमिका के चलते उन्हें 'लेडी सिंघम' के नाम से भी जाना जाने लगा। कठिन और संवेदनशील इलाकों में सक्रिय नेतृत्व के लिए उनकी पहचान बनी। साल 2008 में पहली पोस्टिंग के कुछ समय बाद संजुक्ता पाराशर को उदालगुड़ी भेजा गया था। उस दौरान इलाके में बोडो और अन्य समुदायों के बीच जातीय हिंसा भड़क गई थी। उन्होंने मौके पर पहुंचकर हालात नियंत्रित करने में भूमिका निभाई और सुरक्षा व्यवस्था संभाली। सोनितपुर में पुलिस अधीक्षक के तौर पर तैनाती के दौरान संजुक्ता पाराशर ने सीआरपीएफ जवानों और पुलिस कमांडो के साथ घने जंगलों में उग्रवाद विरोधी अभियानों का नेतृत्व किया। अभियानों के दौरान वह खुद भी हथियार लेकर सुरक्षा बलों के साथ जंगलों में जाती थीं। अगस्त 2016 में असम-अरुणाचल सीमा के पास पुलिस, सीआरपीएफ और असम राइफल्स के संयुक्त अभियान का नेतृत्व भी उन्होंने किया। अभियान के दौरान सुरक्षा बलों पर गोलियां चलाई गईं और ग्रेनेड फेंके गए। इस कार्रवाई में एनडीएफबी (एस) के तीन उग्रवादी मारे गए और हथियार बरामद किए गए। 2014-15 के दौरान संजुक्ता पाराशर के नेतृत्व में चलाए गए अभियानों में 16 उग्रवादियों के मारे जाने और 64 की गिरफ्तारी की बात सामने आई थी। हालांकि इन आंकड़ों को लेकर कभी आधिकारिक आंकड़े जारी नहीं किए गए।

नवसारी में खाकी वर्दी वाले पर तलवार और डंडे से जानलेवा हमलाः नवसारी में पुलिसवाले पर तलवार और डंडे से जानलेवा हमला, 15 दिन पहले की रंजिश में खूनी खेल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नवसारी। नवसारी शहर में कानून व्यवस्था को खुली चुनौती देते हुए एक बहुत ही सनसनीखेज और दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। कानून के रक्षक माने जाने वाले पुलिसवाले पर सरेआम रोड पर असामाजिक तत्वों ने जानलेवा हमला किया है। 15 दिन पहले एक बेगुनाह युवक की जान बचाने की कीमत इस पुलिसवाले को अपने खून से चुकानी पड़ी। हमलावरों ने रंजिश में पुलिसवाले को सड़क पर रोककर उस पर तलवार और डंडे से हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। 15 दिन पहले दुश्मनी में जानलेवा साज़िश मिली जानकारी के मुताबिक, पीड़ित पुलिसवाले ने करीब 15 दिन पहले कुछ बेशर्म हमलावरों के चंगुल से एक युवक की जान बचाई थी। इसी बात को ध्यान में रखकर आरोपी पुलिसवाले से बदला ले रहे थे। हमलावरों ने कानून लागू करने वाले और बेगुनाहों की मदद करने वाले पुलिसवाले से अंदर ही अंदर दुश्मनी पाल ली थी और मौके का इंतज़ार कर रहे थे। जब पुलिसवाला सड़क से गुज़र रहा था, तो हमलावरों ने पहले से तय साज़िश के तहत उसका रास्ता रोक लिया। इससे पहले कि वह कुछ सोच पाता या अपना बचाव कर पाता, असामाजिक तत्वों ने तलवारों और लोहे की लाठियों जैसे जानलेवा हथियारों से पुलिसवाले पर हमला कर दिया। सरेआम सड़क पर खेले गए इस खूनी खेल से इलाके में बहुत डर और सन्नाटा पसरा हुआ है। घटना की खबर मिलते ही, नवसारी पुलिस की एक बड़ी टीम मौके और अस्पताल पहुँची। गंभीर रूप से घायल पुलिसकर्मी को तुरंत इलाज के लिए भेज दिया गया है। नवसारी पुलिस ने इस मामले में केस दर्ज कर लिया है और जानलेवा हमला करने वाले सभी हमलावरों को पकड़ने के लिए अलग-अलग टीमें बनाकर छापेमारी शुरू कर दी है। जब असामाजिक तत्व इस तरह कानून के रक्षकों पर तलवार उठाते हैं, तो आम नागरिकों की सुरक्षा पर भी सवाल उठते हैं।

Printed, Published and Owned by SARABJIT MAKAN and Printed by ILEVAN HASMUKHRAI THAKAR Printed at Jay Graphics & Printers, C/15, Vikram Chambers, Ashram Road, Ahmedabad - 380009. and published from F/1 first floor, rajas apartment, near old railway crossing, maninagar east maninagar, Ahmedabad, Gujarat-380008. Editor SARABJIT MAKAN, Mo.: 9638877700, 9662420070.